{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 23 दिसंबर 2025
पौस शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 91
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

केरल में बांग्लादेशी समझकर छत्तीसगढ़ के दलित प्रवासी मजदूर की पीट-पीट कर हत्या

पदमेश न्यूज़.रायपुर/पालक्काड

रोजगार की तलाश में केरल पहुंचे छत्तीसगढ़ के एक दलित प्रवासी मजदूर को चोरी के झूठे शक और बांग्लादेशी घुसपैठिया समझने की गलतफहमी में भीड़ ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह दर्दनाक घटना केरल के पालक्काड जिले के वालायर थाना क्षेत्र के अट्टापल्लम गांव में 17 दिसंबर को हुई।

मृतक 31 वर्षीय रामनारायण बघेल छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के करही गांव का निवासी था। रामनारायण अपनी पत्नी ललिता, दो नाबालिग बच्चों (10 और 9 वर्षीय पुत्र) और बीमार मां के साथ गरीबी में जीवन यापन कर रहा था। वह परिवार का इकलौता कमाने वाला था। 13 दिसंबर को काम की तलाश में पहली बार केरल पहुंचे रामनारायण अपने दूर के रिश्तेदार शशिकांत बघेल के साथ कंजीकोड औद्योगिक क्षेत्र में रह रहा था।

घटना के अनुसार, रामनारायण मानसिक रूप से अस्वस्थ या रास्ता भटकने की स्थिति में दिख रहा था। मंगलवार को वह अत्तापल्लम और आसपास के इलाकों में भटकते देखा गया। उन्होंने एक घर से पानी पिया, लेकिन किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया। बुधवार दोपहर मनरेगा में काम कर रही महिलाओं के पास पहुंचकर उनके बैग में हाथ डाला, जिसमें खाना रखा था। महिलाओं के शोर मचाने पर आसपास के पुरुषों की भीड़ जुट गई। भीड़ ने उन्हें घेरकर चोरी का आरोप लगाया और बांग्लादेशी होने का शक जताते हुए पूछताछ की, जो मोबाइल पर रिकॉर्ड की गई। वीडियो में हमलावरों को रामनारायण से 'क्या तुम बांग्लादेशी हो?' जैसे सवाल पूछते सुना गया।

आरोपी

मृतक

पंचायत सदस्य शिवरामन के अनुसार, सुनसान इलाके में भीड़ ने शाम तक लाठी-डंडों से बेरहम पिटाई की। रामनारायण ने कुछ चोरी नहीं किया था, शायद भूखा था। शाम करीब 7 बजे स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। एंबुलेंस से पालक्काड जिला अस्पताल ले जाए जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में शरीर पर 80 से अधिक चोटें मिलीं, जिनमें गंभीर सिर की चोट और आंतरिक रक्तस्राव शामिल हैं। डॉक्टरों ने कहा कि शरीर का कोई हिस्सा चोट से बचा नहीं था। उसकी और पिटाई जानवर की तरह की गई। मौत आंतरिक चोटों से रक्त हानि के कारण हुई।

पुलिस ने पांच स्थानीय लोगों अनु (38), प्रसाद (34), मुरली (38), आनंदन (55) और बिपिन (30) को गिरफ्तार किया है। ये छोटे-मोटे काम करने वाले हैं, जिनमें से कुछ का आपराधिक इतिहास है। उन्हें भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जांच अधिकारी इंस्पेक्टर एन एस राजीव ने बताया कि हमले की वीडियो रिकॉर्डिंग बरामद हुई है और और लोगों की संलिप्तता की जांच चल रही है।

केरल राज्य मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं और पालक्काड पुलिस प्रमुख से तीन सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है। प्रोग्रेसिव वर्कर्स ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष जॉर्ज मैथ्यू ने कहा कि केरल में प्रवासी मजदूरों पर भीड़ के हमले बढ़ रहे हैं। विशेष जांच दल गठित किया जाए शव को मुफ्त में घर भेजा जाए। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने 25 लाख रुपये मुआवजे और मामले को भीड़ हत्या के रूप में दर्ज करने की मांग की है।

छत्तीसगढ़ से हर साल हजारों मजदूर रोजगार की तलाश में केरल जाते हैं। ज्यादातर मज़दूर निर्माण कार्य, फैक्ट्री, होटल, प्लाईवुड, स्टील और बंदरगाह में हैं।

केरल में मजदूरी अपेक्षाकृत ज्यादा होने के कारण छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और बिहार से प्रवास लगातार बढ़ा है। लेकिन भाषा की दिक्कत, स्थानीय समाज से दूरी और अस्थायी जीवन के कारण ये मजदूर अक्सर संदेह और अफवाहों का आसान निशाना बन जाते हैं। बीते कुछ वर्षों में केरल में प्रवासी मजदूरों पर हमले, झूठे शक और भीड़ द्वारा पिटाई की घटनाएं सामने आती रही हैं।

मज़दूर संगठनों का कहना है कि कई मामलों में प्रवासी मजदूर स्थानीय भाषा नहीं जानते, अपने अधिकारों से अनजान होते हैं और किसी घटना में फंसने पर उनके पास कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं होती।

यह घटना 2018 के मधु हत्याकांड की याद ताजा कराती है, जब पालक्काड केही अट्टापदी में एक आदिवासी युवक को चोरी के शक में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था।

रामनारायण की पत्नी और परिजन शव लेने केरल पहुंच चुके हैं। इस समय सक्ती के करही गांव में शोक का माहौल है।

खास खबर

मप्र में गूगल मैप पर निर्भरता होगी खत्म

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में जैसे ही कोई वाहन प्रवेश करेगा, उसे अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए गूगल मैप की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उसे प्रदेश की प्रत्येक लोकेशन लोकपथ ऐप-2 पर मिल सकेगी। इस ऐप को मध्य प्रदेश सरकार का लोक निर्माण विभाग तैयार करा रहा है। गुजरात के भास्कराचार्य संस्थान के सहयोग से तैयार हो रहे इस ऐप में प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य के मार्ग, मुख्य जिला सड़क से लेकर सभी तरह की सड़कें शामिल रहेंगी। यह ऐप मार्गों का विकल्प तो बताएगा ही, साथ ही रास्ते में पड़ने वाले धार्मिक व प्रमुख पर्यटन स्थलों के साथ थाना, अस्पताल, होटल, टोल प्लाजा, टोल की दर सहित अन्य जानकारियां भी उपलब्ध कराएगा। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का दावा है कि देश में पहली बार कोई राज्य इस तरह का प्रयोग करने जा रहा है।

एअर इंडिया प्लेन का एक इंजन हवा में बंद

नई दिल्ली। दिल्ली से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट को 40 मिनट में ही इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बोइंग 777-300ईआर एआई887 फ्लाइट का दाहिना इंजन टेक-ऑफ के बाद बंद हो गया। उसमें ऑइल प्रेशर जीरो हो गया था। इसके चलते उसे दिल्ली एयरपोर्ट लौटना पड़ा। प्लेन ने सुबह 6ः10 बजे एआई887 के रूप में मुंबई के लिए उड़ान भरी थी और 6.52 पर यह वापस आ गया। हालांकि 2 इंजन वाले प्लेन एक इंजन के जरिए भी सुरक्षित लैंड कर सकते हैं। इसलिए इसे तुरंत ही लौटाने का फैसला लिया गया।

11वीं और 12वीं में एआई की पढ़ाई

नई दिल्ली। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग ने 11वीं और 12वीं के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सिलेबस और किताबें बनाने के लिए एक टेक्स्टबुक डेवलपमेंट टीम बनाई है। एनसीईआरटी ने छठी क्लास की वोकेशनल एजुकेशन की टेक्स्टबुक में एनिमेशन और गेम्स पर एक प्रोजेक्ट भी शामिल किया है, जिसमें एआई टूल्स का इस्तेमाल किया गया है। सरकार ने कहा है कि एआई पर करिकुलम 2026-27 के एकेडमिक सेशन से एनईपी 2020 और एनसीएफ एसई 2023 के अनुसार, तीसरी क्लास से सभी स्कूलों में शुरू किया जाएगा।

3 महीने तक बंद रहेगा भीमाशंकर मंदिर

पुणे, । महाराष्ट्र के बड़े ज्योतिर्लिंगों में से एक भीमाशंकर मंदिर बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर में हज़ारों भक्त आते हैं। अब भीमाशंकर मंदिर अगले तीन महीने तक भक्तों के लिए बंद रहेगा। अगर आप भी भीमाशंकर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए है। जी हाँ, बताया जा रहा है कि भीमाशंकर मंदिर 1 जनवरी से अगले तीन महीने तक बंद रहेगा।

कुछ ना कहना

सोनिया बोलीं-मनरेगा खत्म होगा तो करोड़ों गरीब बेरोजगार होंगे, सालभर काम की गारंटी खत्म हो जाएगी

मोदी मजदूरों का पैसा बढ़ने नहीं देना चाहते

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा को खत्म करने से गांवों में रहने वाले करोड़ों लोगों पर बुरा असर पड़ेगा। उन्होंने मनरेगा के खत्म होने को सामूहिक नाकामी बताया और इसके खिलाफ सभी से एकजुट होने की अपील की है। सोनिया गांधी का यह बयान तब आया है, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) बिल को मंजूरी दे दी है, जो मनरेगा की जगह लेगा। इस नए कानून में ग्रामीण मजदूरों को 125 दिन काम देने की गारंटी दी गई है। सोनिया गांधी ने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे अपने कॉलम द बुलडोजर डिमॉलिश ऑफ मनरेगा में यह बात कही।

सोनिया गांधी ने कहा कि मनरेगा, महात्मा गांधी के सर्वोदय यानि 'सबका कल्याण' के विचार पर आधारित था। इसने काम के अधिकार को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, संकट से बचने के लिए ग्रामीणों के लिए बने इस रोजगार गारंटी कानून को बुलडोजर चलाकर खत्म कर दिया गया है। रूज़़्क्षत्रें संविधान के अनुच्छेद 41 से प्रेरित था, जिसमें नागरिकों को काम का अधिकार देने की बात कही गई है। सोनिया ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने बिना चर्चा, बिना सलाह और संसद की प्रक्रिया का सम्मान किए, बिना योजना को खत्म कर दिया। जबकि महात्मा गांधी का नाम हटाना तो सिर्फ शुरुआत थी, असल में पूरी योजना को ही खत्म कर दिया गया है।

नया कानून अफसरशाही नियमों का ढांचा

सोनिया ने नए कानून को अफसरशाही नियमों का ढांचा बताया। उन्होंने दावा किया कि इस योजना का दायरा अब केंद्र सरकार की मर्जी से होगा। पहले जहां बजट की कोई सीमा नहीं थी। अब तय बजट होगा, जिससे राज्यों में काम के दिनों की संख्या सीमित हो जाएगी। इससे सालभर रोजगार की गारंटी खत्म हो जाएगी।

भारत की कार्रवाई से बौखलाया बांग्लादेश, भारतीय नागरिकों के लिए बंद की वीजा सेवाएं

नई दिल्ली। हिंसा की आग में जल रहा बांग्लादेश भारत की कार्रवाई से पूरी तरह बौखला चुका है। तभी तो बांग्लादेश ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित अपने उच्चायोग में सभी कांसुलर और वीजा सेवाएं निलंबित कर दीं। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब एक दिन पहले बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार ने कहा था कि ढाका भारत में अपनी मौजूदगी को कम करने पर विचार कर रहा है। वहीं चटगांव में भारत ने अपना वीजा सेवाएं अस्थायी तौर पर बंद कर दी थीं।

दिल्ली स्थित उच्चायोग के बाहर टंगा नोटिस

वीजा सेवा को बंद करने की जानकारी देने के लिए दिल्ली स्थिति बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर एक नोटिस लगाया गया है। नोटिस में लिखा है, अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग से सभी कांसुलर और वीजा सेवाएं अगले आदेश तक अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं।

चटगांव में भारत ने वीजा केंद्र पर सेवाएं निलंबित कीं

इससे पहले भारत ने रविवार को बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र में वीजा सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित कर दी थीं। यह कदम प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बढ़े तनाव के मद्देनजर उठाया था। उनकी मौत के बाद बांग्लादेश के विभिन्न

हिस्सों में हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। इसी दौरान चटगांव में सहायक भारतीय उच्चायुक्त के आवास पर बृहस्पतिवार को पथराव की घटना भी हुई।

बता दें कि 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार ने रविवार को भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) के हवाले से बताया गया था कि चटगांव में भारतीय वीजा आवेदन संबंधी प्रक्रिया को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया है। चटगांव में भारतीय सहायक उच्चायोग में हाल में हुई घटना के बाद यह निर्णय रविवार से प्रभावी हो गया था। बयान में कहा गया कि सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के बाद वीजा आवेदन केंद्र को फिर से खोलने के संबंध में आगे की घोषणा की जाएगी। बांग्लादेश के सिलहट में भारतीय सहायक उच्चायोग कार्यालय और वीजा आवेदन केंद्र पर शनिवार को सुरक्षा बढ़ा दी गई।

बांग्लादेश उप उच्चायोग के पास भाजपा का प्रदर्शन

इससे पहले बांग्लादेश में बंगाली हिंदू दीपू दास की हत्या के विरोध में भाजपा ने सोमवार को कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग के पास विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस का पुतला भी जलाया। वरिष्ठ भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में अन्य पार्टी नेताओं और समर्थकों ने निजाम पैलेस से बेकबागन तक रैली निकाली। इस दौरान अधिकारी ने कहा, हिंदू संगठन 24 दिसंबर को हत्या के विरोध में पूरे राज्य में चक्का जाम करेंगे।

अल्पसंख्यक एकजुट हों, बंगाल के बाद हम भाजपा से दिल्ली छीन लेंगे

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अल्पसंख्यकों से एकजुट होने का आह्वान किया है। ममता बनर्जी ने नेताजी इनडोर स्टेडियम में तृणमूल कांग्रेस के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए स्क्रूटिनी (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन या विशेष गहन पुनरीक्षण) को भी भारी खामियों वाला बताया। इसी दौरान ममता बनर्जी ने अल्पसंख्यकों को एकजुट होने को कहा। वो बोलीं, मैं अल्पसंख्यकों से कहती हूं कि कृपया एकजुट हो जाएं। यह

फैसला आप पर है. बीजेपी अपने पैसे की ताकत से आपको बांटने की कोशिश कर रही है. मैं साफ तौर पर आपसे कहती हूं कि एकजुट हो जाएं।

उन्होंने आरोप लगाया, 'बीजेपी बंगाल में मुसलमानों के बीच फूट डालने की कोशिश कर रही है. वह समुदाय को बांटने की कोशिश कर रही है।'

इस दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि ऐसा नहीं, केवल जमीनी स्तर के तृणमूल कार्यकर्ता ही बीजेपी को बंगाल में पैर जमाने से रोक सकते हैं। उन्होंने पार्टी समर्थकों से राज्य में सत्ता पर कब्जा करने की भगवा खेमे की कुटिल चालों का पूरी तरह से प्रतिरोध करने को कहा. इस दौरान स्क्रूटिनी ममता बनर्जी ने कहा, 'बंगाल के बाद हम बीजेपी से दिल्ली छीन लेंगे।'

ममता ने एसआईआर पर निर्वाचन आयोग को घेरा

सोमवार को आयोजित बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की इस बैठक में ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला किया. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में मतदाता सूचियों की अब तक की गई स्क्रूटिनी प्रक्रिया के बाद पब्लिश की गई ड्राफ्ट सूची में कई खामियां हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर यह भी आरोप लगाया कि वो राज्य सरकार को सूचित किए बगैर पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर रहा है, साथ ही वो भारतीय जनता पार्टी (स्क्रूटिनी) के फायदे के लिए काम कर रहा है. उन्होंने दावा किया, 'निर्वाचन आयोग केवल बीजेपी के निर्देशों पर काम कर रहा है।'

ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया में मतदाताओं की मैपिंग में भारी त्रुटियां हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हजारों सही मतदाताओं के नाम मसौदा सूचियों से हटा दिए गए हैं।

पुणे नगरनिगम चुनाव 2026-अजित की कांग्रेस से गठबंधन की अटकलें

पुणे। महाराष्ट्र की 29 नगर निगम के लिए अगले साल 15 जनवरी को चुनाव होंगे और 16 जनवरी को नतीजे आएंगे। न्यूज एजेंसी स्क्रूटिनी के सूत्रों के मुताबिक महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने आगामी पुणे नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के साथ आने की संभावना पर बात की है। सूत्रों ने दावा किया कि अजित ने रविवार रात कांग्रेस नेता सतेज पाटिल से फोन पर बात की और साथ चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा। इस पर पाटिल ने कहा कि वे इस मुद्दे पर पहले अपनी पार्टी के नेताओं से चर्चा करेंगे, इसके बाद ही कोई फैसला लेंगे।

कयास हैं कि भाजपा और स्क्रूटिनी (अजित पवार गुट) पुणे नगर निगम चुनाव अलग-अलग लड़ने की तैयारी में हैं। वहीं कांग्रेस, गठबंधन महाविकास अघाड़ी के सहयोगी शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और शरद पवार गुट की स्क्रूटिनी से भी बातचीत कर रहे है।

पुणे नगर निगम में 165 सीट हैं। फिलहाल यहां कोई चुनी हुई बॉडी नहीं है। 2022 में पार्षदों और मेयर का कार्यकाल पूरा हो गया था। इसके बाद वार्डों की नई सीमाएं तय करने और आरक्षण से जुड़ी प्रक्रिया पूरी न होने के कारण चुनाव बार-बार टलते रहे। वर्तमान में निगम कमिश्नर ही प्रमुख हैं।

पुणे लोकसभा सीट कांग्रेस के पास

सूत्रों ने यह भी कहा कि महा विकास अघाड़ी के सीट शेयरिंग फॉर्मूले के तहत पुणे लोकसभा सीट कांग्रेस के खाते में है और पार्टी नगर निगम चुनाव के जरिए अपनी जमीनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। कांग्रेस पुणे नगर निगम की 165 सीटों में सम्मानजनक सीट शेयरिंग चाहती है। इसी वजह से कांग्रेस और एनसीपी (अजित गुट) के बीच गठबंधन की संभावना फिलहाल कमजोर मानी जा रही है।

हुमायूं कबीर नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा करेंगे

कोलकाता। मुर्शिदाबाद जिले की भरतपुर विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर मिर्जापुर से अपनी नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा करेंगे। यह स्थान बेलडांगा के काफी करीब है, जहां कबीर द्वारा प्रस्तावित बाबरी मस्जिद बनाई जाएगी। कबीर ने कहा कि उनकी नई पार्टी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में 100 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उनका लक्ष्य कम से कम 90 सीटों पर जीत हासिल करना है, ताकि नई सरकार बनाने में उनकी पार्टी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।

फैमिली कोर्ट ने 7 साल की जैन बच्ची की दीक्षा पर लगाई रोक, पिता की याचिका पर अंतरिम आदेश

अहमदाबाद। गुजरात के सूरत नगर की फैमिली कोर्ट ने एक अहम फैसले में सात वर्षीय जैन बच्ची की दीक्षा पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश बच्ची के पिता की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए फैमिली कोर्ट के जज एस.वी. मंसूरी ने दिया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 2 जनवरी तय की है। साथ ही बच्ची की मां को निर्देश दिया गया है कि वह हलफनामा दाखिल कर यह स्पष्ट करें कि प्रस्तावित दीक्षा समारोह में बच्ची को शामिल नहीं किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि बच्ची की दीक्षा फरवरी 2026 में मुंबई में होने वाले एक सामूहिक दीक्षा समारोह में प्रस्तावित थी। पिता ने अदालत में दलील दी कि उनकी बेटी अभी केवल सात साल की है और इतने कम उम्र में उसके जीवन से जुड़ा इतना बड़ा और स्थायी निर्णय लेना उचित नहीं है। याचिकाकर्ता के वकील के अनुसार, अदालत को बताया गया कि करीब एक साल पहले इस मुद्दे को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद महिला अपने दोनों बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। 10 दिसंबर को बच्ची के पिता ने गार्जियंस एंड वार्ड्स एक्ट, 1890 के तहत फैमिली कोर्ट में याचिका दायर कर बेटी की कस्टडी की मांग की थी।

'सिर्फ इसलिए क्षतिपूर्ति देने से इंकार नहीं कर सकते...'

नई दिल्ली। दुर्घटना बीमा दावे से जुड़े एक मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर पीठ ने स्पष्ट किया है कि केवल इस आधार पर कि आयकर रिटर्न पर आयकर अधिकारी के हस्ताक्षर-मुहर नहीं हैं, किसी व्यक्ति की आय को अप्रमाणित मानते हुए बीमा दावा निरस्त नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि आयकर रिटर्न एक वैधानिक दस्तावेज है और उसे साक्ष्य के रूप में पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। अगर इसकी प्रामाणिकता को लेकर जिला न्यायालय को किसी तरह का संशय था तो कोर्ट को आयकर विभाग से इसकी जांच करवानी चाहिए थी। रिटर्न जमा करने वाले के हस्ताक्षर और अधिकारी की मुहर नहीं होने का मतलब यह

बिलकुल नहीं कि रिटर्न जमा ही नहीं किया गया है। मृतक के तीन वर्ष के आयकर रिटर्न देखने से यह बात स्पष्ट है कि उसकी आय में लगातार बढ़ोतरी हो रही थी।

हाई कोर्ट ने मृतक के आश्रितों को जिला कोर्ट द्वारा दिलवाई गई तीन लाख, 82 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति को अपर्याप्त मानते हुए इसे बढ़ाकर 21 लाख, 65 हजार रुपये करने का आदेश दिया। मामला इंदौर निवासी हंसराज का है।

वह आठ जुलाई 2010 को अपने मित्र के साथ कार से जा रहे थे। इस दौरान उनके आगे चल रहे टैंकर चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से उनकी कार टैंकर में घुस गई। हादसे में हंसराज की मृत्यु हो गई थी।

उनकी पत्नी अनिता, दो नाबालिग बच्चों और मां ने जिला कोर्ट में क्षतिपूर्ति के लिए दावा प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने हंसराज द्वारा जमा कराए गए तीन वर्ष के आयकर रिटर्न और रिटर्न जमा करने की रसीद प्रस्तुत की।

बीमा कंपनी ने रिटर्न जमा करने की रसीद को लेकर आपत्ति जताई। बीमा कंपनी का कहना था कि रिटर्न जमा करने वाले के हस्ताक्षर और आयकर अधिकारी के हस्ताक्षर-मुहर नहीं हैं।

मौसम की मार

100 से अधिक उड़ानें हुईं रद्द, आईजीआई पर लॉकडाउन जैसे हालात

नई दिल्ली। घने कोहरे और बर्फबारी के चलते जहां आम जनजीवन प्रभावित हुआ है वहीं एयरलाइंस पर भी इसका असर देखा जा रहा है। खराब मौसम के कारण 100 उड़ाने रद्द कर दी गई हैं और अब तक करीब 450 विमानों पर इसका असर हुआ है। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों के आवागमन में भारी कमी आई है जिसके कारण यहां लॉकडाउन जैसे हालात बने हुए हैं। दिल्ली और उत्तर भारत में घने कोहरे ने लगातार सातवें दिन भी जनजीवन और यातायात को प्रभावित किया। रविवार को भी कोहरे और धुंध के कारण ट्रेनों और उड़ानों में भारी बाधा आई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक भी ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है, हालांकि उसके बाद कोहरे की तीव्रता कम होने की संभावना है। खासकर दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कोहरे की वजह से डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स के ऑपरेशन पर बुरा असर पड़ा है। दिल्ली एयरपोर्ट पर 100 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि 450 से अधिक उड़ानें देरी से चलीं। बीते एक हफ्ते में कुल 4,000 से ज्यादा उड़ानों पर असर पड़ा है।

20 फरवरी से शुरू होगी कक्षा पांचवी आठवीं की परीक्षाएं

जिले भर से 53573 विद्यार्थी देंगे परीक्षा, 28 तक चलेंगी परीक्षाएं, राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी किया टाइम टेबल

कक्षा – 5 वार्षिक परीक्षा समय–सारिणी (Time Table) वर्ष 2025–26
समयः– दोपहर 02:00 से 04:30 तक (कुल 2:30 घण्टे)

क.	दिनांक	दिन	विषय
1.	20.02.2026	शुक्रवार	प्रथम भाषा:– हिन्दी (SCERT), (NCERT) अंग्रेजी (SCERT), (NCERT) उर्दू, मराठी
2.	21.02.2026	शनिवार	गणित अथवा संगीत (दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु)
3.	23.02.2026	सोमवार	द्वितीय भाषा:– अंग्रेजी (SCERT), (NCERT) (जिनकी प्रथम भाषा हिन्दी/उर्दू/मराठी है) अथवा हिन्दी (SCERT), (NCERT) (जिनकी प्रथम भाषा अंग्रेजी है)
4.	25.02.2026	बुधवार	पर्यावरण अध्ययन
5.	26.02.2026	गुरूवार	*अतिरिक्त भाषा:– हिन्दी/संस्कृत/उर्दू/पंजाबी/चित्रकला (मूकबधिर परीक्षार्थियो हेतु)

कक्षा – 8 वार्षिक परीक्षा समय–सारिणी (Time Table) वर्ष 2025–26
समयः– दोपहर 02:00 से 04:30 तक (कुल 2:30 घण्टे)

क्र.	दिनांक	दिन	विषय
1.	20.02.2026	शुक्रवार	प्रथम भाषा:– (सहायक वाचन सहित) हिन्दी (SCERT), (NCERT) अंग्रेजी (SCERT), (NCERT) उर्दू, मराठी
2.	21.02.2026	शनिवार	गणित अथवा संगीत (दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु)
3.	23.02.2026	सोमवार	द्वितीय भाषा:– अंग्रेजी (SCERT), (NCERT) (जिनकी प्रथम भाषा हिन्दी/उर्दू/मराठी है) अथवा हिन्दी (SCERT), (NCERT) (जिनकी प्रथम भाषा अंग्रेजी है)
4.	25.02.2026	बुधवार	विज्ञान
5.	26.02.2026	गुरूवार	* तृतीय भाषा:– संस्कृत(SCERT), (NCERT)/हिन्दी/उर्दू/मराठी/उड़िया/पंजाबी/गुजराती/चित्रकला (मूकबधिर परीक्षार्थियो हेतु)
6.	28.02.2026	शनिवार	सामाजिक विज्ञान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज़। बालाघाट।

कक्षा 5वीं और 8वीं के विघार्थियों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केंद्र ने वार्षिक परीक्षाओं के टाइम टेबल घोषित करने के बाद अब सरकारी स्कूलों एवं संबंधित प्राइवेट स्कूलों में कक्षा 5वीं 8वीं की वार्षिक परीक्षाओं के लिए निर्देशिका जारी कर दी गई है। यह निर्देशिका सभी जिलों के कलेक्टर को भेजी गई है।जिसके अनुसार कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं की परीक्षाएं फरवरी महीने में आयोजित की जाएगी,जो 20 फरवरी से शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेंगी।इन परीक्षाओं में प्राइवेट और सरकारी दोनों ही स्कूलों के स्टूडेंट्स शामिल होंगे।

5 वीं की महज 6 दिन ,तो 8वीं 8 दिन चलेगी परीक्षा

राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से जारी टाइम टेबल के अनुसार कक्षा 5वीं की परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू होंगी जो 26 फरवरी तक चलेंगी, यानी कक्षा 5वी की परीक्षा महज 6 दिन में संपन्न हो जाएगी।तो वही कक्षा 8वीं की परीक्षा 20 फरवरी से शुरू होंगी जो 28 फरवरी तक चलेगी, यानी महज 8 दिन में संपन्न हो जाएगी।दोनों ही परीक्षाओं का समय दोपहर 2 बजे से 4:30 बजे तक रहेगा।

जिले के लगभग 53,573 विघार्थी होंगे शामिल

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं की इस परीक्षा में जिले के शासकीय और अशासकीय स्कूलों को मिलाकर लगभग 53,573 विद्यार्थी शामिल होंगे।दोनों कक्षाओं के बोर्ड एग्जाम हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और मराठी के पेपर के साथ शुरू होंगी।जहा पांचवीं की परीक्षाएं अतिरिक्त भाषाओं के एग्जाम के साथ समाप्त होंगी। जबकि आठवीं की परीक्षाएं सामाजिक विज्ञान के पेपर के साथ समाप्त होंगी। नामांकन एजुकेशन पोर्टल 3.0 से मिली जानकारी के मुताबिक इस परीक्षा में कक्षा 5 वी से निजी स्कूलों के 4647, बालक ,4110 बालिका, शासकीय स्कूलों के 9139 बालक, तो वही 9267 बालिका कुल 27163 बालक बालिकाएं शामिल होगी। इसी तरह कक्षा 8वीं के 10 ब्लॉकों से निजी स्कूलों के 3687 बालक, 3425 बालिका, तो वही शासकीय स्कूलों के 9543 बालक, 9755 बालिका कुल 26410 बालक बालिकाएं शामिल होंगी। इस तरह कक्षा 5वी और 8वीं को मिलाकर शासकीय और निजी शालाओं से कुल 53573 बालक बालिकाएं इस परीक्षा में शामिल होंगे।

जिले के स्कुलो में दर्ज 5वीं 8वीं के बच्चों की संख्या

डीपीसी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के सरकारी स्कूल में दर्ज बच्चों की संख्या

ब्लॉक	5वीं	8वीं	कुल
बैहर	1642	1551	3193
बालाघाट	2155	3634	4789
बिरसा	2537	2332	4869
कटंगी	1766	1893	3659
खैरलांजी	1465	1470	2935
किरनापुर	1930	3083	4013
लालबर्रा	1791	1861	3652
लांजी	2317	2476	4793
परसवाड़ा	1450	2438	2888
वारासिवनी	1353	1560	2913
कुल।	18406	19298	37704

जिले के निजी स्कुलो में दर्ज 5वी 8वी के बच्चों की संख्या

डीपीसी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार निजी स्कूल में दर्ज बच्चों की संख्या

ब्लॉक	5वीं	8वीं	कुल
बैहर	371	263	634
बालाघाट	2226	1951	4177
बिरसा	519	371	890
कटंगी	825	710	1535
खैरलांजी	436	460	896
किरनापुर	673	487	1160
लालबर्रा	966	748	1714
लांजी	925	630	1555
परसवाड़ा	422	381	803
वारासिवनी	1394	1111	2505
कुल।	8757	7112	15869

सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति की हुई पहचान

मानसिक रूप से कमजोर था नैनपुर निवासी युसूफ अली, चांगोटोला मऊ में किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल हो गया था यह व्यक्ति

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। चांगोटोला थाना अंतर्गत ग्राम मऊ पचपेड़ी में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।इस व्यक्ति की पहचान युसूफ अली पिता सलीम अली 50 वर्ष वार्ड नंबर 10 शांति नगर नैनपुर जिला मंडला निवासी के नाम से की गई। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी की अनुसार युसूफ अली मानसिक रूप से कमजोर था और

वह घूमते रहता था जिसकी शादी भी नहीं हो पाई थी और वह अपने भतीजो के परिवार के साथ में ही रहता था बताया गया कि सप्ताह भर पहले इशुफ अली घर से निकाला था जो घर वापस नहीं लौटा था। कुछ दिन पहले ही युसूफ अली को उसके परिजनों ने घंसौर से लेकर आए थे। और कुछ दिन तक घर में रहा इसके बाद अभी हाल ही में दो दिन पहले युसूफ अली घर से निकल गया था जो वापस नहीं लौटा परिवार के लोग तलाश कर रहे थे।इसी दौरान 21 दिसंबर की शाम चांगोटोला थाने के ग्राम मऊ पचपेड़ी में नैनपुर रोड पर अज्ञात वाहन की ठोकर से एक अज्ञात व्यक्ति घायल हालत में रोड किनारे पड़ा हुआ था। जिसे लामता के अस्पताल में भर्ती किया था यहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान इस व्यक्ति की मौत हो गई। इधर युसूफ अली के परिवार के लोग उसकी तलाश करते हुए चांगोटोला पहुंचे थे।चांगोटोला में इस व्यक्ति के परिजनों को बताया गया है कि एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल हो गया है जिसे जिला अस्पताल पहुंचा दिया गया है। 22 दिसंबर को नैनपुर से इस व्यक्ति के परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। जिन्होंने इस व्यक्ति की पहचान युसूफ अली नैनपुर निवासी के नाम से की। जिला अस्पताल पुलिस ने शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना चांगोटोला भिजवा दी है। आगे मर्ग जांच सहायक उप निरीक्षक मुन्ना पटले द्वारा की जा रही है।

राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर रामानुजन सप्ताह का समापन

प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत, नाटक मंचन रहा मुख्य आकर्षण का केंद्र

पदमेश न्यूज़।बालाघाट। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में आयोजित रामानुजन सप्ताह का सोमवार 22 दिसम्बर को सफलतापूर्वक समापन किया गया। यह कार्यक्रम 16 दिसंबर से 22 दिसंबर तक चला, जिसमें विद्यार्थियों के लिए विविध शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया।समापन कार्यक्रम में अतिथि के रूप में वापध सर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा एक प्रेरणादायक नाटक का मंचन किया गया, जिसमें लगभग 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह नाटक

लगभग आधा घंटे तक चला और दर्शकों से भरपूर सराहना प्राप्त की। रामानुजन सप्ताह के अंतर्गत पूरे सप्ताह में आयोजित की गईं 18 विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी विद्यार्थियों को समापन अवसर पर पुरस्कार प्रदान किए गए। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणितीय सोच, रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना रहा।उल्लेखनीय है कि यह संपूर्ण कार्यक्रम मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा प्रायोजित एवं संचालित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन एवं योगदान से विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा गणित विषय के प्रति रुचि बढ़ाना था।समापन अवसर पर अतिथियो ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गणित के महत्व पर प्रकाश डाला और इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक बताया। अंत में आभार व्यक्त करते हुए रामानुजन सप्ताह का समापन किया गया।इस दौरान अतिथियों में श्री वापध,श्रीमती सोनवाने, महाविद्याले के प्रचार्य डॉ. अशोक मरठे,प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।वही राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी को सफल बनाने में आईक्यूएसी प्रभारी, आयोजन समिति, महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

छिंदवाडा में आयोजित जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी छिंदपैक्स में जिले को मिला विशेष सम्मान

पदमेश न्यूज़।बालाघाट। छिंदवाडा जिले में प्रथम बार आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी का आयोजन स्थानीय शास0 उत्कृष्ट विद्यालय के सभा भवन में किया गया।जेके कावड़े अधीक्षक डाक संभाग छिंदवाडा के निर्देशन में छिंदवाडा के फिलेटलिस्ट सहित बालाघाट एंव जबलपुर जिले के फिलेटलिस्टों को उनके प्रदर्श के साथ आमंत्रित किया गया।भिन्न भिन्न विषयों पर प्रस्तुत आकर्षक प्रदर्शो को क्रमश: गोल्ड, सिल्वर एंव ब्रांज मेंडल से सम्मानित किया गया।विशेष रूप से जबलपुर से सीनियर फिलेटलिस्ट आर के नायडू तथा छिंदवाडा के फिलेटलिस्ट अभिजीत ढोले तथा विजय चांडक भी उपस्थित रहे।इस आयोजन में वरिष्ठ, कनिष्ठ एवं सीनियर वर्ग के 48 फिलेटलिस्टों ने भाग लिया।जिसमें बालाघाट जिले से वरिष्ठ फिलेटलिस्ट एंव सेवा निवृत्त व्याख्याता अशोक चौबे, नगर के व्यवसायी प्रमाणिक सोनी, एवं विजय बाघरेचा ने क्रमश: भारत के विभिन्न सांप, महात्मा गांधी, बेटी बचाओ-बेटी पढाओं, स्कूल चले हम, भारत के महान पुरूष तथा भारत के स्वाधीनता सेनानी विषयों पर अपने बेहद आकर्षक और बहुमूल्य प्रदर्श प्रस्तुत किये।इन्हें छिंदवाडा की आम जनता एवं विद्यार्थियों ने खूब सराहा। दो दिवस तक चले इस आयोजन में बालाघाट जिले के फिलेटलिस्ट अशोक चौबे, प्रमाणिक सोनी एवं विजय बाघरेचा को अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक राकेश कुमार सिंह, 8वी पुलिस बल सेनानी निवेदिता गुप्ता एंव एमएलबी प्राचार्य छिंदवाडा ने विशेष पुरस्कार एंव प्रमाणपत्र से सम्मानित किया।प्रदर्शनी में लगभग 5000 डाक टिकटों के साथ 200 मिनियेचर रंगीन पोस्ट कार्ड प्रथम एवं विशेष कव्हर को भी प्रदर्शित किया गया।इस अवसर पर एक फिलेटली कार्यशाला भी आयोजित की गई।जिसमें ज्ञानवर्धक एंव बुनियादी जानकारी फिलेटलिस्ट अशोक चौबे द्वारा प्रदान की गई।ज्ञातव्य है कि म0प्र0 के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल विनीत कुमार ने बालाघाट जिले मे दीनदयाल स्पर्श छात्रवृत्ति योजना की सफलता को दृष्टिगत करते हुए प्रथम बार वर्ष 2026 में जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी के आयोजन की घोषणा नवम्बर में आयोजित राज्यस्तरीय मैपेक्स 2025 मे की है।इस योजना में वर्ष 2025-26 तक प्रदेश के सर्वाधिक 117प्रतिभागी रु 6000/- की एक वर्षीय छात्रवृत्ति से पुरस्कृत हो चुके हैं । इनके साथ ही नगर के डाकटिकट संग्राहकों को उनके प्रदर्श प्रस्तुत करने का बेहतरीन अवसर भी मिलेगा।जिले की इस उपलब्धि पर छिंदवाडा डाक संभाग के अधीक्षक जेके कावड़े, बालाघाट डाक संभाग अधीक्षक वाय आर धनेन्द्र, जिला शिक्षा अधिकारी ए के उपाध्याय, उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य शरद ज्योतिषी, डा एमके जैन, प्रवीण दुबे, नितिन अकान्त, कमलेश सिंह,गिरीश वासनिक सहित अन्य ने शुभकामनाएँ प्रेषित की है ।

युविका सिंह लोधी
आपको जन्मदिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं
-शुभचिंतक -
दादा दादी-अरुण आशा लोधी
पापा मम्मी-विक्रांत रेखा लोधी
बहन भाई -निक्की उर्फ लक्षिता सिंह लोधी-
दिव्यांश सिंह लोधी- ग्राम कायदी वारासिवनी

सिविक एक्शन कार्यक्रम 2025-26 के तहत कम्प्यूटर प्रोग्राम का दिया जा रहा प्रशिक्षण

पदमेश न्यूज । किरनापुर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 7 वीं वाहिनी के द्वारा दिनांक 22/12/2025 को वाहिनी के कमाण्डेन्ट महोदय के मार्गदर्शन व समवाय अधिकारी ए/07 वाहिनी श्री संतोष कुमार (सहा0कमा0) के कुशल नेतृत्व में सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत ए/7 बटा0 के.रि.पु. बल, कोरका, जिला-बालाघाट में चलाए गये भारत सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम (Skill Development Programme) के तहत कम्प्यूटर प्रशिक्षण 25 दिनों तक के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा चलाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में कैम्प के आस-पास नक्सल प्रभावित गाँवों (कोरका, उसेकल, बोन्दारी, इत्यादी) के 20 युवक एवं युवतीयों ने भाग लिया। तत्पश्चात 25 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त करने उपरान्त प्रशिक्षित युवक एवं युवतीयों को कम्प्यूटर तथा प्रमाण पत्र भी दिया जाना हैं।

आवश्यकता है
होटल मैनेजर
02 पद
(अनुभवी को प्राथमिकता)
सैलरी योग्यता अनुसार
संपर्क
8819924499

पेज 12 का शेष

बालाघाट : तेजलाल टेंभरे के आभामंडल का बेजोड़ दौर

सन् 1953 से 1960 तक जनपद सभा बालाघाट के अध्यक्ष रहे। सन् 1967 से 1972 तक बालाघाट में शासकीय अधिवक्ता रहे. शिक्षा समितियों में अध्यक्ष एवं सदस्य रहकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा महिला महाविद्यालय की स्थापना की.यह उनका सामाजिक उत्थान का दौर भी था।

स्व तेजलाल टेम्भरे राजनीतिक तथा सार्वजनिक जीवन के शुरूआत से ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य रहे. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (इ) के क्रियाशील सदस्य रहे। इन उपलब्धिपूर्ण जीवन के दौरान 18 जून, 1998 को उनका देहावसान हो गया।

लांजी विधानसभा क्षेत्र कभी कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था।यह विधानसभा क्षेत्र मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष तेजलाल टेंभरे, पूर्व उपाध्यक्ष नर्मदा प्रसाद श्रीवास्तव की कर्मस्थली रही है। तेजलाल टेंभरे लांजी विधानसभा सीट से पहले विधायक रहे हैं ।

लांजी विधानसभा सीट शुरु से ही कांग्रेस का गढ़ रही है। इस सीट से मध्यप्रदेश विधानसभा में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और केबिनेट मंत्री के रुप में अनेक माननीयों ने प्रतिनिधित्व किया है। लांजी सीट पर नर्मदा प्रसाद श्रीवास्तव ही एक ऐसे विधायक रहे हैं जो लगातार तीन बार विधायक निर्वाचित हुए है। हालांकि , उन्होंने इस क्षेत्र का चार बार प्रतिनिधित्व किया है। लांजी सीट में वर्ष 1985 के बाद से बदलाव होते रहा है।

लांजी सीट से अब तक निर्वाचित विधायक के रूप में वर्ष 1951 में तेजलाल टेंभरे सबसे पहले विधायक निर्वाचित हुए थे। उन्होंने चुन्नीलाल देशमुख को परास्त किया था। वर्ष 1957 में इस सीट पर चुनाव नहीं हुआ। वर्ष 1962 में तेजलाल टेंभरे को परास्त किया।

विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं विधायक

लांजी सीट से निर्वाचित विधायक मध्यप्रदेश में विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। वर्ष 1962 में नर्मदा प्रसाद विधान सभा के विरोधी दल की ओर से विधानसभा के उपाध्यक्ष चुने गए थे। चतुर्थ विधान सभा में 5 अप्रेल 1967 को उन्हें पुन: उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसके बाद तेजलाल टेंभरे 24 मार्च 1972 को सर्वसम्मति से मध्यप्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। 10 अगस्त 1972 को उन्होंने अध्यक्ष पद से त्याग पत्र दिया। 15 अगस्त 1972 को ही मंत्री पद की शपथ ली। वर्ष 2018 में दूसरी बार विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुई हीना कावरे 10 जनवरी 2019 से 24 मार्च 2020 तक मध्यप्रदेश विधानसभा में उपाध्यक्ष रही। इस तरह से लांजी विधानसभा सीट से मप्र विधानसभा में एक बार अध्यक्ष और दो बार उपाध्यक्ष निर्वाचित होने का अवसर प्राप्त हुआ है।

इस तरह यह अध्ययन बताता है कि स्व तेजलाल टेम्भरे का उल्लेखनीय कार्यकाल और उनकी प्रशासन और शासन पर दबदबे का आसार बालाघाट जिले की तत्कालीन परिवेश को मिला. बताते हैँ कि वे सख्त प्रशासक थे. जिले के विकास के लिए अनेक बड़ी बड़ी परियोजनाएँ अस्तित्व में आयीं।

अब वैसा राजनेता केवल किंवदंतियों में ही सुनाई देते हैं. वह राजनेताओं का दौर था. जिनका आभामंडल हुआ करता था अब नेताओं का दौर है जिनका कोई आभामंडल नहीं!! (क्रमश:)

जाहीर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं। कि हमारी फर्म M/S O.N.S. AGRO INDUSTRIES का पंजीयन क्रमांक 04/21/05/0074/24 हैं, जो दिनाँक 20/06/2024 को फर्मो के रजिस्टार जबलपुर में पंजीकृत की गई है। फर्म का रजिस्टर्ड पता - पी. एच. नं. 13, खसरा नं. 7/10, ग्राम बकेरा वारासिवनी, बालाघाट म.प्र. - 481335 है।

फर्म में चार पार्टनर
1 श्री ताराचंद गर्ग पिता श्री कौर सेन गर्ग
2 श्री राजकुमार पिता श्री किसन लाल
3 श्री नमन गर्ग पिता श्री ताराचंद गर्ग
4 श्री सुधांशू गोयल पिता श्री राजकुमार
फर्म का कार्य संचालित कर रहें थे ।

सभी भागीदारो ने सर्वसहमति से फर्म में 22/10/2025 को पुर्नगठन किया है। जिसमें भागीदार 01 राजकुमार पिता श्री किसन लाल, उम्र 48 वर्ष, पता वार्ड नं. 09 गली नं. 04 धीर स्ट्रीट मनसा, तहसील व जिला मनसा पंजाब - 151505 तथा भागीदार नं. 02 श्री सुधांशू गोयल पिता श्री राजकुमार उम्र 24 वर्ष, पता वार्ड नं. 09 गली नं. 04, धीर स्ट्रीट, मनसा तहसील व जिला मनसा पंजाब - 151505, फर्म M/S O.N.S. AGRO INDUSTRIES से अपना हिस्सा त्याग रहें हैं। और यह फर्म वर्तमान में श्री ताराचंद गर्ग पिता श्री कौर सेन गर्ग, उम्र 52 वर्ष, पता हाउस नं.103 उपर ग्राउड फ्लोर ग्रीन वेली पॉकेट 04/05, ग्रीन वेली सोसायटी सेक्टर 23 रोहिनी उत्तर पश्चिम दिल्ली-110085 एवं श्री नमन गर्ग पिता श्री ताराचंद गर्ग, उम्र 24 वर्ष, पता हाउस नं. 103 ग्रीन वेली पॉकेट 04/05, रोहिनी सेक्टर 23 उत्तर पश्चिम दिल्ली-110085 के द्वारा संचालित किया जाएगा।

M/S O.N.S. AGRO INDUSTRIES
श्री ताराचंद गर्ग
श्री नमन गर्ग
(भागीदार)

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

मोटरसाइकिल खड़े ट्रक के पीछे टकराई-युवक की मौत

पदमेश न्यूज़ ।बालाघाट। नगर समीप भरवेली रोड़ ग्राम आंवलाझरी पेट्रोल पंप के पास खड़े ट्रक के पीछे मोटरसाइकिल टकरा गई इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई मृतक युवक गंगा प्रसाद पिता बसंत जामरे 24 वर्ष ग्राम नवेगांव ग्रामीण नवेगांव बालाघाट निवासी है 21 दिसंबर की रात करीब 9-30 बजे करीब यह

सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह युवक मोटरसाइकिल में टवेझरी मेले से अपने घर जा रहा था। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगा प्रसाद जामरे दो भाई और दो बहन है बड़ा भाई राम प्रसाद और दो बहनों की शादी हो चुकी है। 21 दिसंबर की शाम को गंगा प्रसाद मोटरसाइकिल में ग्राम टवेझरी का मेला गया। और रात्रि करीब 9-30 बजे गंगा प्रसाद मोटरसाइकिल में टवेझरी से अपने घर नवेगांव जा रहा था तभी बालाघाट भरवेली रोड पर स्थित ग्राम आंवलाझरी पेट्रोल पंप के पास रोड किनारे खड़े ट्रक के पीछे गंगा प्रसाद की मोटरसाइकिल टकरा गई और गंगा प्रसाद ट्रक के नीचे घुस गया और वह सर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। मोटरसाइकिल बड़े ट्रक के पीछे टकराने से हुई इस सड़क दुर्घटना को देख मौके पर राहगीरों की भी लग गई ।इसी दौरान ओम देशमुख ग्राम खमरिया लालबर्रा निवासी जो बालाघाट में रहकर स्वामी विवेकानंद कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं वह भी अपने दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल में टवेझरी मेले से बालाघाट आ रहा था ।जिसने ग्राम आंवलाझरी पेट्रोल पंप के पास भीड़ देखी। जहा एक युवक ट्रक के नीचे घायल हालत में पड़ा था। ओम देशमुख ने घायल इस युवक को ट्रक के नीचे से खींचकर बाहर निकाला और उसे ई-रिक्शा से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये और इस घायल युवक के जेब में मिले मोबाइल से उसके परिवार वालों से संपर्क किये। इसके बाद गंगा प्रसाद के भाई रामप्रसाद और पिता बसंत जामरे दोनों जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल में भर्ती गंगा प्रसाद की उपचार के दौरान मौत हो गई। 22 दिसंबर को जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक युवक गंगा प्रसाद जामरे का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली बालाघाट भिजवा दी है।

अनियमित विद्युत आपूर्ति और रबी में धान पर रोक से आक्रोशित किसानों ने रैली निकाली

10 घंटे बिजली की मांग को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज़। बालाघाट।

जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए किसानों ने प्रतिदिन न्यूनतम 10 घंटे विद्युत आपूर्ति की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि वर्तमान में मिल रही अनियमित और कम समय की बिजली आपूर्ति के कारण सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए मांग रखी कि कृषि कार्यों के लिए दिन के समय नियमित रूप से कम से कम 10 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। किसानों ने कहा कि अन्नदाता किसान अब अपने हक और अधिकारों की लड़ाई के लिए सड़कों पर उतरने को तैयार है और आवश्यकता पड़ने पर जिले स्तर पर भी आंदोलन किया जाएगा।

बीते वर्ष रबी मौसम के दौरान जिले के कुछ हिस्सों में जलस्तर नीचे चले जाने के बाद संबंधित विभाग द्वारा किसानों को रबी में धान की फसल लगाने से रोका जा रहा है। विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे रबी के समय कम पानी वाली फसलें चना एवं गेहूं की खेती करें, ताकि भूमि और जलस्तर को राहत मिल सके। इसी को लेकर किसानों को नोटिस जारी कर रबी में धान की फसल न लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही खेतों में दी जाने वाली विद्युत आपूर्ति में भी कटौती की गई है, जिससे किसानों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। इन आदेशों के बाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों में नाराजगी देखने को मिल रही है। किसान अपने-अपने स्तर पर ज्ञापन, आवेदन और निवेदन के माध्यम से पर्याप्त बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इसी क्रम में 22 दिसंबर को किसान गर्जना संगठन सहित अन्य किसान संगठनों के पदाधिकारियों ने जिला मुख्यालय में बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सुबह से ही किसान स्थानीय मोती गार्डन में एकत्रित हुए और वहां से रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। इस दौरान किसानों ने सरकार और संबंधित विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर किसानों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि उन्हें खेती के लिए पर्याप्त विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराई जाए। किसानों ने यह भी मांग रखी कि खेतों में रात्रि के समय दी जा रही बिजली को दिन के समय दिया जाए, ताकि उन्हें सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों में सुविधा हो सके। किसानों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र संज्ञान नहीं लिया गया, तो वे आने वाले दिनों में और भी बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

धान की फसल नही लगाये तो कर्जदार हो जायेंगें

किसान संगठन के पदाधिकारी अरविंद चौधरी एवं रामकुमार नगपुरे ने चर्चा के दौरान बताया कि वर्तमान में विद्युत विभाग द्वारा गांवों और खेतों की बिजली आपूर्ति को अलग-अलग कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर घरेलू उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है, दूसरी ओर खेतों में दी जाने वाली विद्युत आपूर्ति का समय पूरी तरह बदल दिया गया है। किसान नेताओं के अनुसार खेतों में पहले दिन के समय दी जाने वाली बिजली अब बंद कर दी गई है और केवल रात्रि के समय कुछ घंटों के लिए ही विद्युत आपूर्ति की जा रही है। इससे किसानों को सिंचाई सहित अन्य कृषि कार्यों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों की मांग है कि उन्हें कम से कम 10 घंटे नियमित बिजली आपूर्ति दी जाए, ताकि वे रबी सीजन में धान की फसल लगा सकें। जिले के कई क्षेत्रों में इस वर्ष बेमौसम बारिश के कारण खरीफ सीजन में धान की फसल पूरी तरह प्रभावित हो गई है। फसल नष्ट होने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। इसके बावजूद किसानों ने बैंकों से कर्ज लेकर खेती की थी, जिसे चुकाने की जिम्मेदारी अब भी उनके ऊपर है। किसान नेताओं ने कहा कि यदि उन्हें रबी सीजन में भी धान की फसल लगाने से रोका गया और पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं कराई गई, तो किसानों के लिए कर्ज चुकाना असंभव हो जाएगा।

भौगोलिक परिस्थितियां धान के अनुकूल हैं

कुछ किसानों ने अनौपचारिक चर्चा के दौरान यह भी बताया कि संबंधित विभाग का मानना है कि किसानों को बरसात के मौसम में ही धान की फसल लगानी चाहिए और रबी के समय कम पानी वाली फसलें बोनी चाहिए , जमीन को खाली छोड़ देना चाहिए। किसानों का कहना है कि जिले के कई क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियां इस सलाह के अनुरूप नहीं हैं। किसानों के अनुसार जिले के अनेक स्थानों पर जमीन में लंबे समय तक नमी बनी रहती है, जिसके चलते वहां रबी मौसम में भी धान की फसल लगाना मजबूरी बन जाती है। ऐसे क्षेत्रों में धान की खेती ही किसानों के लिए व्यावहारिक और सुरक्षित विकल्प है, जिससे वे अपना उत्पादन लेकर परिवार का पालन-पोषण कर सकें। किसानों ने यह भी बताया कि बालाघाट जिला वन-आच्छादित क्षेत्र होने के कारण यहां वन्य प्राणियों की संख्या अधिक है। ऐसे में चना और गेहूं जैसी फसलों को जंगली जानवरों से भारी नुकसान होता है, जबकि धान की फसल को अपेक्षाकृत कम क्षति पहुंचती है। इसी वजह से कई किसान रबी सीजन में भी धान की खेती करना पसंद करते हैं। किसानों का कहना है कि यदि ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में विभाग द्वारा विद्युत आपूर्ति में कटौती की जाती है, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने मांग की है कि जिले की भौगोलिक स्थिति, मिट्टी की नमी और वन्य प्राणियों की समस्या को ध्यान में रखते हुए ही खेती और बिजली आपूर्ति से संबंधित निर्णय लिए जाएं, ताकि किसानों के हितों की अनदेखी न हो।

स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए यातायात पुलिस ने चलाया विशेष अभियान

शहर के शासकीय और अशासकीय स्कूलों में जाकर वाहन चालकों को दी नियमों की जानकारी

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शहर में यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। 22 दिसंबर को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गठित विशेष टीमों ने स्कूलों के बच्चों को लाने और ले जाने वाले वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान टीमों ने, न केवल वाहनों में सुरक्षा मापदंडों का पालन देखा, बल्कि चालकों और वाहन संचालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए भी मार्गदर्शन दिया। निरीक्षण के दौरान कई स्कूल वाहनों में सुरक्षा संबंधी कमियां पाई गईं। इन कमियों में सीट बेल्ट की अनुपस्थिति, सुरक्षा रेलिंग और बच्चों की संख्या के अनुपात में सीटों की कमी शामिल रही। यातायात पुलिस ने संबंधित स्कूल संचालकों और वाहन चालकों को तुरंत इन कमियों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्कूल वाहनों में नियमों और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है।

शहर में स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस ने एक व्यापक अभियान चलाया। न्यायालय और विभाग के निर्देश के तहत स्कूली वाहनों की चेकिंग के साथ चालकों और स्कूल संचालकों को पूरी तरह से नियमों का पालन करने के लिए निर्देशित किया गया। इस क्रम में 22 दिसंबर को यातायात पुलिस ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में विशेष टीमों का गठन कर सरकारी और निजी स्कूलों का दौरा किया। टीमों ने स्कूलों के वाहन चालकों और स्कूल संचालकों को समझाइश दी कि स्कूली वाहनों में सभी सुरक्षा मापदंडों का ध्यान रखते हुए ही संचालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान कई वाहनों में सुरक्षा से संबंधित कमियां पाई गईं। इनमें वाहन में सीटों की संख्या के अनुपात में अधिक बच्चों का बैठना, सुरक्षा रेलिंग का अधूरा होना, चालकों की ड्रेस का अनुपालन न होना और अन्य सुरक्षा संबंधी खामियां शामिल थीं। पुलिस ने संबंधित स्कूलों और वाहन चालकों को तुरंत इन कमियों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए और कहा कि इन्हें एक से दो

दिनों में ठीक किया जाए। यातायात थाना के उप निरीक्षक दिनेश तिवारी ने बताया कि विभाग बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूली बसों में आवश्यकता से अधिक बच्चे नहीं बैठाए जाएं, वाहन में सुरक्षा मापदंड जैसे सीसीटीवी कैमरा, आपातकालीन दरवाजे और चालक की ड्रेस सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी बताया कि कई चालकों के लाइसेंस और परमिट अभी तक अधूरे हैं, जिन्हें समझाइश देकर छोड़ा गया है। उप निरीक्षक तिवारी ने आगे कहा कि समय-समय पर ऐसे निरीक्षण जारी रहेंगे और यदि भविष्य में भी कोई कमी पाई जाती है, तो चालानी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने की अपराध समीक्षा बैठक, महिला सुरक्षा पर विशेष जोर

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा अपराध समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के समस्त थाना प्रभारी एवं अनुविभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिले के सभी अनुविभागों की कानून-व्यवस्था एवं अपराध की स्थिति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक के दौरान महिला संबंधी अपराध, बच्चों के विरुद्ध अपराध तथा नाबालिग बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित प्रकरणों पर विशेष चर्चा की गई। संवेदनशील मामलों में त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देशित किया गया कि जिले के गर्ल्स हॉस्टल, स्कूल, कॉलेज एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नियमित एवं सघन पुलिस पेट्रोलिंग की जाए। विशेष रूप से स्कूलों की छुट्टी के समय छात्राओं की आवाजाही पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए, संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया जाए और मोबाइल पेट्रोलिंग एवं निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए।

पुराने लंबित अपराधों के निराकरण पर जोर

बैठक में पुराने लंबित अपराधों के शीघ्र निराकरण पर विशेष बल दिया गया। सभी प्रकरणों की प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा कर प्रभावी विवेचना एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके।

जनता से संवेदनशील एवं सकारात्मक व्यवहार

पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आम नागरिकों के साथ शालीन, संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्यशैली में मानवीय दृष्टिकोण, पारदर्शिता एवं जवाबदेही स्पष्ट रूप से परिलक्षित होनी चाहिए, जिससे आम जनता का पुलिस एवं शासन पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बालाघाट जिला अब नक्सल-मुक्त हो चुका है और अब प्राथमिकता विकास की है। विकास की इस प्रक्रिया में पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण है, जिसे पूर्ण निष्ठा एवं सर्वोत्तम प्रयासों के साथ निभाते हुए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों में पुलिस एवं शासन के प्रति विश्वास उत्पन्न करना आवश्यक है।

सरेखा ओवरब्रिज पर सुरक्षा खामियों को लेकर विधायक मुंजारे ने किया निरीक्षण

पदमेश न्यूज़ ।बालाघाट। सरेखा रेलवे क्रॉसिंग पर हाल ही में बने ओवर ब्रिज के हनुमान चौक की ओर के हिस्से में यातायात नियमों के अनुसार आवागमन न हो पाने और निर्धारित स्थान तक रेलिंग न बने होने की शिकायत मिलने के बाद बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने स्थल का निरीक्षण किया। स्थानीय व्यापारियों और निवासियों ने विधायक को बताया कि ओवर ब्रिज के इस हिस्से पर रेलिंग न होने के कारण अक्सर दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। निरीक्षण के दौरान विधायक ने पाया कि ओवर ब्रिज के दोनों ओर कोई डिवाइडर नहीं है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों के लिए यह हिस्सा जोखिम भरा हो गया है। विधायक ने कहा कि यह सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर मामला है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की है कि ओवर ब्रिज पर जल्द से जल्द उचित डिवाइडर और रेलिंग का निर्माण किया जाए।

सोमवार को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने सरेखा रेलवे क्रॉसिंग पर बने ओवरब्रिज का दोपहर में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि बीते दिनों से स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने उन्हें शिकायतें दी थीं, कि ओवर ब्रिज के हनुमान चौक की ओर के शुरुआती हिस्से में यातायात नियमों का पालन नहीं हो रहा है। विधायक ने बताया कि ओवर ब्रिज की ओर आने वाले भारी और छोटे वाहन अक्सर बिना यातायात के नियम का पालन किये गलत तरीके से जा रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना लगातार बनी हुई है। कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। कुछ लोगों ने यह भी बताया कि ब्रिज निर्माण के दौरान हनुमान चौक की ओर बनने वाला डिवाइडर को ब्रिज के शुरुआती हिस्से तक बढ़ाया जाना था। यह कार्य शुरू हुआ था लेकिन अचानक रोक दिया गया, जिससे वाहन चालक गलत दिशा से मुड़ कर जा रहे हैं और बड़ा हादसा होने का खतरा बढ़ गया है। अनुभा मुंजारे ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि सत्ता पक्ष के कुछ जनप्रतिनिधियों ने अपने करीबी लोगों को फायदा पहुँचाने के लिए डिवाइडर और रेलिंग का निर्माण अधूरा छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि पहले डिवाइडर बनाने के लिए खुदाई का काम शुरू हुआ था, लेकिन बाद में इसे रोक दिया गया, जिससे स्पष्ट राजनीति नजर आती है। विधायक ने कहा कि जब डिवाइडर अधूरा है, तब यह क्षेत्र बड़े हादसों के लिए संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यों में राजनीति नहीं होनी चाहिए और संबंधित विभाग से ड्राइंग और डिजाइन के अनुसार सभी निर्माण कार्य तुरंत पूरा करने की मांग की।

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

सरेखा रेलवे क्रॉसिंग पर बने ओवर ब्रिज के शुरुआती हिस्से में सुरक्षा की गंभीर कमी को लेकर स्थानीय लोग चिंता में हैं। स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने बताया कि जब से ओवर ब्रिज के शुरू होने के बाद से नीचे सर्विस रोड का काम भी जारी है। डिवाइडर को पूरे ओवर ब्रिज के शुरुआती हिस्से तक लाया जाना था, लेकिन यह कार्य अचानक बंद कर दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, ओवर ब्रिज की ओर आते समय वाहन चालक नियमों का पालन नहीं करते और गलत दिशा में कट जाते हैं। इससे दूसरे वाहनों के टकराने का खतरा बना रहता है। इसी वजह से कई बार यहां छोटी दुर्घटनाएं भी घट चुकी हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि ओवर ब्रिज के शुरुआती हिस्से पर वाहन विपरीत दिशा में काटते रहे, तो कोई बड़ा हादसा होना निश्चित है।

दो मोटरसाइकिलें आपस में टकराईं-पति-पत्नी घायल

मछुरदा पुलिस चौकी के लांजी रोड़ पर हुई दुर्घटना

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। बिरसा थाने की मछुरदा पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले लांजी रोड धर्मशाला के पास दो मोटर साइकिल आपस में टकराने से एक मोटरसाइकिल में सवार पति-पत्नी घायल हो गए दिन में अतिथि चोट लगने से घायल संतोष पिता राधेश्याम मेश्राम 35 वर्ष ग्राम मछुरदा निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। इस दुर्घटना में इस व्यक्ति की पत्नी प्रीति मेश्राम 30 वर्ष को मामूली चोटे आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संतोष मेश्राम वन परिक्षेत्र बिरसा में आने वाले गोदरी बीट में सुरक्षा श्रमिक है। उनकी पत्नी प्रीति मेश्राम गठिया हॉस्टल में सफाई कर्मचारी है। 22 दिसंबर को 9-30 बजे संतोष मेश्राम अपनी पत्नी प्रीति मेश्राम को मोटरसाइकिल में गठिया हॉस्टल छोड़ने के लिए जा रहा था। तभी लांजी रोड पर स्थित धर्मशाला के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने संतोष मेश्राम की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकराने से संतोष मेश्राम और उनकी पत्नी प्रीति मेश्राम मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। हालांकि इस दुर्घटना में प्रीति मेश्राम को मामूली चोटें आई है। अधिक चोट लगने से घायल संतोष मेश्राम को बिरसा के शासकीय अस्पताल में भर्ती किया गया था ।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। यह दुर्घटना की जांच बिरसा पुलिस द्वारा की जा रही है।

आस-पास की खबरे

मोहित दमाहे बने ओबीसी महासभा के प्रदेश महासचिव

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व ने संगठन के विस्तार और सक्रियता को देखते हुए क्षेत्र के ऊर्जावान युवा नेता मोहित दमाहे को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ लोधी के द्वारा मोहित दमाहे को ओबीसी महासभा का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। जिससे उनके समर्थकों में हर्ष की लहर व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह नियुक्ति ओबीसी महासभा राष्ट्रीय कोर कमेटी व राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अनुशंसा पर एवं कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष, महाकौशल प्रभारी ओबीसी सौरभ लोधी की सहमति से मोहित दमाहे ओबीसी महासभा के प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं मोहित दमाहे के ओबीसी महासभा के प्रदेश महासचिव बनने पर सभी में हर्ष व्याप्त है। साथ ही उनके समर्थकों का कहना है कि एक जमीनी कार्यकर्ता को प्रदेश स्तर पर पहचान मिलना युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। वहीं चर्चा में ओबीसी महासभा के नवनियुक्त प्रदेश महासचिव मोहित दमाहे ने राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, मैं उस पर पूरी ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करूंगा एवं पिछड़ा वर्ग के उत्थान के क्षेत्र में काम किया जायेगा।

युवती को घर में कैद कर की छेड़छाड़ मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 03 के एक 30 वर्षीय युवक के खिलाफ पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। मामला कथित तौर मानसिक रुप से कमजोर युवती को घर में कैद कर बुरी नियत से छेड़छाड़ करने से जुड़ा हुआ है। पूरी घटना रविवार की है आरोपी युवक शुभम पिता विशेष मेश्राम को पुलिस ने सोमवार को व्यवहार न्यायालय कटंगी के समक्ष पेश किया और अग्रिम पूछताछ के लिए एक दिन की न्यायिक रिमांड ली है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार आरोपी युवक ने वार्ड क्रमांक 02 की एक युवती को अपने घर में बुलाकर कमरे में कैद किया और फिर बुरी नियत से छेड़छाड़ की इस दौरान जब युवती ने शोर मचाया तो आरोपी ने युवती को छोड़ दिया। युवती की मां यानी प्रार्थी ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी को रविवार की सुबह करीब 09 बजे शुभम ने अपने घर बुलाया और फिर उसे कमरे में कैद कर लिया। उन्होंने बताया कि जब बेटी घर पर नहीं थी तो परिवार उसकी तलाश में निकला दोनों ही वार्ड की तलाश की गई इस दौरान वह आरोपी के घर भी गए जिससे युवती के बारे में पूछताछ भी की गई लेकिन आरोपी ने युवती के बारे में कुछ नहीं बताया करीब 01 बजे जब आरोपी ने युवती को छोड़ दिया और युवती उसके घर से निकली तो यह देख लोगों का गुस्सा भड़क गया और लोगों ने आरोपी की जमकर पिटाई की और पुलिस को सूचना दी। बताया जाता है कि युवती मानसिक रुप से कमजोर है इसी का फायदा उठाते हुए आरोपी ने घटना को अंजाम दिया। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर

सुस्त परिवहन के चलते मोहगांव ध. समिति में धान खरीदी पर संकट

तीन दिन बाद शुरू हुई खरीदी, फिर भी समस्या जस की तस, तीव्र गति से परिवहन करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. स्थित सेवा सहकारी समिति में गत दिवस से समर्थन मूल्य में धान खरीदी की जा रही है। लेकिन समिति में धान खरीदी का कार्य परिवहन की धीमी गति के कारण अधर में लटका हुआ है यानि की परिवहन नही होने से खरीदी करने में खासा परेशानी हो रही है। आलम यह है कि खरीदी परिसर में पर्याप्त जगह न होने के कारण समिति को तीन दिनों तक खरीदी बंद रखनी पड़ी थी। तीन दिन खरीदी बंद रखने के बाद सोमवार से खरीदी कार्य शुरू हुई, लेकिन धान का परिवहन उसके बाद भी तीव्र गति से न होने के कारण परिसर एक बार फिर धान की बोरियों से फुल हो गया है। ऐसी स्थिति में किसानों को उपज विक्रय करने एवं समिति को खरीदी करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जल्द खरीदी गई धान का परिवहन नही हुआ तो समिति में खरीदी कार्य प्रभावित हो सकता है। इस तरह से परिवहन की सुस्त रफ्तार के कारण मोहगांव ध. समिति में धान खरीदी कार्य पर संकट आ सकता है। जिससे किसानों को भी बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं परिवहन की धीमी गति के कारण पूर्व में जिन किसानों ने अपनी उपज विक्रय किये है उनके खातों में भुगतान भी नही आ रहा है ऐसी स्थिति में किसानों को आर्थिक परेशानियों से भी जुझना पड़ रहा है। किसानों ने तीव्र गति से परिवहन करवाने की मांग प्रशासन से की है।

समिति प्रबंधक और किसानों ने परिवहन तीव्र गति से करवाने की प्रशासन से लगाई गुहार

आपकों बता दे कि शासन के निर्देश पर सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से गत 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य में धान खरीदी की जा रही है लेकिन धीमी गति से परिवहन होने के कारण खुले आसमान के नीचे हजारों क्विंटल धान है। अगर अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं बारिश होती है तो धान गीली भी हो सकती है। वहीं खरीदी गई धान का परिवहन नही होने से खरीदी केन्द्रो में अव्यवस्था फैली हुई है। इसी तरह मोहगांव ध. स्थित धान खरीदी केन्द्र में भी गत दिवस से समर्थन मूल्य में धान खरीदी की जा रही है और सोमवार तक 23,486 क्विंटल 80 किग्रा. धान की खरीदी की जा चुकी है। लेकिन परिवहन नही होने के कारण हजारों क्विंटल धान डम्प पड़ा हुआ है। यानि की समिति परिसर में समर्थन मूल्य पर खरीदी गई धान का अंबार लगा हुआ है। परिवहन न होने के कारण स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि शुक्रवार से रविवार तक खरीदी कार्य पूरी तरह बंद रहा। प्रशासन ने महज दो ट्रक भेजकर कुछ धान का परिवहन करवाया, जिससे मिली थोड़ी सी जगह के बाद सोमवार से पुनः खरीदी शुरू की गई। वहीं तीन दिन खरीदी कार्य बंद रखने के बाद समिति परिसर में जितनी धान का परिवहन हुआ है, उससे कहीं अधिक धान की आवक हो चुकी है। बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज लेकर पहुंच रहे हैं, जिससे पूरा परिसर धान की बोरियों से पट गया है। यदि प्रशासन ने तत्काल तीव्र गति से परिवहन नहीं करवाया, तो मंगलवार या बुधवार से पुनः खरीदी कार्य ठप हो सकता है। समिति के प्रबंधक एवं क्षेत्रीय किसानों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि मोहगांव ध. समिति से धान का परिवहन युध्द स्तर पर करवाये। वहीं किसानों का कहना है कि खरीदी बंद होने से उन्हें उपज लेकर वापस जाना पड़ता है या खुले में धान रखने को मजबूर होना पड़ता है, जिससे आर्थिक और मानसिक परेशानी बढ़ रही है। साथ ही यह भी कहा कि जितनी खरीदी होती है उससे बहुत कम परिवहन होता है, जिसके कारण पूरा परिसर धान की बोरियों से भर गया है। इसलिए प्रशासन को रोजाना अधिक ट्रकों के माध्यम से परिवहन करवाना चाहिए ताकि खरीदी कार्य प्रभावित न हो सके और समय पर किसानों के खातों में भुगतान आ सके।

तीव्र गति से परिवहन करवाये प्रशासन - नंदकिशोर

चर्चा में सेवा सहकारी समिति मोहगांव ध. के खरीदी प्रभारी नंदकिशोर दशरिये ने बताया कि शासन के निर्देश पर गत दिवस से समर्थन मूल्य में धान खरीदी की जा रही है और सोमवार तक 23,486 क्विंटल 80 किग्रा. धान की खरीदी की गई है। लेकिन परिवहन बहुत धीमी गति से हो रहा है। जिसके कारण पूरे परिसर में धान रखा हुआ है, ऐसी स्थिति में खरीदी कार्य करने में परेशानी हो रही है। श्री दशरिये ने बताया कि तीन दिन खरीदी बंद था, जिसके बाद दो ट्रक से परिवहन हुआ है उसके बाद कुछ जगह खाली होने पर सोमवार से धान खरीदी शुरू की गई है। लेकिन जितना परिवहन नही हुआ है उससे अधिक धान की आवक हो जाने से फिर व्यवस्था बिगड़ सकती है इसलिए प्रशासन से मांग है कि तीव्र गति से परिवहन करवाये। साथ ही यह भी बताया कि परिवहन नही होने से किसानों के खातों में भुगतान भी नही आ रहा है।

बघोली में अज्ञात चोरों ने 15 बोरी धान की चोरी

किसान को हजारों रूपये का हुआ नुकसान, क्षेत्र में दहशत, पुलिस से कार्यवाही करने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली में अज्ञात चोरों ने बीती रात्रि में किसान डुलीचंद बिसेन के मकान के सामने छप्पर में रखी 15 बोरी धान चोरी कर फरार हो गये। जिससे किसान को हजारों रूपये का नुकसा हुआ है। वहीं किसान के मकान से 15 बोरी धान की चोरी की वारदात घटित होने के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। पीड़ित किसान डुलीचंद बिसेन सहित अन्य किसानों ने पुलिस प्रशासन से ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात्रि गश्त कर अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। चर्चा में पीडित किसान डुलीचंद बिसेन का पुत्र राजेश बिसेन ने बताया कि धान की गहानी करने के बाद मकान के सामने बने छप्पर में धान की बोरियां रखी हुई थी। 21 एवं 22 दिसंबर की दरमियानी रात्रि में अज्ञात चोरों ने 15 बोरी धान की चोरी कर फरार हो गये है। सोमवार की सुबह उठकर देखे में मकान के छप्पर के पास से धान की 15 बोरियां गायब थी। इस तरह से अज्ञात चोरों ने 15 बोरी धान की चोरी की है जिससे करीब हजारों रूपये का नुकसा हुआ है। श्री बिसेन ने बताया कि मंगलवार को थाना पहुंचकर चोरी होने की शिकायत दर्ज करवाकर पुलिस प्रशासन से अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की जायेगी। वहीं वर्तमान समय में क्षेत्र में सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से धान खरीदी का कार्य युध्द स्तर पर जारी है। ऐसे समय में हुई इस चोरी ने क्षेत्र के अन्य किसानों की चिंता बढ़ा दी है। किसान अपनी साल भर की कमाई और उपज की सुरक्षा को लेकर डरे हुए हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात्रि गश्त करने के साथ ही अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

स्व. पं. नंदकिशोर शर्मा (बड़े भाऊ) की जन्म जयंती 24 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के गुजरी चौक स्थित प्रतिमा स्थल में पूर्व गृहमंत्री स्व. पं. नंदकिशोर शर्मा (बड़े भाऊ) की जन्म जयंती कार्यक्रम 24 दिसंबर को मनाया जायेगा। तत्संबंध में जानकारी देते हुए पूर्व गृह मंत्री स्व. नंदकिशोर शर्मा के सुपुत्र, वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा ने बताया कि हम सबके प्रेरणास्त्रोत पूर्व गृहमंत्री स्व. पं. नंदकिशोर शर्मा का 24 दिसंबर को प्रतिमा स्थल में प्रातः 9 बजे जन्म जयंती मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रातः 9 बजे प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं हनुमान चालीसा पाठ किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा ने की है।

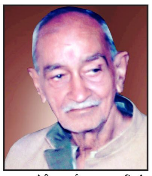

महाविद्यालय में कम्प्यूटर टैली प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में 22 दिसंबर से अल्प स्वरोजगार हेतु 30 दिवसीय कम्प्यूटर टैली प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी नरेश सौलखे द्वारा प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की गई। वहीं प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने प्रशिक्षणों की उपयोगिता बताते हुए विद्यार्थियों को एकाग्रता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने शुभकामनाएं दी। श्री बालाजी इन्फोटैक एंड कम्प्युटर इंस्टीटयूट लालबर्रा के संचालक एवं टैली कम्प्युटर के प्रशिक्षक हेमंत मुदलियार ने अपने व्याख्यान में टैली प्रशिक्षण से संबंधित सभी जानकारियॉ विद्यार्थियों से साझा किया। वहीं कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, श्रीमती संध्या भलावे, नितेश कुमार, डॉ. आशीष बागडे, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, डॉ. यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेडे, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

धपेरा मो. में 25 हजार ईनामी ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर माँ वैनगंगा नदी के समीप बसे ग्राम पंचायत धपेरा मोहगांव स्थित पटमैदान में व्हीएस फोटोग्राफी के तत्वाधान में रविवार को 25 हजार रूपये ईनामी ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। वहीं प्रथम दिन देवगांव और नवेगांव पुलिस के मध्य मैंच खेला गया, जिसमें देवगांव टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजयी हुई एवं दुसरा मैच मानपुर व नेवरगांव ला. के मध्य मैंच खेला गया जिसमें मानपुर की टीम विजेता बनी। वहीं दुसरे दिन तीन मैंच खेल गये, जिसमें मोहगांव ध. एवं बल्हारपुर के मध्य 8 ओवर का मैच खेला गया और बल्हारपुर के टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजयी हुई। इसी तरह दुसरा मैंच पनबिहरी व छिंदलई के मध्य खेला गया, जिसमें पनबिहरी की टीम विजेता रही, तीसरा मैंच ददिया और सुरजाटोला के मध्य मैंच खेला गया जिसमें ददिया की टीम विजयी रही। इस तरह से 25 हजार रूपये ईनामी ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता धपेरा मोहगांव में जारी है और रोजाना दो से तीन मैंच खेले जा रहे है एवं क्रिकेट खिलाड़ी व ग्रामीणजन पहुंचकर क्रिकेट मैंच का लुप्त उठा रहे है। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए खिलाड़ियों को खेल की भावना से खेल लेने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि खेल खेलने से शरीर का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है इसलिए सभी कुछ न कुछ खेलते रहना चाहिए। चर्चा में आयोजन समिति के संचालक विकास मंदुरकर ने बताया कि ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता युवाओं को खेल से जोड़ने एवं स्वस्थ रहने के लिए आयोजन को आगे बढ़ाते जा रहे है और यह टुर्नामेंट का दुसरा वर्ष है। श्री मंदुरकर ने बताया कि रविवार को ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया और सोमवार को तीन मैच खेले गये जिसमें बल्हारपुर, पनबिहरी, ददिया की टीम विजेता रही है। साथ ही यह भी बताया कि आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 25 हजार रूपये, द्वितीय पुरस्कार 15000 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 1101 रूपये निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर जिलेभर के क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील समिति आयोजक विकास मंदुरकर, अध्यक्ष कृष्णा चोपकर, उपाध्यक्ष रविंद्र वरकड़े, हिमेश लिल्हारे, विनोद जामरे, संदीप नगपुरे, प्रवीण नगपुरे एवं समस्त सदस्य व ग्रामीणजनों ने की है।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में विश्व ध्यान दिवस पर

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पदमेश न्यूज । बालाघाट । शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को ध्यान के माध्यम से अवसाद से मुक्त करना तथा उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. हेमंत रहांगडाले एवं शिवलेश माटेजा ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रतिस्पर्धा एवं तनावपूर्ण जीवन में ध्यान मानसिक शांति, एकाग्रता एवं आत्मबल बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को नियमित ध्यान अभ्यास अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. दीपा परते, सहायक प्राध्यापक (मनोविज्ञान) द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार मासुलकर, डॉ. दीपला मासुलकर, डॉ. स्वाति खोब्रागड़े, डॉ. अनुभूति शेडीमन, डॉ. सरोज घोड़ेश्वर, श्रीमती दीप्ति गढ़पाल, जीवन मसराम, प्रदीप कुमार गजभिये, श्रीमती बबली शेड़े एवं डॉ. मनीका चौबे का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने सहभागिता की और आयोजन की सराहना करते हुए इसकी गरिमा बढ़ाई।

३३ वर्षीय विवाहित महिला साड़ी की सहायता से फांसी पर लटकी मिली

मामले में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम वारा के वार्ड नंबर १९ शिवधाम मोहल्ला निवासी ईश्वरी टेकाम के घर में २२ दिसंबर की सुबह उसकी ३३ वर्षीय बहू का शव फांसी लटका पाया गया। इस घटना में बहु शोभा पति देवेंद्र टेकाम के द्वारा क्यों फांसी लगाई यह कारण अज्ञात है। किंतु मायके पक्ष के द्वारा दामाद पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है तो वहीं परिजनों के द्वारा सब कुछ ठीक होने के बाद भी यह कदम समझ से परे बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस के द्वारा सूचना पर मौके से शव बरामद कर आवश्यक कार्यवाही कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम वारा के शिवधाम मोहल्ला वार्ड नंबर १९ में ईश्वरी टेकाम अपने दो बेटे देवेंद्र टेकाम ,गोविंद टेकाम ,बहू शोभा टेकाम और पोती मायरा टेकाम के साथ निवास करते हैं। उनके मंझले बेटे देवेंद्र टेकाम का विवाह अप्रैल २०१६ में शोभा टेकाम डोकबंदी निवासी के साथ हुई थी। जहां २१ दिसंबर की रात में पूरे परिवार के साथ बहु शोभा टेकाम के द्वारा भोजन किया गया था इसके बाद सभी सो गए। इसमें शोभा टेकाम अपने पति और बच्ची के साथ अपने कमरे में सोइ थी जहां रात्रि करीब ३ बजे देवेंद्र टेकाम की नींद खुली तो देखा कि छत के कुंदे में साड़ी की सहायता से फांसी पर उसकी पत्नी लटकी हुई है। तत्काल उसने अपने पिता को बुलाया और घटना की जानकारी अपने पत्नी के भाई छतर सिंह सैय्याम डोकरबंदी निवासी को दी। इसके बाद मायका पक्ष बेटी के घर की जगह सीधे पुलिस थाना वारासिवनी पहुंचा। जहां उनके द्वारा जवाई पर उनकी बेटी की हत्या करने और लटकाने का आरोप लगाया गया। जिसमें पुलिस के द्वारा मृतिका के भाई छतरसिंह सैय्याम की रिपोर्ट पर मर्ग कायम की गई। तो वहीं पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लिया गया। पुलिस ने ईश्वरी टेकाम के घर देवेंद्र टेकाम के कमरे में पहुंची तो देखा कि शोभा टेकाम फांसी पर लटकी हुई है। जहां आसपास बारीकी से पुलिस के द्वारा जांच की गई तो वहीं एफएसएल टीम बालाघाट को बुलाया गया। जिसके द्वारा घटना स्थल निरीक्षण कर सबूत इकट्ठा किए गए।

तो वहीं लंबी जांच के बाद शव को फांसी से उतार कर शव परिक्षण उपरांत सिविल अस्पताल परिसर स्थित शव विच्छेदन गृह में लाया गया। जहां आवश्यक पंचनामा कार्यवाही करने के उपरांत शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

रोजाना झगड़ा होने से मेरी भांजी को मारकर टांग दिया गया होगा-बुधराम

मामा बुधराम वरकड़े ने बताया कि शोभा टेकाम मेरी भांजी है इसे मार कर फफांसी पर लटका दिया गया है। देवेंद्र टेकाम ने मेरे भांजे छतर सिंह सैय्याम को डोकरबंदी रात ३ बजे फोन किया फिर भांजे ने मुझे बताया कि ऐसा हो गया है। शादी हुई तब से यह प्रताड़ना चल रही है हमारी भांजी ने एक लड़की का नंबर भी दी थी कि देवेंद्र का अवैध संबंध चल रहा है। यह १२ बजे रात में शराब पीकर आता है दिन भर रहता नहीं है कुछ बोलो तो मारपीट करता है। मुझे लगता है कि अवैध संबंध और रोजाना झगड़ा होने से इसे मारकर टांग दिया गया है। हम चाहते हैं कि सजा हो देवर ,ननद सभी हमारी भांजी को मारपीट करते थे कई बार इन्हें समझाइस भी थे पर आज ऐसा हो गया।

मैं लघुशंका जाने उठा तो देखा कि मेरी पत्नी फॉसी पर लटकी हुई थी-देवेंद्र

पति देवेंद्र टेकाम ने बताया कि मृतिका मेरी धर्मपत्नी है रात में सब कुछ ठीक था कोई विवाद हमारा हुआ नहीं और कुछ भी नहीं हुआ। हम दोनों ने मिलकर खाना खाया साथ में बैठे थे फिर वह बर्तन धोने के लिए चली गई मैं बिस्तर पर लेटा था। फिर वह आई और हम सभी सो गए रात करीब १ बजे कि यह बात होगी मैं सोया था। मुझे कोई पता नहीं ना कोई धक्का लगा जैसे ही मैं लघुशंका जाने उठा तो देखा कि यह लटकी हुई थी। तो मैं अपने पिताजी को बुलाया वह भी आए बोले क्या हुआ जबकि ऐसा कुछ लड़ाई झगड़ा तो हुआ नहीं है ऐसा कुछ था तो मुझे बता देती पति पत्नी है बोलचाल होता है बाकी कुछ नहीं था।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच की गई है। परिजनों का आरोप भी है जिसको लेकर एफएसएल के माध्यम से जांच करवायी गई है। मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उस पर कार्यवाही की जाएगी।

पवन यादव
प्रभारी थाना प्रभारी वारासिवनी

खेल के क्षेत्र में वारासिवनी अपने गौरवशाली इतिहास को दोहरा रहा-प्रदीप

एनबीए पीवी ओपन बैडमिंटन कप २०२५ सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। इंडोर स्टेडियम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रोशनलाल सराफ की स्मृति में एनबीए पीवी ओपन बैडमिंटन कप २०२५ का समापन किया गया । इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष किशोर सोनी, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे, संतोष आडे, अरमान खान, अमित येरपुडे, सुनील जायसवाल, अभि चंद्रवार, राज पटले, भय्यु अग्रवाल, डिलेन्द्र देशमुख, गणेश ठाकुर सहित अन्य खेल प्रेमी मौजूद रहे है । कार्यक्रम का संचालन हर्ष ठाकुर के द्वारा किया १९ से २१ दिसम्बर तक चलने वाले एनबीए पीवी ओपन बैडमिंटन कप २०२५ का तीन दिवसीय प्रतियोगिता का समापन किया गया । इस प्रतियोगिता में बालाघाट, सिवनी, जबलपुर, बैहर, छिंदवाडा, भिलाई, सारंगगढ, रायगढ सहित अन्य शहरों के लगभग एक सैकडा से अधिक बैडमिंटन खिलाडी खिलाडियों ने प्रतियोगिता में शामिल होकर अपने खेल का जौहर दिखाया । प्रतियोगिता को ५ वर्गों में बाटा गया है जिसमें अंडर १५ बालक वर्ग सिंगल, ओपन बालक सिंगल, ओपन बालक डबल्स, ओपन बालिका सिंगल्स, अनुभवी डबल्स सिर्फ ३५ वर्ष आयू से अधिक के लिए बाटा गया था । अंडर १५ बालक वर्ग में मौलिक देशमुख विजेता वारासिवनी, दिव्यांश नगपुरे वारासिवनी ने उपविजेता का खिताब अपने नाम किया । वही मेंस सिगल ओपन कुशाग्र पटेल छिंदवाडा विजेता बने और उपविजेता साश्वत भिलाई रहे । मेंस डबल ओपन में शिषिर एवं साश्वत भिलाई विजेता बने ,जबकी मोहित एवं प्रतीक जबलपुर की जोडी ने उपविजेता का पुरूस्कार अपने नाम किया । ३५ वर्ष पल्स में मोहित एवं प्रतीक जबलपुर विजेता तो दीदन एवं डी के हर्दिया रायगढ उपविजेता बने । महिला सिंगल ओपन मे सोनल करण वारासिवनी विजेता एवं तान्या दुबे वारासिवनी उपविजेता बनी । विजेता एवं उपविजेता को घोषित नगद पुरूस्कार के साथ ट्राफी अतिथियों के हस्ते प्रदान किया गया ।वहीं पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, किशोर सोनी, गणेष ठाकुर,रूपेष मिश्रा बालाघाट को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया ।

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रोशनलाल सराफ की स्मृति में एनबीए पीवी ओपन बैडमिंटन कप २०२५ का सफ ल आयोजन का समापन हुआ । यह आयोजन नवोदित खिलाडियों के द्वारा किया गया था वह सभी को बधाई देते है ।इस बात की खुशी है कि खेल के क्षेत्र में अब वारासिवनी अपने गौरवशाली इतिहास का दोहरा रहा है । इंडोर स्टेडियम बन जाने के बाद नवोदित खिलाडियों को अभ्यास करने मिल रहा है और अच्छे खिलाडी निकल रहे है । अगामी दिनों में बडे स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा । वह भी एक खिलाडी है उनके जीवन में खेल बहुत महत्व रखता है खेल के क्षेत्र में वारासिवनी में वह सभी सुविधाऐं है जो बडे महानगरों में हुआ करती है ।इंडोर स्टेडियम के बाजू में स्वीमिग पुल बन रहा है जिसमें बच्चों तैराकी की तैयारी कर सकेंगे। आयोजन को सफल बनाने में प्रबल जायसवाल, पंकज परते, गणेश ठाकुर, रूपेश मिश्रा, हर्ष ठाकुर ,अमित उईके ,अमान खान, प्रतिक डहाटे, कृष्णा गोखले, उजैफ खान, ओम येरपूडे, ईशान शेख, अभिषेक ठाकुर, सोनल करन, याना गौतम, कीर्ति सोहाने, धरा देशमुख, तान्या दुबे, पूर्वा नगपुरे,आयुष लिल्हारे सहित अन्य बैडमिंटन खिलाडीयो का योगदान रहा।

श्री भक्तमाल कथा व सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम होगा आकर्षण का केंद्र

झालीवाड़ा में शोभायात्रा के साथ श्री साँई मंदिर वार्षिक उत्सव प्रारंभ

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत साँईधाम झालीवाड़ा में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ११ दिवसीय श्री साँई मंदिर वार्षिकोत्सव का १६ वां वर्ष श्री साँई मंदिर ट्रस्ट एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वाधान में २२ दिसंबर से प्रारंभ किया गया। जिसमें परंपरा अनुसार इस वर्ष साँईधाम झालीवाड़ा में श्री शिरडी के साँई बाबा के प्राण प्रतिष्ठा का १६ वां वार्षिक उत्सव कार्यक्रम सुबह से हर्षोल्लास के साथ प्रारंभ किया गया है। जिसमें सुबह से विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम किए गए और साँई बाबा का अभिषेक कर पूजा अर्चना उपरांत आरती की गई। तत्पश्चात शोभायात्रा निकालकर ग्राम का भ्रमण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों ने उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया।

कलश शोभायात्रा का हुआ आयोजन

मंदिर प्रांगण से साँई बाबा की धूनी पालकी व कलश शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्राम के विभिन्न चौक चौराहे गलियों सहित पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर पहुंची। जहाँ सांईनाथ की विशेष पूजा अर्चना कर इस शोभायात्रा को विराम दिया गया। इस दौरान बासी,अंसेरा, खापा, बोदलकसा सहित अन्य ग्राम के लोग उपस्थित रहे। इसमे महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर पूरे ग्राम का भ्रमण किया और अपने अपने नाम का कलश समाप्ति दिनांक को भी उठाने का प्रण किया। इस शोभायात्रा में भगवान की जीवंत झांकी आकर्षण का केंद्र रही। यह शोभायात्रा ग्राम के जिस किसी मार्ग से गुजरी तो जगह जगह प्रत्येक ग्रामीणों के द्वारा अनाज दान कर साँई बाबा की पूजा कर पालकी के नीचे से गुजर कर आशीर्वाद ग्रहण किया। विदित हो कि इस वर्ष श्री भक्तमाल कथा का आयोजन किया गया है जिसका वाचन व्यास आसन से नोखा बीकानेर राजस्थान से पधारे माधवदास महाराज के मुखारविंद से किया जाएगा। वहीं प्रतिदिन रात्रि में सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जो आकर्षण का केंद्र होगा।

यह कार्यक्रमों का होगा आयोजन

श्री साई मंदिर वार्षिक उत्सव २०२५ यह ११ दिवसीय कार्यक्रम हर वर्ष की तरह आयोजित किया गया है। इस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में २२ दिसम्बर से कलश यात्रा श्री साई मंदिर परिसर से संपूर्ण ग्राम का भ्रमण कर कथा स्थल तक निकाली गयी। जहाँ २३ दिसम्बर को भक्तमाल कथा प्रारंभ किया जायेगा, २४ दिसम्बर को कथा एवं रात्रि ८ बजे से संगीतमय योग ,२५ दिसम्बर को कथा एवं रात्रि ८ बजे से सुंदरकांड झाकीमय प्रस्तुती संगीत प्रेमी म्युजिक ग्रुप कटंगी के द्वारा दी जायेगी,२६ दिसम्बर कथा, २७ दिसम्बर को कथा एवं रात्रि ८ बजे से अशोक बोपचे सुरदास परसवाड़ा के द्वारा भक्तिमय गीत, २८ दिसम्बर को कथा एवं रात्रि ८ बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम, २९ दिसम्बर कथा एवं रात्रि ८ बजे से भजन संध्या माँ लता देवी जागरण ग्रुप नागपुर सौजन्य से योगराज मुन्नु सोनवाने एवं परिवार झालीवाड़ा के द्वारा किया जायेगा, ३० दिसम्बर को कथा ,३१ दिसम्बर को कथा संध्या ५ बजे तक, कथा विश्राम एवं यज्ञ पूर्णाहुति ,१ जनवरी को कलश विसर्जन प्रात: ८ बजे दोपहर १ बजे से ७ बजे तक विशाल भण्डारा एवं रात्रि ८ बजे से भजन संध्या रूद्रकांत ठाकुर बरघाट का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र में धर्ममय वातावरण बना रहता है-जगदीश पटले

मंदिर समिति के अध्यक्ष जगदीश पटले ने बताया कि हर वर्ष की तरह श्री साई मंदिर वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया है। यह १६ वॉ वर्ष है जिसमें भक्तमाल कथा एवं रात्रि में संस्कृति धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसका प्रारंभ मंदिर में पूजा अर्चना कर भव्य कलश शोभायात्रा निकालकर किया गया है। जिसका समापन १ जनवरी को विशाल भंडारा और रुद्रकांत ठाकुर के भजन संध्या के साथ किया जाएगा। इस दौरान रात्रि में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं ३१ दिसंबर को ५ बजे कथा विश्राम एवं कथा यज्ञ पूर्ण कर १ जनवरी को कलश विसर्जन सुबह ८ बजे किए जाएंगे।इस आयोजन के माध्यम से क्षेत्र में धर्ममय वातावरण निर्मित करना लोगों को जोडना और हर वर्ष हमारे द्वारा अलग पुराण करवाया जाता है। जिससे कि लोगों को हर ग्रंथ को सुनने का अवसर प्राप्त हो सके। इस बार नोखा बीकानेर राजस्थान से पधारे माधवदास महाराज के द्वारा भक्तमाल कथा का व्यास आसन से वाचन किया जाएगा।

हमारा काम किसानों को जागरूक करना है कि उसे उसका हक मिले-रामकुमार

कटोरी में किसान गर्जन संगठन का धरना प्रदर्शन संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कटोरी के बाजार चौक में किसान गर्जना संगठन के तत्वाधान में २२ दिसंबर को धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यह धरना प्रदर्शन किसान गर्जना जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे के नेतृत्व में किया गया। जिसमें चौक पर आम सभा आयोजित कर सरकार के वादे और नीतियों को लेकर जमकर किसानों के द्वारा आक्रोश व्यक्त किया गया। तो वहीं सरकार की कथनी और करनी पर प्रकाश डालते हुए जमकर हमला बोला गया। वहीं किसानों को जागरुक होकर स्वयं की लड़ाई लड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसानों के द्वारा आम सभा को संबोधित करते हुए सरकार और उसकी नीति का विरोध किया गया। वहीं कार्यक्रम के अंत में खैरलांजी नायब तहसीलदार को मुख्यमंत्री म.प्र. शासन भोपाल के नाम का ज्ञापन सौंप कर किसानों की समस्या का निराकरण करने मांग की गयी।ज्ञापन में किसानो ने बताया की आज किसानों की हालत बहुत विचारणीय है। बालाघाट धान उत्पादक जिला है इस पर विचार करते हुये किसानों को रबी फसल के लिए राजीव सागर बांध से निरंतर पानी की व्यवस्था की जावें।किसानों को नहर में सिंचाई के लिए नियमित मोटर कनेक्शन प्रदान किया जावे। क्षेत्र में हुई लगातार बारिश एवं किट व्याधि के प्रकोप से बर्बाद धान फसल को देखते हुये खैरलांजी,कटंगी क्षेत्र को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर किसानों को फसल का मुआवजा तथा प्रधानमंत्री फसल बिमा का लाभ दिया जावे। सरकार अपने चुनावी वादे

अनुसार किसानों की धान ३१०० रु.प्रति क्वींटल खरीदे । किसानों की दशा सुधार हेतू सरकार किसानों को २० हजार रु. प्रति हेक्टेयर बोनस देवे ।खरिफ सत्र २०२५-२६ की फसल बर्बादी को ध्यान में रखते हुये किसानों का खरिफ ऋण माफ किया जावे। बंदरों एवं सुवर के प्रकोप से किसानों की फसल बर्बाद हो जाती है अत: बंदरों को पकड़ कर जंगलों में छोड़ा जावे तथा किसानों को सुवर मारने की अनुमति दिया जावे। जनपद पंचायत खैरलांजी के मुख्यकार्यपालन अधिकारी वृंदावन मिणा की कार्यप्रणाली उचीत नही होने के कारण उन्हें तत्काल हटाया जाने मांग कर उपरोक्त समस्याओं को गंभीरता से लेते हुये किसान हित में अतिशिघ्र उचीत कदम उठाये जाने मांग की गयी। जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने कहा कि किसान गर्जना प्रदेश में काम करता है किंतु बालाघाट में अभी धरना प्रदर्शन जारी है। इस माध्यम से किसानों को जगाने का प्रयास है किसान जागेगा तो हर मांग पूरी होगी हमारा बालाघाट धान का कटोरा है यहां सर्वाधिक धान होती है बाकी पूरे प्रदेश में मक्का गेहूं होता है। धान खरीदी जो हो रही है उसमें ४० किलो ९०० ग्राम तक लिए जा रहे है। जबकि नई बोरी में ४० किलो ६०० ग्राम और पुरानी बोरी में ४० किलो ५८० ग्राम लेने का है। खरीदी कई प्रकार की समस्याएं हो रही है जिसको देखते हुए बालाघाट में ज्ञापन दिया गया है और कल से जांच भी प्रारंभ हो जाएगी। हर सोसायटी में ज्यादा धान खरीदी जा रही है इसकी भी कड़ी जांच हो कई सोसाइटियों में किसानों से काम करवाया जा रहा है। जबकि शासन १५ रूपये मजदूरों को दे रहा है उसके अंदर उलटी पलटी छल्ली तौल सभी प्रकार का काम मर्ज है उसके बाद भी किसानों से काम करना बहुत गलत है। किसानो को केवल स्लॉट बुक करके खरीदी केंद्र में जाना है जो भी है अब वह काम प्रभारी करायें परंतु वहां काम इसलिए कर रहे हो क्योंकि आप जागरूक नहीं हो रहे हो। आपको स्वयं की लड़ाई लड़नी होगी हमारा क्या है जब आप लड़ोगे तो उपज का सही दाम मिलेगा। सरकार ने चुनाव में ३१०० रुपये प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य कहा था। वह देगी अगले विधानसभा चुनाव में अभी ३ साल में ६९ रुपये बढ़ाया है ३ वर्ष और इंतजार करो जब आपको ४५०० रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य मांगोगे तब ३१०० रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा। पिछले वर्ष जो मजदूरी थी वह आज नहीं है लागत आज दुगनी हो गई है। इस बात को हर किसान को समझना होगा अपनी आवाज को उठाना होगा और सरकार से अपना हक अधिकार मांगना हो।

महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य कर समाज को नई दिशा दी-गौरव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी / कटंगी। कटंगी विकासखंड के ग्राम चिचगांव में मरार माली समाज के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्री फुले की प्रतिमाओं का विधिवत अनावरण किया गया। साथ ही सामुदायिक कक्ष का भूमि पूजन एवं एक दिवसीय मेले का आयोजन भी हुआ।कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी मुख्य अतिथि के रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य केशर बिसेन, ग्राम सरपंच अरविंद खरे, उपसरपंच निर्दोष गाड़ेकर सहित समाज के वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। आयोजन में सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का सुंदर दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य कर समाज को नई दिशा दी। माता सावित्री फुले ने नारी शिक्षा की अलख जगाकर सामाजिक बदलाव की मजबूत नींव रखी। विधायक पारधी ने कहा कि यदि हम वास्तव में महात्मा फुले को अपना आदर्श मानते हैं तो शिक्षा को अपने जीवन का मुख्य उद्देश्य बनाना होगा। विधायक पारधी ने उपस्थित नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में वे क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर हैं। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उसे उनके संज्ञान में लाने का आग्रह भी उन्होंने किया। जिला पंचायत सदस्य केशर बिसेन ने कहा कि फुले दंपति के विचार आज भी समाज को दिशा दिखाने वाले हैं। उन्होंने क्षेत्र में विकास और सामाजिक कार्यों के लिए विधायक गौरव सिंह पारधी के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में सकारात्मक कार्य हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने आयोजन के लिए मरार माली समाज एवं ग्रामवासियों को बधाई दी। इस दौरान विवेकानंद हरदे, गजानंद हरदे, योगेंद्र मातरे, लोकेंद्र सिंह मातरे, महेंद्र बाहेश्वर, नंदकिशोर ठाकरे, राजेश्वरी नागेश्वर, राजकुमार देवाहे, रूपेंद्र खरे, शैलेंद्र मातरे, तिलक सिंह खरे, दुर्गा खरे, फकीरचंद हाडेकर, हुकूम मातरे, रविंद्र खरे सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

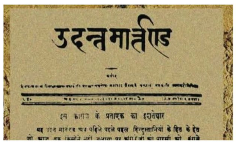

देर सबेर नागरिकता पर भी सवाल उठेगा!!

बिहार की तर्ज पर अब अन्य राज्यों में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में लोगों के नाम इस सूची से हटाए जाने की आशंका है। चुनाव आयोग की ओर से हाल में जारी मसविदा सूची में तमिलनाडु में 97.40 लाख और गुजरात में 73.73 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें समय पर आवश्यक दस्तावेज दर्ज न कराना भी शामिल है। अंतिम सूची जारी होने से पहले ऐसे लोगों को अपनी आपत्तियां और दावे पेश करने का मौका दिया जाएगा और संभव है कि कई मतदाताओं के नाम फिर से जुड़ जाएंगे। मगर मसविदा सूची के आंकड़ों पर गौर किया जाए, तो उससे यही लगता है कि नाम दर्ज कराने के आखिरी अवसर के बाद भी बड़ी संख्या में लोग इस सूची से बाहर रह जाएंगे। सवाल है कि अगर इन लोगों के पास मतदान की पात्रता नही है, तो पहले इनका नाम क्यों और कैसे मतदाता सूची में था?

बिहार में एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर सबसे पहले पहचान पत्र के मसले पर विवाद पैदा हुआ था। चुनाव आयोग ने आधार कार्ड को नागरिकता का पहचान पत्र मानने से इनकार दिया था। बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर आधार को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल किया गया। बिहार में भी मसविदा सूची में करीब पैंसठ लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। हालांकि बाद में उसमें कई नाम जोड़े गए, इसके बावजूद अंतिम सूची में करीब सैंतालीस लाख लोग मतदाता सूची से बाहर हो गए। शीर्ष अदालत ने इस पर सूची से हटाए गए लोगों का कारण सहित विस्तृत ब्योरा मांगा। यही स्थिति अब अन्य राज्यों में भी देखने को मिल रही है। इस सबके बीच विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को भी कसौटी पर कसा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में तो मसविदा सूची से हटाए गए लोगों का सत्तारूढ़ दल ने अपने स्तर पर सत्यापन करने की मुहिम शुरू कर दी है। ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि आखिर चुनाव आयोग पर आम लोगों और राजनीतिक दलों का भरोसा क्यों डगमगाने लगा है?

इसमें दोराय नहीं है कि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन कर अपात्र लोगों या मृतकों के नाम हटाए जाने जरूरी है। मगर इस प्रक्रिया में पारदर्शिता का पैमाना भी उतना ही आवश्यक है, ताकि न तो किसी के मन में कोई आशंका रहे और न ही कहीं से कोई सवाल उठने की गुंजाइश बचे। यह चुनाव आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि अगर किसी को कोई आशंका हो, तो उसका तत्काल निराकरण किया जाए। ऐसा न होने पर आयोग की विश्वसनीयता पर अंगुली उठना स्वाभाविक है। एक अहम सवाल यह भी है कि जिन लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा, उनका भविष्य क्या होगा ? क्या वे देश के नागरिक बने रहेंगे या नहीं, क्योंकि देश के हर नागरिक को मतदान का अधिकार है और जब उनका यही अधिकार खत्म हो जाएगा, तो उनकी नागरिकता पर भी देर-सवेर सवाल उठेगा ही। यह चिंता इसलिए गंभीर है, क्योंकि देश भर में गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची से बाहर होने वाले लोगों की संख्या करोड़ों में हो सकती है। चुनाव आयोग और सरकार को इस पहलू को भी ध्यान में रखना होगा।

विबी जी राम जी : नई योजना और रोजगार की चुनौतियां

नए सर्वेक्षणों के मुताबिक, इस कृषि प्रधान देश में ग्रामीण बेरोजगारी की दर बढ़ने लगी है। ग्रामीण इलाकों में आज भी बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। क्या मनरेगा का बदला रूप 'वीबी-जी राम जी' इस चुनौती का मुकाबला कर पाएगा।

भारत तरक्की कर रहा है, आंकड़ों से अर्शशास्त्री यही बताते हैं। निस्संदेह भारत दुनिया की चड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में देश तीसरी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा और 2047 में जब आजादी का शताब्दी वर्ष मनाएंगे, तब हम पूरी तरह से एक विकसित राष्ट्र होंगे। उस समय हर आदमी यथोचित रोजगार के साथ अच्छा भोजन करेगा, अच्छा पहनेगा और खुशहाली के शिखर पर होगा। यह है सपना। ऐसा अगर लोग स्वाधीनता का अमृत महोत्सव के बाद भी सोचते हैं, तो कारणों की तलाश करनी पड़ेगी। पिछले दिनों कहा गया कि हम देश से बेरोजगारी मिटा देंगे। बेरोजगारी की भूख अनुकंपा के सस्ते राशन से मिटा दी जाएगी। मगर युवा पीढ़ी जो इस देश की आधी आवादी है, वह काम चाहती है। यह कड़वी सच्चाई है कि बड़ी संख्या में युवा आज भी बेरोजगार हैं। नए सर्वेक्षणों ने बताया है कि इस कृषि प्रधान देश में ग्रामीण बेरोजगारी की दर बढ़ने लगी है। ग्रामीण इलाकों में आज भी बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। क्या मनरेगा का बदला रूप %वीबी-जी राम जी% इस चुनौती का मुकाबला कर पाएगा, यह कहना मुश्किल है, क्योंकि गांवों में योजना का नया कलेवर नहीं, काम चाहिए।

अब जरूरत है कि देश में नागरिकों को काम के उचित अवसर मिलें। यूपीए सरकार के समय सबसे अच्छी योजना मनरेगा को ही बताया जाता था। यह फरवरी 2006 में लागू हुई थी। इसमें आवेदन करने पर पंद्रह दिन के अंदर रोजगार देना अनिवार्य होता था। आंकड़े बताते हैं कि इस पर अब तक 11.74 लाख करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। वर्ष 2014 से राजग सरकार के कार्यकाल में भी इस पर 7.8 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। हालांकि इसमें केवल सौ दिन का काम दिया जाता है। कई चार तो मजदूरों को औसत पचास दिन ही काम मिला। फिर भी मनरेगा वर्ष 2014 से अब तक आठ करोड़ लोगों को ही रोजगार दे पाई।

अब केंद्र सरकार ने संसद में नया ग्रामीण रोजगार विधेयक पारित किया है। ग्रामीणों को रोजगार के लिए 20 साल के बाद योजना को एक नया कलेवर दिया गया है। इसकी शुरुआत नाम बदलने से हुई। इस योजना का नया नाम है विकसित भारत-जी राम जी। जबकि इससे पहले इसे महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना कहा जाता था। कुल जमा ये कि नई योजना ने रूप बदला है। पहले सौ दिन काम मिलता था, लेकिन अब 125 दिन काम मिलेगा, लेकिन दिहाड़ी चही रहेगी। पहले इस योजना पर सौ फीसद पैसा केंद्र सरकार खर्च करती थी। अब इसमें 60 फीसद योगदान केंद्र देगा। जबकि 40 फीसद राज्य सरकारें देंगी। पहले इस योजना में आवेदन करने पर 15 दिन के भीतर काम मिलता था। मगर अब काम न मिलने पर राज्य सरकार बेरोजगारी भत्ता देगी। मनरेगा ग्रामीण गरीबी दूर करने के लिए था। फिलहाल %वीबी जी राम जी% को विकसित भारत का हिस्सा बना कर देखा जा रहा है।

नई योजना की डिजिटल निगरानी होगी। ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषदें बनेंगीं। संचालन समितियां बनेंगी। ग्राम पंचायत स्तर पर बनने वाली योजनाओं को %पीएम विकास गतिशक्ति% से जोड़ देंगे। अब सवाल

है कि इस परिवर्तन की जरूरत क्यों पड़ी? संसद में विधेयक पारित भी हो गया है। इससे पहले इस पर सत्तापक्ष और विपक्ष की जम कर बहस हुई। सत्तापक्ष का कहना था कि मनरेगा दिशाहीन था और इसमें ऐसा था कि पहले गड्ढे खोदो, फिर उन्हें भर दो। मुख्य उद्देश्य था गरीब परिवार के विपक्ष के अपने तर्क हैं कि क्या ऐसे ही प्रावधान मनरेगा में नहीं किए जा सकते थे! क्या उसे निश्चित उद्देश्यों के साथ लक्ष्यबद्ध नहीं किया जा सकता था? फिर जरूरी तो यह था कि महंगाई की दर को देखते हुए कार्यबल के पारिश्रमिक में वृद्धि कर दी जाती। वृद्धि तो की नहीं, केवल काम के 25 दिन बढ़ा दिए। राज्य सरकारें तो पहले ही अपने खाली खजाने का रोना रो रही हैं। उनका यह कहना है कि ग्रामीण विकास कोष से लेकर जीएसटी तक में से उन्हें उनका उचित भुगतान बहीं मिलता। अब उन पर इस योजना के योगदान का 40 फीसद भार भी डाल दिया गया है।

एक सदस्य को सौ दिन काम देकर मेहनताना देना। अब यह नई योजना दिशाहीन नहीं रहेगी, क्योंकि सरकार का मत है कि गांवों में परिवर्तन आ गया है। भुखमरी कम हो गई है, ग्रामीण बेरोजगारी इतनी बड़ी चुनौती नहीं रही। मगर सच से कैसे इनकार किया जा सकता है? चुनौती तो अबा भी है। सरकार का यह भी कहना है कि ग्रामीण भारत की सामाजिक और आर्थिक संरचना बदल रही है। यहां डिजिटल भुगतान पहुंच गया है। बैंक पहुंच गए हैं। बेहतर संपर्क है, लेकिन मनरेगा में फर्जीवाड़ा हो रहा था। योजना की राशि का दुरुपयोग हो रहा था। यह भी कहा जा रहा है कि पंजाब जैसे राज्यों में इतनी कम दिहाड़ी पर मजदूर काम करने के लिए राजी नहीं। इसलिए वहां फर्जी आंकड़ों से भुगतान हो रहे हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं कि वर्ष 2024-25 में इस योजना में 194 करोड़ रुप का घपला हुआ और केवल 7.6 फीसद ग्रामीण परिवार ही सी दिन का रोजगार पा सके, लेकिन अब माहौल बदल जाएगा। फर्जीवाड़ा रुकेगा। अय यह चुस्त-दुरुस्त और नए कलेवर वाली योजना बनेगी, जिस पर बाकायदा काम होगा। श्रम बल को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा जाएगा। यह यथार्थवादी योजना होगी। जब गांवों में फसल बिजाई और फसल कटाई का भरपूर आशिक योगदान मिलने की परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं, तो यह योजना समांतर रोजगार देना स्थगित कर देगी। बाद में लक्ष्यबद्ध तरीके से कार्यवला का इस्तेमाल किया जाएगा जो ग्रामीण जीवन का कायाकल्प कर देगा।

दूसरी ओर विपक्ष के अपने तर्क हैं कि क्या यही नया कलेवर मनरेगा को नहीं दिया जा सकता था? क्या उसे निश्चित उद्देश्यों के साथ लक्ष्यबद्ध नहीं किया जा सकता था। फिर जरूरी ती यह था कि महंगाई की दर देखते हुए कार्यबल के पारिश्रमिक में वृद्धि कर दी जाती। वृद्धि तो की नहीं, केवला काम के 25 दिन बढ़ा दिए। राज्य सरकारें तो पहले ही अपने खाली खजाने का रोना रो रही हैं। उनका यह कहना है कि ग्रामीण विकास कोष से लेकर जीएसटी तक में से उन्हें उनका उचित भुगतान नहीं मिलता। मुआवजा नहीं मिलता। अब उन पर इस योजना के योगदान का 40 फीसद भार भी डाला दिया गया है। राज्य सरकारें तो अधिक आर्थिक सहायता की उम्मीद केंद्र से कर रही थीं, लेकिन यहां एक और दायित्व उन पर आ गया कि अगर ग्रामीण विकास को तेजी देनी है, तो आगे बढ़ो और केंद्र सरकार के साथा योगदान करो। यह भी कहा गया कि पंजाब ही नहीं, चल्कि बंगाल में भी इस कोष का भारी दुरुपयोग हुआ। इसलिए नया विधेयक लाया गया।

यह योजना क्या काम करेगी, इसे स्पष्ट किया गया है। यह मूलभूत बुनियादी ढांचा बनाएगी। आजीविका के लिए पूंजी का निर्माण करेगी और प्रदूषण से निपटने का कार्य करेगी। यह निराशाजनक है कि इस पर गंभीर चर्चा नहीं हुई। इसका नाम बदलने पर ही बहस होती रही। शेक्सपियर ने कहा था कि नाम में क्या रखा है। मगर अब तो लगता है कि नाम में ही सब कुछ रखा है। सच तो यही है कि साम, दाम, दंड, भेद के साथ अपना नाम रोशन करने की यह जिद है। बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर इसे उत्सव की तरह मनाया जाता है। सत्ता की यह नई संस्कृति बनती जा रही है। ग्रामीणा रोजगार संबंधी इस योजना को सार्थक बनाना है, तो उसके लिए आर्थिक आबंटन भी बढ़ना चाहिए। नई योजना में केंद्र सरकार ने आर्थिक आबंटना तो बढ़ाया नहीं, अलबत्ता राज्य सरकारों पर बोझ जरूर डाल दिया गया है। अब जिस प्रकार संवादहीनता गैर-भाजपा सरकारों और केंद्र के बीचा चलती है, या जहां %डबल इंजन% सरकारें नहीं हैं, वहां इस नई योजना का भविष्य क्या होगा, यह विचारणीय है। क्या योजना का नाम बदलने भर से सार्थकता साचित होगी ?

-सुरेश सेठ

-तोबियास बेक (पश्चिमी विचारक)

जिन कठिनाइयों से होकर आप गुजरे हैं, वे आपकी जिंदगी को %बदसूरत% या बुरा नहीं बनातीं, भले ही ऐसा आपको लगे। यह हम पर निर्भर है कि अपनी दरारों और खरोचों को फिर से सुनहरा बना लें।

टूटी हुई चीजें भी सुंदर होती हैं

मेरी मां ने मुझे धैर्य रखने और प्राचीन परंपराओं के बारे में सिखाया। उन दिनों मैं जापान के एक पारंपरिक पारिवारिक घर में रहता था। मैं उन कीमती चाय के कटोरों से काफी प्रभावित था, जो पतली पोर्सलीन से बने थे और हाथों से पेंट किए गए थे। यदि उनमें से कोई कटोरा टूट जाता था, तो उसे फेंका नहीं जाता था, बल्कि सोने का उपयोग करके फिर से जोड़ दिया जाता था। इससे खूबसूरत लाइनों वाला एक नया खजाना बन जाता था, यानी हर कटोरा अपने आप में विशिष्ट हो जाता था। ऐसा करके जापानी लोग टूटी हुई चीजों की खूबसूरती को भी उजागर करते हैं। उनका मानना है कि एक बार टूटने के बाद वह चीज और भी मूल्यवान हो जाती है। वे मानते हैं कि यदि किसी चीज ने कोई नुकसान झेला है और उसकी कोई कहानी है, तो इसका परिणाम और भी खूबसूरत है। ऐसा इन्सानों पर भी लागू होता है। जिन चीजों से होकर आप गुजरे हैं, वे आपकी जिंदगी को 'बदसूरत' नहीं बनातीं, भले ही आपको ऐसा लगे।

यह हम पर निर्भर है कि अपनी दरारों और खरोचों को फिर से सुनहरा बना लें। आपके परिवार और दोस्तों का साथ सोने का काम करता है, जो आपके कठिनतम समय में भी आपके साथ होते हैं। कटोरे के टुकड़े आपके पीड़ादायक अनुभव हैं, और कटोरा आपका जीवन है।

अपने सभी प्रयासों और दर्द की बदौलत आप अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं, अतीत से सीख सकते हैं, और एक बेहतर इन्सान बन सकते हैं। इससे भी बड़ी बात कि आप दूसरों के लिए भी मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं, उनके लिए एक प्रकाश स्तंभ बन सकते हैं, ताकि उन्हें इस तरह की तकलीफों से नहीं गुजरना पड़े। आपका अनुभव बेकार नहीं है। आपके संघर्षों के निशान गौरवशाली मेडल की तरह हैं। आप कह सकते हैं, 'देखो, मैंने कहां-कहां से गुजरकर यह मुकाम पाया है। आज मैं जो कुछ भी हूं, वह इसी संघर्ष की बदौलत है, और मैं किसी भी चुनौती का सामना कर सकता हूं।'

किसी का भी जीवन एकदम परिपूर्ण नहीं रहा है, और न ही किसी का कभी होगा। यह हमारे ऊपर निर्भर है कि हम परेशान होते हैं या अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटते हैं। आपके साथ जो भी हुआ, उसे लेकर शार्मिंदा होने की आवश्यकता नहीं है। हर बात के पीछे कोई न कोई वजह होती है। मैं इस पर दृढ़ता से विश्वास करता हूं। जब तक हम टूटने के महत्व को स्वीकार नहीं करते, हम कुछ भी करने में सक्षम नहीं होंगे।

सूत्र : स्वीकार करें, आगे बढ़ें

टूटना अंत नहीं, रूपांतरण की शुरुआत है। जैसे दरारों में भरा सोना किसी पात्र को और अनमोल बना देता है, वैसे ही जीवन की चोटें हमें अनुभव संपन्न बनाती हैं। अपने दर्द से भागो मत, उससे सीखो। जो सहा है, वही तुम्हारी ताकत बनेगा। स्वीकार करो, आगे बढ़ो और अपने अनुभव को प्रकाश बनाकर दूसरों की राह आसान करो।

- अनबॉक्स यॉर लाइफ के अनूदित अंश

समाज

आत्मसम्मान की रोशनी

जीवन के हर मोड़ पर व्यक्ति अनेक भूमिकाएं निभाता है- पुत्र, मित्र, शिक्षक, कर्मचारी, नागरिक। इन सभी पहचानों के बीच एक पहचान ऐसी है जो सबसे स्थायी है- स्वयं की। आत्मसम्मान उसी पहचान का मूल है। यह वह मौन शक्ति है जो व्यक्ति को परिस्थितियों के आगे झुकने नहीं देती, बल्कि उन्हें आकार देने की प्रेरणा देती है। आत्मसम्मान वह अदृश्य दीपक है, जो भीतर जलता है और अंधकार के समय दिशा दिखाता है। इसक अर्थ है स्वयं को स्वीकारना, अपनी क्षमताओं को पहचानना और जीवन के प्रति गरिमा का भाव बनाए रखना। यह अहंकार नहीं, बल्कि आत्म स्वीकार की परिपक्वता है। अहंकार दूसरों को नीचा दिखाकर खुद को ऊंचा महसूस करता है, जबकि आत्मसम्मान स्वयं को गरिमा से ऊंचा उठाता है। यह उस व्यक्ति की पहचान है जो कहता है कि %मैं जैसा हूं, वैसा ही पर्याप्त हूं।

कभी-कभी जीवन में ऐसे लोग मिलते हैं, जो बार-बार हमें चोट पहुंचाते हैं, अपमानित करते हैं, और फिर एक साधारण %सारी% या %माफी% कहकर अपनी जिम्मेदारी से बच जाते हैं। वे वही गलती दोहराते रहते हैं और उम्मीद करते हैं कि हम हमेशा की तरह माफ करते रहेंगे। पर हर %सारी% रिश्ते को नहीं जोड़ती। क्षमा तभी अर्थपूर्ण होती है, जब सामने वाला अपनी गलती की गहराई सच में समझे। आत्मसम्मान का अर्थ कठोर होना नहीं है, बल्कि यह जानना है कि क्षमा वहीं तक उचित है, जहां हमारी गरिमा सुरक्षित रहे। जब किसी की गलती इतनी गहरी हो कि उसे भूलना खुद के साथ अन्याय लगे, तब दूरी बनाना गुस्सा नहीं, अपनी मानसिक शांति और स्वाभिमान की रक्षा करना होता है। दूसरों को माफ करना अच्छा है, पर खुद को भूल जाना कभी नहीं। इसी तरह, जब कार्यस्थल पर हमारी मेहनत को बार-बार नजरअंदाज किया जाता है, हमारी योग्यता को महत्त्व नहीं दिया जाता या ऊ हमारा योगदान किसी और के नाम कर दिया जाता है, तो चुप रहकर सब लंबे समय तक सहना विनम्रता नहीं, बल्कि अपने मूल्य को कम आंकना है। वहां अपनी काबिलियत के लिए शांत, पर दृढ़ आवाज उठाना ही सच का पक्ष और स्वाभिमान की रक्षा बन जाता है।

रिश्तों में भी कई बार हम अनजाने में ऐसी आदत पाल लेते हैं कि हर बहस के बाद %माफी% हम ही बोलते हैं, चाहे गलती सामने वाले की हो। हम सोचते हैं कि इससे रिश्ता बचेगा, पर धीरे-धीरे हम खुद को खोने लगते हैं। इस चक्र को रोकना, अपनी बात, अपने दर्द और सम्मान को तवज्जो देना दरअसल अपनी कद्र करना है। कुछ स्थितियों में गलत व्यवहार इतना गहरा होता है कि शब्द बेअसर हो जाते हैं। वहां चुप्पी ही सबसे मजबूत जवाब बन जाती है।

हमारे जीवन का सबसे बड़ा संतोष यह नहीं कि दुनिया हमें कितना सम्मान देती है, बल्कि यह है कि हम स्वयं को कितना सम्मान देते हैं। आत्म-सम्मान कोई पदक नहीं है, जिसे कोई और दे। यह आत्म-निर्णय है कि चाहे परिस्थिति कैसी भी हो, मैं अपनी गरिमा से समझौता नहीं करूंगा।

जब कोई व्यक्ति हमें सिर्फ तब याद करे, जब उसे हमारी जरूरत हो, काम निकालना हो, सहानुभूति चाहिए हो, या अकेलापन बांटना हो, पर हमारी जरूरत के समय वह हमेशा गायब मिले, तो ऐसे रिश्तों से दूरी बनाना भी स्वाभिमान का ही हिस्सा है। खुद को हर समय उपलब्ध न कराना, अपनी ऊर्जा और भावनाओं की रक्षा करना, और यह समझना कि हर कोई हमारे दिल तक पहुंचने का अधिकार नहीं रखता, यही आत्मसम्मान की असली शुरुआत है। सच तो यही है कि स्वाभिमान वहीं बचता है, जहां हम खुद को खोने से पहले रुकना और अपनी गरिमा को प्राथमिकता देना सीखते हैं।

आत्मसम्मान केवल दूसरों से व्यवहार का विषय नहीं, बल्कि स्वयं के प्रति दृष्टिकोण का विषय है। जब कोई व्यक्ति गलती करता है और बिना बहाने के %हां, मुझसे भूल हुई% कहने की हिम्मत रखता है, वह आत्मसम्मानित होता है। जब कोई अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करता, चाहे सामने लाभ ही क्यों न हो, वह आत्मसम्मान जी रहा होता है। हम अक्सर सोचते हैं कि आत्मसम्मान केवल बड़े निर्णयों में दिखता है, पर सच्चाई यह है कि यह हमारी रोजमर्रा की आदतों में बसता है। जब कोई विद्यार्थी नकल से इनकार करता है, कोई महिला अपने अधिकार के लिए बोलती है, या कोई व्यक्ति अपमानित होकर भी शांत और संयमित रहता है, तो ये सभी आत्मसम्मान के जीवंत उदाहरण हैं।

आज सोशल मीडिया और तुलना की दुनिया में लोग अपनी कीमत %लाइक% और %फालोअर्स% से मापने लगे हैं। पर आत्मसम्मान हमें सिखाता है कि पहचान भीतर से आती है, बाहर से नहीं। जो व्यक्ति खुद पर भरोसा रखता है, वही दूसरों को प्रेरणा दे सकता है। आत्मसम्मान हमें मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। यह चिंता, असुरक्षा और आत्मसंदेह से बचाता है। जब हम खुद को स्वीकारते हैं, तब हम दुनिया की अपेक्षाओं में उलझते नहीं, बल्कि अपने जीवन की दिशा खुद तय करते हैं। यह एक ऐसा मौन कवच है, जो हमें हर असमानता, उपेक्षा और अपमान से बचाता है।

जीवन का सबसे बड़ा संतोष यह नहीं कि दुनिया हमें कितना सम्मान देती है, बल्कि यह है कि हम स्वयं को कितना सम्मान देते हैं। आत्मसम्मान कोई पदक नहीं है, जिसे कोई और दे। यह आत्म-निर्णय है कि चाहे परिस्थिति कैसी भी हो, मैं अपनी गरिमा से समझौता नहीं करूंगा। कभी-कभी जीवन हमें ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा करता है, जहां चुप रहना आसान होता है, पर स्वयं का सम्मान बचाना कठिन। ऐसे क्षणों में याद रखना चाहिए कि दुनिया की नजरों में हार जाना भी स्वीकार्य है, अगर अपने भीतर हम विजेता हैं। आत्मसम्मान वही रोशनी है जो हमें हर अंधेरे से पार ले जाती है। जब हम खुद का सम्मान करना सीख लेते हैं, तब हमें किसी और से स्वीकृति मांगने की आवश्यकता नहीं रहती, क्योंकि जो अपने भीतर की गरिमा को पहचान लेता है, वही सच्चे अर्थों में जीवन जीता है।

-महिमा सामंत

मुद्दा

मीलों अभी चलना है

भले ही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से देश में गरीबों की संख्या घटी है, पर गरीब-अमीर के बीच की खाई अब भी चौड़ी है।

हाल ही में प्रकाशित वर्ल्ड इनइक्वैलिटी रिपोर्ट्स 2026 के अनुसार, दुनिया के आधे से अधिक देशों में गरीब और अमीर के बीच बढ़ती हुई आय असमानता की स्थिति चुनौतीपूर्ण है। भारत में भी गरीब और अमीर के बीच आय असमानता चिंताजनक है, जहां देश की 65 प्रतिशत संपत्ति सिर्फ 10 प्रतिशत सबसे अमीर लोगों के पास है, और सबसे गरीब 50 प्रतिशत लोगों के पास सिर्फ 6.4 प्रतिशत संपत्ति है। भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास देश की लगभग 40 प्रतिशत संपत्ति है। फिनलैंड की प्रसिद्ध आल्टो यूनिवर्सिटी की हालिया शोध रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले तीन दशकों में जहां दक्षिण भारत में गरीब और अमीर के बीच आय असमानता कम हुई है, वहीं उत्तर भारत में यह स्थिति स्थिर बनी हुई है। गौरतलब है कि विगत एक अक्तूबर को प्रकाशित एमएम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट, 2025 के मुताबिक, पूरी दुनिया के विभिन्न देशों की तुलना में भारत में अरबपतियों की संख्या सबसे तेजी से बढ़ रही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि 2025 की सूची भारत के अरबपति समुदाय में विस्तार का प्रतीक है। देश में अब 358 अरबपति हैं, जो 13 साल पहले की तुलना में छह गुना अधिक हैं। इस सूची के मुताबिक, भारत में 1,687 ऐसे भारतीय हैं, जिनकी संपत्ति 1000 करोड़ से अधिक है। इस सूची में शामिल सभी लोगों की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपये है, जो 2024 की तुलना में पांच फीसदी अधिक है। यह भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग आधे के बराबर है। पिछले दो वर्षों में भारत में औसतन हर सप्ताह एक नया अरबपति बना है। निस्संदेह यह चुनौतीपूर्ण है कि जब एक ओर विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष की रिपोर्टों में भारत में लगातार गरीबी में कमी आने और सामाजिक सुरक्षा बढ़ने संबंधी टिप्पणियां की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर भारत में गरीब और अमीर के बीच असमानता बढ़ रही है। विश्व बैंक की वैश्विक गरीबी संबंधी रिपोर्ट के मुताबिक,

"आत्म सम्मान की रक्षा,
हमारा सबसे पहला धर्म है.!"

भारत में अत्यधिक गरीबी की स्थिति में रहने वाले लोगों की संख्या में पिछले 11 वर्षों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है और अत्यधिक गरीबी से करीब 27 करोड़ देशवासी बाहर निकले हैं। यह परिदृश्य पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीब कल्याण को लक्षित करके बनाई गई लाभकारी योजनाओं की सार्थकता प्रस्तुत करता है। 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त खाद्यान्न वितरण गरीबी को कम करने में अहम भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, गरीबों के सशक्तीकरण से संबंधित कई और योजनाएं हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में वर्ष 2025 में 64 फीसदी से अधिक आबादी यानी करीब 94 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना से लाभान्वित हो रहे हैं, जबकि वर्ष 2015 में सामाजिक सुरक्षा योजनाएं 25 करोड़ से भी कम लोगों तक पहुंच रही थीं। यानी सरकार की जन केंद्रित कल्याणकारी नीतियों से सामाजिक सुरक्षा का तेज विस्तार हुआ है। लेकिन वर्ल्ड इनइक्वैलिटी रिपोर्ट, 2026 के मद्देनजर अभी भारत में अमीर और गरीब के बीच की खाई को कम करने और आम आदमी की सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है। अभी देश के करीब 52 करोड़ लोगों का सामाजिक सुरक्षा की छतरी के बाहर रहना एक बड़ी आर्थिक सामाजिक चुनौती है। खासतौर से देश के असंगठित क्षेत्र, गिग वर्कर्स और आम आदमी की सामाजिक सुरक्षा के लिए अभी मीलों चलना बाकी है।

अब कर सुधारों का लाभ गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों तक पहुंचना चाहिए। हालांकि इसी वर्ष 2025 में भारत, 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या की कुल आमदनी के आधार पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय के मामले में यह दुनिया के कई देशों से बहुत पीछे है।

-जयंतीलाल भंडारी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। कमजोर उठाव के बीच सोमवार को दलहनों में चना मामूली लटक पर रहा। उड़द व मूंग में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में पूछपरख रही। किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में माँग वाली बात नहीं है। जिससे भावों में मामूली लटक देखी गयी। उड़द व मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में लेवाली देखी गयी। उधर, किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4030, खोपरा गोला 320-380, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारि?क 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1000-1300, क्लीन 1400-1650, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1550-1570, मुम्बई 1580, राजकोट तेलिया 2460, सोया साल्वेंट 1185-1190, सोया रिफाइंड 1250-1255, कपास्या 1220, धूलिया 1220, कड़ी 1230,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1265,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5600-5650, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5600-5650, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर नई निमाड़ी बेस्ट 6700-6800, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर एजेंसी। सोमवार को विदेशी बाजारों की अगुवाई में स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार उछाल पर रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 203000, चाँदी (99) 202500, टंच 202000, सिक्का 2000, सोना 10 ग्राम 134300,

रुपया सपाट बंद

मुंबई एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सपाट बंद हुआ। आज सुबह रुपया 22 पैसे की मजबूती के साथ शुरु हुआ। 89.45 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। शुक्रवार को यह 89.67 पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशक भारत में शेयर बाजार और अन्य परिसंपत्तियों में निवेश बढ़ा रहे हैं, जिससे रुपया मजबूत हुआ। कंपनियों का डॉलर में निवेश और ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल होने से निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया सुबह 89.53 पर खुला और बाद में 89.45 तक मजबूत हुआ। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 98.63 पर रहा। इसका असर रुपये पर सीमित दिखा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी वाली रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 638.12 अंक बढ़कर 85,567.48 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 206 अंक की तेजी के साथ ही 26,172 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, बीईएल, सन फार्मा, एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व और आईटीसीके शेयर लाभ में रहे जबकि एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, इंडिगो और बजाज फाइनेंस के शेयर गिरे थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 505.10 अंक बढ़कर 60,815.25 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 202.70 अंक ऊपर आकर बढ़त के साथ ही 17,593 पर बंद हुए। ऑटो, मेटल, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी, इन्फ्रा, कमोडिटी, कंजप्शन और सर्विसेज सहित अधिकतर इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए। बाजार का रुख आज सकारात्मक रहा। आज 2,794 शेयर बढ़त पर जबकि 1,515 शेयर गिरावट पर थे। वहीं 192 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। बाजार जानकारों ने अनुसार भारतीय शेयर मार्केट में तेजी जारी है। इसका कारण फेड की ओर से ब्याज दरों में कमी से आई है। आईटी और मेटल स्टॉक्स में बढ़त बनी है। निवेशकों की नजरें अब भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर टिकी हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 446.78 अंकों की मजबूती के साथ 85,376.14 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं ?निफ्टी 50 146.75 अंकों की बढ़त के साथ 26,115.90 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशिया-पैसिफिक बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा लोन प्राइम रेट को स्थिर रखने के बाद जापान का निक्केई 225 1.86 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.9 फीसदी चढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.83 फीसदी की बढ़त के साथ खुला, जिससे भारतीय बाजार को भी समर्थन मिला।

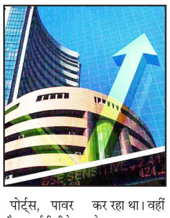

1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे डिजिटल टैक्स नियम

नई दिल्ली एजेंसी। 1 अप्रैल 2026 से भारत में नया टैक्स कानून लागू होगा, जो 1961 के इनकम टैक्स एक्ट की जगह लेगा। सरकार का कहना है कि यह बदलाव टैक्स सिस्टम को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए है। डिजिटल दौर में कमाई, निवेश और लेन-देन का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन होता है। इसलिए टैक्स चोरी रोकने के लिए डिजिटल मोर्चे पर सख्ती बढ़ाई जा रही है। नए कानून के तहत आयकर विभाग को जरूरत पड़ने पर सोशल मीडिया अकाउंट्स, ईमेल, क्लाउड स्टोरेज और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तक कानूनी पहुंच मिलेगी। इसका मकसद फर्जी कंपनियों, बेनामी लेन-देन और छुपी हुई आमदनी पर तेज़ी से कार्रवाई करना है। इस नियम का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो आमदनी छुपाते हैं, फर्जी कंपनियों के जरिए पैसा घुमाते हैं, बेनामी लेन-देन करते हैं और खर्च ज्यादा और टैक्स कम दिखाते हैं। ईमानदार टैक्सपेयर्स के लिए इसका कोई नकारात्मक असर नहीं होगा। इस ?लिए आम लोगों को सलाह दी जाती है ?कि अपनी आमदनी सही-सही दिखाएं, खर्च और निवेश का रिकॉर्ड रखें, टैक्स रिटर्न ईमानदारी से भरें और डिजिटल लेन-देन में पारदर्शिता बनाए रखें।

अब एमएसएमई ऋण देने में डिजिटल डेटा आधारित निर्णय लेने लगे सरकारी बैंक

नई दिल्ली एजेंसी। वित्त वर्ष 2026 के 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने डिजिटल फुटप्रिंट आधारित क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के तहत 28,724 करोड़ रुपये एमएसएमई को ऋण के रूप में मंजूर किए। इस अवधि में कुल 5,60,655 ऋण आवेदन जांचे गए, जिनमें से 2,61,281 आवेदन स्वीकृत हुए और 23,541 करोड़ रुपये जारी किए गए। लगभग 1,88,999 आवेदन अभी प्रक्रिया में हैं। बैंकों की कुल अस्वीकृति दर लगभग 20 प्रतिशत रही। बैंक ऑफ महाराष्ट्र में यह दर कम रही, जबकि बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक में अधिक आवेदन अस्वीकृत किए गए। अधिकारियों ने कहा कि यह अस्वीकृति डिजिटल डेटा आधारित वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन को दर्शाती है, न कि विवेकाधीन निर्णय। यह मॉडल 2024-25 के केंद्रीय बजट में पेश किया गया और मार्च 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लॉन्च किया गया। बैंक अब जीएसटी फाइलिंग, आयकर रिटर्न, बैंक खाते की जानकारी और अन्य प्रमाणित डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग करके ऋण प्रस्तावों का मूल्यांकन कर रहे हैं। इस पहल का लक्ष्य एमएसएमई तक औपचारिक ऋण पहुंच बढ़ाना, गिरवी आधारित ऋण की निर्भरता कम करना और कर्ज देने की प्रक्रिया को तेज़ व पारदर्शी बनाना है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखने के लिए रहेगा। नौकरीपेशा लोग अपने कामों को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे। आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। संतान के सेहत में गिरावट आ सकती है, जो आपको समस्या देगी। आपका मन किसी पारिवारिक मामले को अधिक लेकर परेशान रहेगा।

वृषभ- आज आपके मन में किसी काम को लेकर उथल-पुथल बनी रहेगी। आपको अपनी मेहनत पर भरोसा रखना होगा। सामाजिक गतिविधियों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको अपने कामों को थोड़ा ध्यान रखना होगा और आप अपने गुस्से को कंट्रोल करने की पूरी कोशिश करें। आपको कुछ अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी। बिजनेस में आपको किसी समस्या को लेकर अपने पार्टनर से बातचीत करनी होगी, तभी आप किसी काम में आगे बढ़ें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला होगा। आप अपने जरूरी कामों को कल पर टालने से बचें। पारिवारिक मामलों को आप मिल बैठकर निपटाना होगा जो आपके लिए बेहतर रहेगा। जीवनसाथी के साथ आप नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा, जिसे आप अपने पिताजी से शेयर कर सकते हैं। आपका कोई काम पूरा न होने में समस्या आ रही थी, तो वह पूरी हो सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। आप कोई निवेश करेंगे, तो उसमें आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आप अपने खानपान की आदतों में बदलाव लाए। आपको किसी काम को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा और आपके मन की इच्छा के पूर्ति होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। वैवाहिक जीवन में आपसी समानता बनी रहेगी। आज आपको काम को लेकर भागदौड़ भी अधिक रहेगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए चुनौती से भरा रहने वाला है। आपको अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों का पूरा साथ मिलेगा। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह न बोले। आध्यात्म के कार्यो में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनते दिख रहे हैं। आपको अपने कामों को समय से निपटाने की आवश्यकता है। आपको किसी दूर रहे परिजन की याद सता सकती है।

कन्या- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए बढिया रहने वाला है। आपका मान-सम्मान बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से किए गए कामों में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी के लिए भी कोई अच्छा ऑफर आ सकता है। माता-पिता से किसी संपत्ति को लेकर कोई वाद-विवाद खड़ा हो सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने मन में किसी के प्रति ईर्ष्या की भावना ना रखें और अपनी किसी भी शारीरिक समस्या को यदि आपने दबाया, तो बाद में वह आपके लिए कोई नई समस्या खड़ी कर सकती है। आपको अपने सगे संबंधियों से भी मिलने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आप अपनी इन्कम को बढ़ाने के सोर्सो पर पूरा ध्यान देंगे। किसी कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपकी किसी से अनबन चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होंगे। राजनीति की ओर कार्यरत लोगों को किसी काम को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं होना है। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने की पूरी कोशिश करेंगे, जिस कारण आप अच्छे खानपान में कुछ नई चीजों की भी खरीदारी कर सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप किसी नए काम की शुरुआत करने की सोच सकते हैं, आपको कुछ अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी। आपके निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। साझेदारी में आप किसी नए काम की शुरुआत करने की सोच सकते हैं। आप अपने साथी के साथ रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे। आपको किसी से काम को लेकर कुछ मदद लेनी पड़ सकती है, जो आपको आसानी से मिल जाएगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। दांपत्य जीवन में आप तालमेल बनाकर चलें, तो आपको भाई और बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। विरोधी आपके कामों में रोड़ा अटकाने की कोशिश तो करेंगे, लेकिन वह आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकेंगे। संतान की संगति पर आप विशेष ध्यान दें। आप कहीं घूमने-फिरने जाने की योजना बना सकते हैं।

मीन- आज आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। जीवनसाथी के लिए भी आप कोई गिफ्ट लेकर आ सकते हैं। माता-पिता की सेवा के लिए भी आप कुछ समय निकालेंगे। यदि आपको कार्यक्षेत्र में किसी काम को लेकर कोई समस्या है, तो उसके लिए आप अपने बॉस से बातचीत अवश्य करें, जिससे आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे।

शब्दजाल - 8118

शब्दजाल में 'वहीदा रहमान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

गाईड,नीलकमल,प्रेम पुजारी,रेशमा और शेरा,खामोशी,पत्थर के सनम,तीसरी कसम,कोहरा,राखी,बीस साल बाद

नी	म	गा	ई	ड	र	रे	फा	न	प	खा
न	ल	क	प	इं	डो	श	शि	या	ड़	मो
अ	दा	क	ला	र	ग	मा	द	प्रे	प	शी
ती	ग	ल	म	ब	दू	औ	प	म	लि	ला
त	स	अ	सौ	ल	जा	र	कि	पु	ला	स
आ	इ	री	मो	व	आ	शे	त	जा	लू	पा
ग	जी	ल	क	व	प	रा	न	री	प्र	स
र	रि	भा	र	स	प	स	द	र	रा	वा
को	ह	रा	ना	थ	म	ज	जी	न	खी	न
न	ट	प	त्थ	र	के	स	न	म	प	श
ब	बी	स	सा	ल	बा	द	त्ता	प	क	र

शब्दजाल - 8117 का हल

अ	क	मु	ग	अ	ए	अ	बा	ग	बां	व
द	ज	ल	श	ज	मे	स	द	ह	कां	मो
र	स	न	रा	दी	छ	ज	आ	र्म	ख	ह
इं	स	ल	बी	दि	वा	स	र	ल	श	ब्ब
डि	आ	दो	ग	बो	ज	ना	प	सा	झ	तें
य	को	द	र	दि	ग	उ	खु	ण	व	क
ती	व	लि	मी	या	प	र	दा	नां	व	सु
अं	एं	अ	या	द	ब	क	ग	ए	श	हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	वा	औ	प	ग
अं	धा	का	नू	न	जी	त	ह	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	आं	खें	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7062

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7061

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8586

बाएँ से दाएँ

1.आकाश,व्योम-2
2.नाजुक,मुलायम-3
4.हार,पराजय-2
6.संध्या,सांझ,गोधूलि-2
7.जोर,बल-2
9.सोना,धतूरा-3
12.नाप-जोख करना-3
14.सिक्कों की आवाज-3
16.रहस्यज्ञाता-4
17.तालाब,ताल,तलैया-4
18.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
20.गिरवी वस्तु-3
22.सैनिक कार्रवाई-3
24.चिठ्ठी,पत्र-2
26.बर्तन-2
27.सुर,क्रम-2
28.वाचन करने वाला-3
29.पितामह-2

ऊपर से नीचे

1.लवण-3
2.भीगा हुआ-2
3.खुमार,नशा-2
5.सर्दी में हाथ सेंकना-3
6.भाजी,सब्जी,तरकारी-2
8.इंकार,मनाही-2
10.मस्जिद,नमाज पढ़ने की जगह-5
11.आम जनता-2
13.लालन-पालन-5
14.इमाम दस्ता -3
15.वचन,प्रतिज्ञा-3
19.रुखसार,कपोल-2
20.पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21.नाखून-2
22.सखा,दोस्त-2
23.निजात,छुटकारा-3
25.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26.पवित्र-2

शब्द पहेली -8585 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2025 वर्ष का 357 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 12.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण अहोरात्र।
योग व्याघात 16.30 बजे को समाप्त।
करण गर 12.13 बजे तदनन्तर वणिज 00.46 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 02.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872567
जूलियन दिन 2461032.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब
तारीख 02

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	धनु में	मकर	08.15 बजे से
चंद्र	मकर में	कुंभ	10.02 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	11.35 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	13.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.45 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.43 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.57 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	21.13 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	23.25 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		तुला	01.36 बजे से
		वृश्चिक	03.50 ब.से
		धनु	06.06 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: प्रजा का हित

पुराने जमाने की बात है। रायपुर में एक राजा राज्य करता था। उसकी प्रजा करों के बोझ से परेशान थी। एक दिन स्वामी हरिदास उसके दरबार में पधारे। राजा ने उन्हें प्रणाम करते हुए पूछा, 'महाराज! मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं?' हरिदास ने कहा, 'राजन! आपसे भला मैं क्या अपेक्षा करूं।' राजा ने सिर झुकाकर लेकिन अभिमान भरे लहजे में कहा, 'महाराज! आप आदेश तो कीजिए। मेरे लिए कुछ भी असंभव नहीं है।' हरिदास जी बोले, 'फिर भी एक बार विचार कर लेते तो उचित रहता।' राजा ने हरिदास जी को आश्वासन देते हुए कहा, 'मैंने जो वचन दिया है, वह पत्थर की लकीर है। आप निश्चिंत होकर अपने मन की बात कहिए।' हरिदास बोले, 'हे राजन! आपने वचन दे ही दिया है तो अपने राज्य की गरीब जनता का कर माफ कर दीजिए।' राजा बोला, 'महाराज! आप मुझसे सारी उम्र के गुजारे भर के लिए धन ले लीजिए, किंतु ऐसा न कहिए। आप तो राज्य के खर्च का श्रोत ही बंद करने की बात कह रहे हैं, यह कैसे संभव होगा?' हरिदास जी ने कहा, 'राजन! जनता से कर वसूल करना अन्याय नहीं है, मगर गरीबों से कर वसूलना अवश्य अन्याय है। आप जिन लोगों से कर बसूलते हैं उनमें से कितनों के पास खाने तक के लाले पड़े हैं। राजन! कहीं ऐसा न हो कि आपकी प्रजा एक दिन कर देने के लायक ही न रह जाए।' यह सुनकर राजा का सिर लज्जा से झुक गया। उसने तत्काल गरीबों को कर में छूट देने की घोषणा की।

सूडोकु नवताल- 7371

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7370 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

विधायक राजकुमार कर्राहे ने बिसोनी -निमटोला मार्ग का किया भूमिपूजन

कोटेश्वर में शैड का निर्माण, विद्युत ट्रांसफार्मर व श्मशान का उन्नयन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्य आतिथ्य में 22 दिसम्बर को कोटेश्वर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, पार्षदों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। विधायक श्री कर्राहे की अनुशंसा पर स्वीकृत इन कार्यों से क्षेत्र में सड़क सुविधा, धार्मिक स्थल का विकास एवं सार्वजनिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। मुख्य रूप से सोमवार को नगर में विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया गया जिसमें बिसोनी से निमटोला वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 में भिलाई रोड तक डामरीकरण कार्य (लंबाई 2.10 किलोमीटर, लागत 219.00 लाख रुपये) - यह कार्य मध्य प्रदेश शासन के बजट 2024-25 में स्वीकृत है। कोटेश्वर मंदिर के समीप 60×100 का सार्वजनिक शेड निर्माण (लागत 45 लाख रुपये)। कोटेश्वर मंदिर परिसर के लिए 100 चक्र ट्रांसफार्मर एवं विद्युत विस्तार कार्य (लागत 12.49 लाख रुपये)। विधायक निधि से कोटेश्वर मंदिर परिसर स्थित श्मशान का उन्नयन एवं विकास कार्य (लागत 6.18 लाख रुपये)। हाईमास्क लाइट्स - 2 नग 16 मीटर एवं 3 नग 12.5 मीटर (लागत 17 लाख रुपये) शामिल हैं। उक्त सम्पूर्ण भूमिपूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद लांजी की अध्यक्ष श्रीमती रेखा कालबेले ने की। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप कुमार रामटेककर, सभापति पार्षद दिनेश कचवाहे सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विधायक राजकुमार कर्राहे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ये कार्य क्षेत्र के विकास एवं धार्मिक स्थल कोटेश्वर मंदिर की सुविधाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। प्राचीन कोटेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है और इन विकास कार्यों से श्रद्धालुओं को अधिक सुविधा मिलेगी।

ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में पार्षद श्रीमती कस्तूरा सेवकराम वाकडे, विजय गोस्वामी, किशोर रामटेककर, श्रीमती शिखा गोस्वामी, संजय सैयाम, सौरभ पसीने, मुकेश रणदीवे, योगेश रामटेककर पूर्व सरपंच लांजी, आलोक चौरसिया मंडल अध्यक्ष लांजी, श्रीमती वर्षा विजय वारे सरपंच बिसौनी, रामकृष्ण कर्राहे पूर्व किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष, देवेश यड़े मंडल अध्यक्ष बिसौनी, कैलाश गोस्वामी (विधायक प्रतिनिधि), श्री राकेश रामटेककर संसद प्रतिनिधि, सोहन उपराड़े, श्रीमती मोना कौर जिला महामंत्री, श्रीमती वीना उपराड़े, श्रीमती किरण कचवाहे पूर्व पार्षद, ताराचंद कुचलाहे सरपंच दुलापुर, ललित देवगढ़े, चमरूलाल बेलघैया, सेवक वाकडे, श्याम मुरकुटे, श्रीमती सुनीता राय, मोहन पिछोड़े, श्रीमती दमयंती धारणे सरपंच खजरी, संजय खोबरागड़े, लीलाधर डोलस, सचिन अग्रवाल, रूपचंद रामटेककर, श्रीमती मधु आसटकर, संतोष मोरघड़े, योगेंद्र दहिकर, विजय वारे, दिनेश भंडारकर, लखन पाड़े, बसंत सोनवाने, दसरू बेलघैया, विकास कर्राहे, चूमेश लिल्हारे, राजतकांत कचवाहे आदि शामिल थे।

शासकीय महाविद्यालय लांजी में राष्ट्रीय गणित दिवस पर हुए उत्साहपूर्ण कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय गणित के महान हस्ताक्षर श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के उपलक्ष्य में 22 दिसम्बर को शासकीय महाविद्यालय लांजी में राष्ट्रीय गणित दिवस धूमधाम से मनाया गया। महाविद्यालय के भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि जगाना तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को उजागर करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य आर. आर. सोनवाने ने की, जबकि नोडल अधिकारी डॉ. कांता वर्मा (सहायक प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र) ने मार्गदर्शन प्रदान किया। ग्रंथपाल डॉ. जसपाल सिंह सिद्धू तथा सहायक प्राध्यापक (गणित) महेश दमाहे ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशेष योगदान दिया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में विद्यार्थियों के लिए रंगोली प्रतियोगिता और पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने गणितीय

आकृतियों, सूत्रों और रामानुजन से प्रेरित डिजाइनों को रंगों के माध्यम से जीवंत रूप दिया, जिससे पूरे परिसर में उत्साह का माहौल छा गया। इसके अलावा, पुस्तक प्रदर्शनी में गणित से संबंधित दुर्लभ पुस्तकें, रामानुजन के कार्यों और भारतीय गणितीय परंपरा पर केंद्रित सामग्री प्रदर्शित की गई, जिसने विद्यार्थियों को गणित के ऐतिहासिक और व्यावहारिक महत्व से परिचित कराया। विद्यार्थियों ने दोनों गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण तथा स्टाफ सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। प्राचार्य आर. आर. सोनवाने ने अपने संबोधन में कहा कि गणित केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला है। भारतीय ज्ञान परंपरा में गणित का विशेष स्थान रहा है और रामानुजन जैसे महान गणितज्ञ हमें निरंतर प्रेरित करते हैं।

विद्युत ठेकेदार ने नहर मार्ग के बीचोंबीच रास्ते में खड़ा कर दिया खंबा-किसानों में आक्रोश

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम देवलगांव में बाघ नदी नहर वितरण प्रणाली के अंतर्गत आने वाले मायनर देवलगांव चैनल क्रमांक 175 से 210 के बीच नहर पार मार्ग पर ठेकेदार की मनमानी सामने आई है। आरोप है कि संबंधित ठेकेदार द्वारा बिना अनुमति के नहर पार मुख्य रास्ते के बीचों-बीच विद्युत पोल गाड़ दिया गया है, जिससे ग्रामीणों एवं किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार के कार्य में लगे कर्मचारियों ने नहर के बीच स्थित इस मार्ग पर विद्युत पोल खड़ा कर दिया, जबकि यह रास्ता वर्षों से किसानों के आवागमन के लिए उपयोग में है।

यह मार्ग देवलगांव से साड़रा बाजार को जोड़ता है, जहां से प्रतिदिन बैलगाड़ी, ट्रैक्टर, कृषि यंत्रों और अन्य वाहनों की आवाजाही होती है।

कृषि कार्यों पर पड़ेगा सीधा असर

किसानों ने बताया कि इस मार्ग के अवरुद्ध होने से खेतों तक पहुंचना कठिन हो जाएगा। इससे बुआई, सिंचाई, खाद-बीज परिवहन और फसल कटाई जैसे आवश्यक कृषि कार्य प्रभावित होंगे। यदि समय रहते इस अवैध रूप से गाड़े गए विद्युत पोल को नहीं हटाया गया तो किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

विभागों को दी शिकायत

ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत विद्युत विभाग एवं सिंचाई (इरिगेशन) विभाग से की है, इससे किसानों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। किसानों का आरोप है कि विभागीय लापरवाही के कारण उनकी रोजमर्रा की जरूरतें प्रभावित हो रही हैं।

किसानों की प्रशासन से मांग

किसानों एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नहर पार मार्ग पर अवैध रूप से गाड़े गए विद्युत पोल को तत्काल हटाया जाए तथा संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की मनमानी न हो।

क्षेत्र के ग्राम साडरा के कृषक लक्ष्मीकांत बिल्हारे के पास बेलर (पैरा के बंडल बनाने वाली), रैक (धूल साफ करने वाली) और स्लेशर (धान अवशेष काटने वाली) मशीनें उपलब्ध हैं। जरूरतमंद किसान उनसे संपर्क कर सकते हैं। कृषि विभाग ने किसान भाइयों से अपील की है कि कानूनी कार्रवाई और जुर्माने से बचने के लिए पराली न जलाएं और पर्यावरण बचाएं। यह प्रतिबंध मध्य प्रदेश में पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर लगाया गया है, जहां हाल के वर्षों में ऐसे मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। किसानों से सहयोग की उम्मीद है ताकि प्रदूषण और मिट्टी के नुकसान को रोका जा सके।

शासकीय महाविद्यालय में ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन

60 छात्राओं को प्रदान किए प्रमाण-पत्र

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय महाविद्यालय लांजी में स्वामी विवेकानन्द केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत आयोजित अल्पावधि रोजगारोन्मुखी ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सोमवार को भव्य आयोजन के साथ हुआ। यह प्रशिक्षण कोर्स 25 नवंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक चला, जिसमें कॉलेज की 60 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर. आर. सोनवाने ने की, जबकि स्वामी विवेकानन्द केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. गौतमा कठाने ने मार्गदर्शन प्रदान किया। समापन समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानन्द के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो.

आर. आर. सोनवाने ने कहा कि यह कार्यक्रम उन सभी प्रतिभागी छात्राओं के सम्मान में आयोजित किया गया है, जिन्होंने ब्यूटीशियन कोर्स को पूर्ण लगन, मेहनत और रुचि के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. गौतमा कठाने ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को फेशियल, मेकअप, हेयर स्टाइलिंग, थ्रेडिंग, दुल्हन मेकअप तथा स्किन केयर जैसे विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। सभी प्रतिभागियों ने इसमें पूर्ण रुचि दिखाई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना और स्वरोजगार के लिए सक्षम करना था। समापन पर 60 छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम की सफलता में प्रशिक्षिकाओं सुश्री दीपाक्षी सुलाखे एवं शिपत खान का विशेष योगदान रहा। साथ ही महाविद्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षित छात्राओं की उपस्थिति सराहनीय रही। यह पहल स्वामी विवेकानन्द केरियर मार्गदर्शन योजना के तहत छात्राओं को कौशल विकास प्रदान कर स्वावलंबी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्रीय बैंक मर्यादित भानेगांव शाखा से प्रतिदिन मात्र 30 हजार रुपये की राशि आहरण पर किसानों में असंतोष-सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के किसानों को केंद्रीय बैंक मर्यादित भानेगांव शाखा से प्रतिदिन मात्र 30 हजार रुपये की ही राशि आहरण की अनुमति दिए जाने से किसानों में भारी असंतोष व्याप्त है। किसानों का कहना है कि उनकी मेहनत की कमाई होते हुए भी उन्हें अपने ही पैसों के लिए बार-बार बैंक के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, जिससे समय और श्रम दोनों की हानि हो रही है। इसी गंभीर समस्या को लेकर आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी के अध्यक्ष रेवाजी करहाटकरे ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित भानेगांव के बैंक मैनेजर प्रकाश साहू से मुलाकात कर किसानों को आ रही परेशानियों से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में खेती-किसानी का कार्य अपने चरम पर है, रबी की फसल के लिए खाद, बीज, दवा, मजदूरी एवं अन्य आवश्यकताओं के लिए किसानों को अधिक राशि की आवश्यकता होती है। प्रतिदिन केवल 30 हजार रुपये की सीमा होने से किसान समय पर भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। रेवाजी करहाटकरे ने बैंक प्रबंधन से आग्रह किया कि किसानों की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आहरण सीमा में बढ़ोतरी की जाए, ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया तो किसानों में असंतोष और बढ़ सकता है। वहीं बैंक मैनेजर प्रकाश साहू ने किसानों की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए उचित स्तर पर समाधान का प्रयास करने एवं नियमों के दायरे में राहत देने का आश्वासन दिया। इस दौरान किसानों ने भी अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि बार-बार बैंक आना उनके लिए कठिन हो रहा है और इससे खेती-किसानी के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। किसानों ने प्रशासन और बैंक प्रबंधन से शीघ्र ठोस निर्णय लेने की मांग की है।

अवैध रेत परिवहन मामले में लांजी पुलिस ने की कार्रवाई - डंफर किया जप्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। अवैध रेत परिवहन के मामलों पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत लांजी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम कारंजा क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन करते हुए एक डंफर को पकड़कर आरोपित के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई रविवार 21 दिसंबर की रात लगभग 12.30 बजे के दौरान की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रात्रि गश्त के दौरान फरियादी द्वारा सूचना दी गई कि कारंजा चौराहे के पास एक डंफर संदिग्ध अवस्था में खड़ा है, जिसमें रेत भरी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उक्त डंफर को पकड़कर थाना लांजी लाया गया। जांच के दौरान डंफर क्रमांक एमएच 35/एजे 2041 का चालक प्रकाश बघाड़े, पिता अरुण बघाड़े, जाति अहिर, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम घंसा से रेत के परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज (रॉयल्टी) प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन चालक कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके पश्चात पुलिस ने रेत से भरे डंफर को जब्त कर थाना लांजी में खड़ा कराया। मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 326/25 पंजीबद्ध करते हुए आरोपित के विरुद्ध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं धारा 4/21 खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

- मप्र पर बढ़ते कर्ज को लेकर सियासी घमासान, मंत्री देवड़ा बोले

'यह कर्ज नहीं, निवेश है'

भोपाल। सरकार के 2 साल पूरे होने पर उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने उपलब्धियां गिनाने के दौरान मीडिया के सवाल के जवाब में उन्होंने कर्जा लेने को निवेश बताया। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने सरकार द्वारा बार-बार लिए जा रहे कर्ज के सवाल पर कहा है कि कर्जा लेने में कोई बुराई नहीं है। मैं तो यह कहता हूं कि यह कर्जा नहीं, यह निवेश है। उन्होंने कहा कि एक नया पैसा भी कहीं दूसरी जगह खर्च नहीं करते, केवल डेवलपमेंट में खर्च करते हैं। 17 दिसंबर को मप्र विधानसभा के 70 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में बुलाए गए बिशेष सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार ने पिछले दो सालों में 14-15 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है। मुख्यमंत्री ने राज्य पर बढ़ रहे कर्ज को लेकर कहा कि कर्ज की बड़ा हिस्सा पिछली सरकारों ने लिया था।

दरअसल, मप्र सरकार द्वारा बार-बार लिए जा रहे कर्ज पर राजनीतिक घमासान हो रहा है। कांग्रेस सरकार पर आरोपों की बौछार कर रही है। ऐसे में प्रदेश सरकार द्वारा बार-बार लिए जा रहे कर्ज को उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने निवेश की संज्ञा दी। मीडिया के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इस साल 4 लाख करोड़ का बजट लाया गया था। आगामी समय में इसे और भी बढ़ाएंगे। कर्जा नियम और प्रक्रिया से लिया जाता है। भारत सरकार की इसमें परमिशन होती है और सरकार कर्जे की राशि सिर्फ पूंजीगत कार्यों में ही खर्च करती है। कर्ज को कभी भी राजस्व मद में खर्च नहीं किया जाता है सिर्फ डेवलपमेंट में ही खर्च किया जाता है। कर्जा लेने में कोई बुराई नहीं है. मैं तो यह कहता हूं की कर्जा नहीं, यह निवेश है।

मप्र के ऊपर कुल 4.65 लाख करोड़ कर्ज

वित्त विभाग के आंकड़ों के अनुसार मौजूदा स्थिति में मप्र के ऊपर कुल कर्जा 4.65 लाख करोड़ है, जो वित्त वर्ष 2025-26 के कुल बजट 4.21 लाख करोड़ से 34 हजार करोड़ ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष में ही सरकार ने करीब 49 हजार 600 करोड़ रुपए का कर्जा उठाया है। यानी मौजूदा सरकार को जरूरतें पूरा करने के लिए औसतन 125 करोड़ रुपए का कर्जा रोजाना लेना पड़ रहा है। वित्त विभाग का कहना है कि सरकार पूंजीगत व्यय के लिए कर्ज लेती है। राज्य की प्रगति के लिए यह जरूरी है। हर बार कर्ज लेने से पहले सरकार अधिसूचना जारी करती है कि पूंजीगत व्यय के लिए कर्ज लिया जाएगा। यह बात अलग है कि वित्त विभाग ने अभी तक अपनी संपत्ति की कोई कीमत नहीं बताई है। सामान्यत- ऐसा माना जाता है कि सरकारी एसेट्स का मूल्य राज्य की बकाया देनदारियों से - कई गुना ज्यादा है। इसलिए मप्र सरकार को कर्ज लेने में किसी

तरह की अड़चन नहीं है। अपर मुख्य सचिव वित्त विभाग मनीष रस्तोगी का कहना है कि प्रदेश के विकास के लिए यह जरूरी है। दुनिया में विकसित भी कर्ज ले रहे हैं। कर्ज की राशि को यूं ही खर्च नहीं किया जा रहा है। मप्र में सरकार के एसेट्स (स्थाई संपति) खड़े हो रहे हैं। मौजूदा विकास कार्यों को निरंतर जारी रखने के लिए कर्ज लेना भी जरूरी है। यदि कर्ज लेना बंद कर दिया तो फिर विकास कार्य रुक जाएंगे।

मप्र ले रहा रोजाना औसतन 125 करोड़ का कर्ज

रोज औसतन 125 करोड़ का कर्ज लेना इस बात का संकेत है कि राजस्व और व्यय के बीच संतुलन कमजोर है। लाड़ली बहना जैसी लोक-कल्याणकारी योजनाएं सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण हैं, पर उनके दीर्घकालिक वित्तीय बोझ का स्पष्ट रोडमैप सामने नहीं है। सरकार के एसेट्स का मूल्य सार्वजनिक न करना भी पारदर्शिता की कमी दर्शाता है। कर्ज विकास का साधन हो सकता है, पर असीमित कर्ज भविष्य की पीढियों पर भारी बोझ बन सकता है। वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि यह कर्ज नहीं है, निवेश है। हम राज्य के पूंजीगत विकास के लिए भविष्य में और कर्ज लेंगे। आप लोग इसे दूसरे ढंग से देखते हैं, लेकिन यह हमारे लिए गर्व का विषय है। मप्र सरकार हर कर्ज का ब्याज समय पर चुका रही है। मप्र सरकार द्वारा लगातार बढ़ते कर्ज को उपलब्धि और निवेश के रूप में प्रस्तुत करना कई सवाल खड़े करता है। यह सच है कि पूंजीगत व्यय के लिए लिया गया कर्ज भविष्य की परिसंपत्तियां खड़ी करता है, लेकिन जब कुल कर्ज राज्य के कुल बजट से भी अधिक हो जाए, तो वित्तीय अनुशासन पर चिंता स्वाभाविक है।

विकास कार्यों में खर्च हो रही कर्ज की राशि

वित्त विभाग के अधिकारी ने बताया कि सभी तरह के कर्ज राज्य के विकास और भविष्य के लिए फायदेमंद एसेट्स बनाने के लिए गए हैं। जिसमें बांध, नहरों, भवन, कुआं, तालाब, सडक़ आदि का निर्माण शामिल हैं। साथ ही तकनीक, संचार, यातायात, सहकारी बैंकों, अन्य को-ऑपरेटिव सोसाइटियों की शेयर कैपिटल में इन्वेस्टमेंट, तीसरे पक्ष की संस्थाओं आदि को कर्जा देने के लिए, जो किस्तों में ब्याज के साथ कर्ज चुकाएंगे और मप्र के ऊर्जा विभाग की बिजली उत्पादन, बिजली ट्रांसमिशन और बिजली वितरण कंपनियों को कर्जा देने के लिए लिए गए। यह एक तरह का निवेश है। जानकारी के अनुसार, मौजूदा स्थिति में मप्र सरकार की बड़े वित्तीय भार वाली योजना लाडली बहना है। सरकार ने इस योजना के तहत मासिक भुगतान को 1250 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 1500 रुपए प्रति माह कर दिया है। पहले इस योजना में मासिक भुगतान के लिए 1540 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि की जरूरत थी, अब बढ़ाकर 1850 करोड़ खर्च हो रहे हैं। सरकार ने 2028 तक इस योजना के तहत मासिक भुगतान को 3 हजार रुपये प्रति माह तक ले जाने का वादा किया है।

मध्यप्रदेश को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय 'पावर लाइन ट्रांसटेक इंडिया अवॉर्ड'

वेस्टर्न रीजन में सबसे कम ट्रांसमिशन लॉस के लिए एमपी ट्रांसको को मिला सम्मान

पदमेश न्यूज । बालाघाट । मध्यप्रदेश ने विद्युत ट्रांसमिशन के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) को वेस्टर्न रीजन में सबसे कम ट्रांसमिशन लॉस दर्ज करने के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय 'पावर लाइन ट्रांसटेक इंडिया अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने एमपी ट्रांसको के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पुरस्कार प्रदेश की मजबूत ट्रांसमिशन व्यवस्था, तकनीकी दक्षता और सतत सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम ट्रांसमिशन लॉस के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय से मान्यता प्राप्त इस प्रतिष्ठित मंच से एमपी ट्रांसको की ओर से कार्यपालन अभियंता लोकेश द्विवेदी ने यह सम्मान प्राप्त किया।जिसे पावर सेक्टर की अंतरराष्ट्रीय मैगज़ीन 'पावर लाइन' द्वारा स्थापित किया गया है जिसका उद्देश्य भारतीय ट्रांसमिशन सेक्टर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली पावर यूटिलिटीज़ को प्रोत्साहित करना है।

मूल्यांकन का आधार

पुरस्कार के लिए यूटिलिटीज़ का चयन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) के डेटा तथा विभिन्न राज्य विद्युत कंपनियों की आधिकारिक रिपोर्टों के आधार पर किया गया। अवॉर्ड की श्रेणियों में सबसे अधिक लाइन लेंथ मे वृद्धि, ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी में वृद्धि, बेहतर वित्तीय प्रदर्शन और सबसे कम ट्रांसमिशन लॉस जैसे महत्वपूर्ण मानक शामिल रहे।

ट्रांसटेक इंडिया-2025 में हुआ सम्मान

यह सम्मान नई दिल्ली स्थित यशोभूमि इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर, द्वारका में आयोजित 'ट्रांसटेक इंडिया-2025' कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदान किया गया। यह कॉन्फ्रेंस विद्युत मंत्रालय से मान्यता प्राप्त एक प्रमुख राष्ट्रीय मंच है, जहां नीति निर्माता, रेगुलेटरी संस्थाएं, डेवलपर्स, मैन्युफैक्चरर्स और ईपीसी कॉन्ट्रैक्टर्स आपसी समन्वय के साथ भाग लेते हैं। इस आयोजन में देशभर से 2500 से अधिक ट्रांसमिशन यूटिलिटीज़ के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

अमित शाह करेंगे 2 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट्स लॉन्च

- अभ्युदय मप्र ग्रोथ समिट- अटल बिहारी की जयंती पर विकास की इबारत

भोपाल। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इसके लिए मध्य प्रदेश सरकार भव्य आयोजन की तैयारी कर रही है। कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी शिरकत करेंगे। इस मौके पर वह लगभग 2 लाख करोड़ लागत की परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। गृहमंत्री ग्वालियर में आयोजित अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट में भी शामिल होंगे।

अधिकारियों ने बताया कि, राज्य सरकार औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए वाजपेयी की जयंती पर ग्वालियर में अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट का आयोजन कर रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के मौके पर 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की औद्योगिक परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। परियोजना लॉन्च कार्यक्रम वाजपेयी के जन्मस्थान ग्वालियर में होगा। वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

निवेश के नए कीर्तिमान

डॉ. मोहन यादव ने बताया कि,भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में 32 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं। जिनमें से 6 लाख करोड़ रुपये के निवेश का भूमिपूजन पहले ही हो चुका है। उन्होंने जानकारी दी कि, 25 दिसम्बर को 2 लाख करोड़ रुपये के निवेश का भूमिपूजन/लोकार्पण एक ही स्थान पर संपन्न होगा, जो अपने आप में ऐतिहासिक है। मोहन यादव ने कहा कि यह ऐतिहासिक सम्मेलन वाजपेयी को समर्पित होगा। वह एक ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन लोकतंत्र को समर्पित कर दिया। चाहे वह सरकार में रहे हों या विपक्ष में, उन्होंने एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई सेक्टर्स में भी अपार संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं के मद्देनजर इन्हें विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

बाघ के बाद जल पक्षियों की गणना का प्लान तैयार

एशियन वॉटरबर्ड सेंसस प्रोग्राम के अंतर्गत जल पक्षी और वेटलैंड का सर्वेक्षण

जनवरी के पहले सप्ताह में 3 से 4 जनवरी तक चलेगा सर्वेक्षण

भोपाल । फिलहाल बाघ गणना ही जारी है, मगर अब जल पक्षियों की गणना का भी प्लान बनकर तैयार हो चुका है। नए साल के पहले सप्ताह में ही 2 दिन तक जल पक्षियों का गणना अथवा सर्वेक्षण किया जाएगा। यह 2 दिवसीय गणना 3 से 4 जनवरी तक चलेगी। वन विभाग के अनुसार शहरों के लगातार विस्तार के चलते एशियन वॉटरबर्ड सेंसस के अंतर्गत भोपाल सहित जिले के आसपास क्षेत्र में जल पक्षियों की मौजूदगी, उनकी प्रजातियों की गणना का उद्देश्य जल पंक्षियों और उनकी मनपसंद वेटलैंड (दल दल वाली गीली जमीन) जिसे रामसर के नाम से जाना और कहा जाता है, इनकी घटती -बढ़ती संख्या और जलवायु में बदलाव का आकलन सर्वेक्षण और बाद में इन सब जानकारियों का तथ्यात्मक विश्लेषण करना है।

जल पक्षियों की मौजूदगी में बढ़ोतरी अथवा घटाव से जल जमाव सम्बन्धित जलाशय और उनकी पास की गीली जमीन के भौगोलिक परिवर्तन का पता चलता है। कुल मिलाकर जिस तरह पर्यावरण श्रृंखला के लिए वन्यजीव और वन्य सम्पदा और मौसम जरूरी है। उसी तरह जलवायु के परिवर्तन के सूचकांक पर नजर रखने के लिए जल पक्षी और वेटलैंड जरूरी है।

आखिर क्या है... एशियन वाटरबर्ड सेंसस प्रोग्राम

एशियन वॉटरबर्ड सेंसस का मतलब है एशियाई जलपक्षी गणना है। यह एक अंतरराष्ट्रीय नागरिक-विज्ञान सम्बन्धित प्रोग्राम है। इसका प्रमुख उद्देश्य आर्द्रभूमियों मतलब वेटलैंड और उन जलपक्षियों की आबादी का वैज्ञानिक आकलन सहित उनके संरक्षण और प्रबंधन में सहायता करना है, जो जलाशय, तालाब, नदी, समुद्र किनारे रहते हैं अथवा पाए जाते हैं उनका आकलन या सर्वेक्षण करना है।

एसआईआर के बाद आज आएगी प्रारंभिक मतदाता सूची

मप्र की वोटर लिस्ट से कट सकते हैं 41 लाख नाम

भोपाल। मध्यप्रदेश में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद वोटर लिस्ट से लगभग 41 लाख नाम कट सकते हैं। एसआईआर के बाद मंगलवार को प्रारंभिक मतदाता सूची आएगी। एसआईआर प्रक्रिया के तहत प्रदेश में 5.76 करोड़ फॉर्म जमा हुए है। 9 लाख फॉर्म में 2003 की जानकारी नहीं है। 8.5 लाख मतदाताओं की मौत हो चुकी है। 2.5 लाख के नाम दो स्थान पर दर्ज है। कईयों ने गणना पत्रक में अधूरी जानकारी भी दी है। 23 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन होगा। प्रकाशन के बाद रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जिनके नाम नहीं जुड़े उन्हें नोटिस भेजेगा।

- स्कूल शिक्षा व परिवहन विभाग का रिपोर्ट कार्ड, मंत्री उदय प्रताप बोले

एजुकेशन डिपार्टमेंट के लिए बनेगा भव्य भवन

भोपाल। मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार के दो साल पूरा होने के बाद मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड पेश करने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में सोमवार को स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने दो साल की उपलब्धि गिनाई और आगामी कार्ययोजना की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग के लिए भव्य भवन बनेगा। राजगढ़-नरसिंहपुर में आदि शंकराचार्य गुरुकुल बनेगा। जहां वेद और संस्कृत पढ़ाएंगे।

एमपी सरकार के स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने विभाग की 2 साल की उपलब्धि गिनाई। उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग के लिए भव्य भवन बनेगा। 22 मंजिला बिल्डिंग बनेगी। प्रदेश में दो आदि शंकराचार्य गुरुकुलम शुरू होंगे। आदि शंकराचार्य गुरुकुल

राजगढ़ और नरसिंहपुर में बनाया जाएगा। जहां वेद और संस्कृत पढ़ाएंगे। पाठ्यक्रम में गाय को भी शामिल किया जाएगा। शुरुआत में दो गुरुकुल शुरू किए जाएंगे।

मंत्री ने मऊगंज वीडियो मामले में कही ये बात

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बच्चों को स्थानीय भाषाओं मालवी, बुंदेलखंडी, निमाड़ी आदि भाषाओं में किताबें उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं मऊगंज वीडियो मामले में उन्होंने कहा कि वीडियो सही है या गलत, इसकी जांच कराई जाएगी। हमने पुराने मामले में 13 अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई की है। 6 सस्पेंड किए गए है। विभाग में चलित जांच तंत्र चल रहा है। साल 2014 से पहले सबसे भ्रष्ट देश, घोटाले वाला देश, ऐसे शब्द आते थे। अब माइंड सेट बदला है।

स्कूलों में शिक्षकों के द्वारा कुत्ते भगाने वाले सवाल पर उन्होंने कहा कि शिक्षक महत्वपूर्ण अंग है। शिक्षक भी पालक की भूमिका में होता है। बच्चे की रक्षा माता पिता करते हैं तो शिक्षक भी कर सकते हैं। वहीं कांग्रेस ने स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री पर हमला बोला हैं। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया ने कहा कि जांच कराएंगे जांच कराएंगे, आखिर जांच कब कराएंगे? कोई भी मामला हो यही कहा जाता है कि जांच कराएंगे। अभिनव बरोलिया ने आगे कहा कि वेद पढ़ाने से मना किसने किया है। आखिर वेद कब पढ़ाएंगे? वहीं कांग्रेस विधायक डॉ राजेंद्र सिंह ने कहा कि परिवहन मंत्री मजाक कर रहे है। मंत्री अपना बचाव कर करे। परिवहन विभाग भ्रष्टाचार का विभाग है। लगातार करप्शन बढ़ रहा है। अफसरों के घर पैसा पहुंच जाता है। अभी भी वसूली की जा रही है। भ्रष्टाचार परिवहन विभाग में पहले भी होता था, लेकिन ये लगातार बढ़ता जा रहा है, ये चिंता की बात है।

भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष से मिले सीएम

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली में भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की है। साथ ही सीएम ने उन्हें यशस्वी कार्यकाल के लिए बधाई भी दी है। नितिन नवीन के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद सीएम मोहन यादव की यह पहली मुलाकात है। इस मुलाकात को लेकर सीएम ने एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए जानकारी दी है।

मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी में यह एक नए दौर की शुरुआत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सभी वरिष्ठ नेताओं ने नई पीढ़ी को अवसर दिया है। भारत युवाओं का देश है और विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का अध्यक्ष यदि युवा बनता है, तो इससे बड़ा सौभाग्य और क्या हो सकता है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है और उसी दिशा में मध्यप्रदेश भी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करते हुए आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने अपने दो वर्ष पूरे कर लिए हैं और इस दौरान सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के जीवन स्तर में सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार समावेशी विकास के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। वहीं, केंद्रीय विधि एवं न्याय और संसदीय कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल से भी सीएम डॉ. मोहन यादव ने मुलाकात की है।

26 दिसंबर को मप्र कांग्रेस की बड़ी बैठक

- संगठन मजबूती और 2026 के लिए रोडमैप पर फोकस

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी 26 दिसंबर को राजधानी भोपाल में एक बड़ी बैठक आयोजित करने जा रही है। यह बैठक पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) और प्रदेश कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक होगी, जिसमें संगठन को मजबूत करने को लेकर कई अहम फैसले लिए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में मंडलम, मोहल्ला और गांव स्तर पर कमेटियों के गठन पर विस्तार से चर्चा होगी। पार्टी के आधार को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने की रणनीति बनाई जाएगी। साथ ही, वर्ष 2026 के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया जाएगा, जिसमें आगामी चुनावी चुनौतियों और पार्टी की तैयारियों पर फोकस रहेगा। बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सभी सदस्य और प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी शामिल होंगे। यह बैठक पार्टी के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि हाल के दिनों में संगठनात्मक स्तर पर कई बदलाव किए गए हैं और अब जमीनी स्तर पर मजबूती लाने का प्रयास तेज किया जा रहा है।

मामला प्रदेश के शिवपुरी जिले में वनाधिकार पत्र देने का

आदिवासियों को वनाधिकार पत्र देने में घोटाला उजागर

भोपाल। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में आदिवासियों को वनाधिकार पत्र देने के मामले में घोटाला उजागर हुआ है। यह घोटाला गूगल इमेजनरी से पकड़ में आया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, वन विभाग ने गूगल इमेजनरी का अध्ययन करने पर पाया कि वित्तीय वर्ष 2004-05 की स्थिति में आसपास के क्षेत्रों में मात्र 12 से 15 झोपडियां बनी हुई थीं। वहां अब मौके पर बाउंड्री वाल बनी हुई है तथा उसके अंदर की भूमि पर एक आश्रम बना हुआ है, उस पर वर्ष 2015 में व्यक्ति विशेष के नाम से सामुदायिक वन अधिकार दिया गया है। बाउंड्री वाल होने के कारण जनसामान्य के लिए आवाजाही नहीं है। चौंकाने वाली बात यह है कि दिए गए सामुदायिक वन अधिकार के पत्रक पर जिस डीएफओ शिवपुरी के हस्ताक्षर हैं, वह वर्ष 2011 से वर्ष 2013 तक ही शिवपुरी वनमंडल में कार्यरत रहे हैं। जबकि उक्त सामुदायिक वन अधिकार का आवंटन वर्ष 2015 का है, जिससे प्रतीत होता है कि यह सामुदायिक वन अधिकार त्रुटिपूर्ण एवं नियमों के विपरीत आवंटित किया गया है। इसकी सूचना भोपाल स्थित वन मुख्यालय की भू-अभिलेख शाखा के पीसीसीएफ मनोज अग्रवाल पत्र ने दी है। सुप्रीम कोर्ट एवं केंद्र के जनजातीय कार्य विभाग के निर्देश पर उन्होंने संचालक आदिमजाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं तथा सीसीएफ शिवपुरी वन वृत्त को पिछले माह पत्र लिखा। अब इस मामले को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने शिवपुरी कलेक्टर एवं वहां के डीएफओ से संयुक्त जांच रिपोर्ट मांगी है। पीसीसीएफ के पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2017 में 63 से अधिक अपात्र लोगों को वन अधिकार पत्र वितरित किए गए हैं जो कि वन अधिकार एक्ट 2006 का स्पष्ट उल्लंघन है। पत्र में जांच कर नियम विरुद्ध बांटे गए वन अधिकार पत्र निरस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा वर्ष 2017 में ही नियम विरुद्ध बिना वन अधिकार पत्र आवंटन पर 30 से अधिक लोगों को इंदिरा आवास स्वीकृत किए गए हैं। नियम विरुद किये गए इस काम की भी अब जोरशोर से चर्चा हो रही है।

एम.पी. वनमित्र

मप्र के 38 जिलों में आज होंगे गणित जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल। राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) की पहल पर प्रदेश के करीब 38 जिलों में 170 से अधिक संस्थानों में गणित जागरूकता कार्यक्रम होंगे। सोमवार 22 दिसंबर को मध्यप्रदेश में गणित, खगोल विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा को लेकर व्यापक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इन सभी आयोजनों का मुख्य केंद्र उज्जैन जिले का ऐतिहासिक डोंगला रहेगा। डोंगला को प्राचीन काल से ही समय-गणना, सूर्य की गति, पंचांग निर्माण और खगोलीय अध्ययन का प्रमुख केंद्र माना जाता रहा है। अब इस ऐतिहासिक विरासत को आधुनिक संदर्भ में पुनर्जीवित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल से डोंगला को विज्ञान, गणित और भारतीय ज्ञान परंपरा के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे इसे एक नई पहचान मिल रही है। राष्ट्रीय गणित दिवस के मौके पर डोंगला में 卐भारत की वैदिक गणित परंपरा卐 विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रदेश और देशभर से आए विषय विशेषज्ञ, शिक्षाविद्, शोधार्थी और शिक्षक हिस्सा लेंगे। कार्यशाला में वैदिक गणित की वैज्ञानिक उपयोगिता, आधुनिक गणित से उसका संबंध और शिक्षा में इसके प्रयोग पर चर्चा होगी। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी सूर्य के उत्तरायण होने के खगोलीय क्षण के साक्षी भी बनेंगे। यह अनुभव भारतीय ज्योतिष, गणित और खगोल विज्ञान की समृद्ध परंपरा को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर देगा। परिषद की ओर से विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों, वैज्ञानिक संस्थानों और स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से व्याख्यान, प्रतियोगिताएं, संवाद सत्र और प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 323 रनों से हराकर टेस्ट सीरीज जीती

कॉनवे और लैथम दोनो पारियों में शतक लगाने वाली पहली सलामी जोड़ी बनी

माउंट माउंगानुई । डेवोन कॉनवे और टॉम लैथम की शतकीय पारियों के बाद जैकब डफी की घातक गेंदबाजी से मेजबान न्यूजीलैंड ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 323 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली है। इस जीत के साथ ही कीवी टीम ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल्स के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की है। इस मैच में वेस्टइंडीज की टीम वेस्टइंडीज की टीम जीत के लिए मिले 462 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में केवल 138 रन ही बना और उसे करारी हार झेलनी पड़ी। इंडीज टीम ने शुरुआत अच्छी की और बिना किसी नुकसान के 87 रन बनाये पर इसाके बाद विकेट गिरने का जो सिलसिला शुरु हुआ। उसने रुकने का नाम नहीं लिया। इससे पांचवें दिन वह दो सत्र में 138 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं इस हार से वेस्टइंडीज की टीम ने एक शर्मनाक रिकार्ड अपने नाम किया है। वह इस साल एक भी टेस्ट नहीं जीती है।

वेस्टइंडीज के ब्रैंडन किंग ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तेजी से शुरुआत की और 63 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया पर डफी ने उन्हें 67 रन पर आउट कर दिया। इसके बाद स्पिनर एजाज पटेल ने जॉन कैंपबेल को 16 रनों पर पेवेलियन भेज दिया। कावेम हॉज भी शून्य पर ही पटेल का शिकार बने। डफी ने पहले सेशन में लगातार विकेट लिए. जस्टिन ग्रीव्स भी शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। 100 रनों के अंदर ही वेस्टइंडीज की आधी टीम पेवेलियन लौट गयी।

इसके बाद शाई होप ने बल्लेबाजी के प्रयास किये पर सफल नहीं रहे। डफी ने दूसरे सत्र की शुरुआत में ही कप्तान चेज को पेवेलियन भेज दिया। पटेल ने होप को 3 रनों पर आउट किया। वहीं ग्लेन फिलिप्स ने केमार रोच को आउट किया। इसके बाद

रचिन रविंद्र ने ग्लेन फिलिप का विकेट ले लिया। इसके बाद डफी ने जेयडन सील्स को पांच गेंदों में आउट कर इंडीज पारी समेट दी।

इस मैच में कॉनवे को पहली पारी में 227 और दूसरी पारी में 100 रन बनाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवार्ड मिला। वहीं कप्तान लैथम ने भी दोनों पारियों में शतक लगाया। इस प्रकार कॉनवे और लैथम टेस्ट क्रिकेट में दोनों पारियों में शतक लगाने वाली पहली शुरुआती जोड़ी बनी। पहली पारी में न्यूजीलैंड ने 575/8 रन बनाकर पारी घोषित की थी। वहीं वेस्टइंडीज ने 420 रन बनाए। कीवी टीम ने 306/2 रन बनाकर पारी घोषित की और इंडीज को 462 रन का लक्ष्य दिया जो वह हासिल नहीं कर पायी।

घरेलू क्रिकेट से अब हो रही मोटी कमाई - हिंमाशु सांगवान

नई दिल्ली। देश में आईपीएल लीग आने के बाद से ही कई उभरते क्रिकेटरों को भी करोड़ों रुपये की रकम मिल रही है। आईपीएल से उन क्रिकेटरों को भी अच्छी खासी रकम मिल रही है। जो भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाते। आईपीएल के एक सत्र में भी ये क्रिकेटर मोटी कमाई कर रहे हैं। आईपीएल ही नहीं घरेलू क्रिकेट में भी आजकल अच्छी खासी रकम मिल रही है। घरेलू क्रिकेटरों को एक सत्र में लाखों, करोड़ों रुपये मिल रहे हैं। घरेलू क्रिकेटर में लंबे समय से खेले रहे हिंमाशु सांगवान का कहना है कि घरेलू स्तर पर भी अब लाखों और करोड़ों रुपए मिलने शुरू हो गए हैं। रेलवे की ओर से खेलने वाले हिमांशु ने कहा कि इस समय केवल आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ही पैसा नहीं है बल्कि घरेलू स्तर पर भी क्रिकेट में भी इस समय काफी पैसा है। घरेले दिल्ली प्रीमियर टी-20 लीग में ही कई खिलाड़ियों को 30 से 40 लाख रुपये में खरीदा गया था। सांगवान ने कहा कि इस राशि के बाद इन खिलाड़ियों को मैच फीस भी मिलती है। परफॉर्मेंस फीस भी मिलती है और यदि मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज बन गये तो उसकी भी मोटी रकम

मिलती है। साथ ही कहा कि दिल्ली प्रीमियर लीग घरेलू अनुबंध भी दे रहा है। इसमें बीसीसीआई के हिसाब से राशि दी जाती है। इससे साफ है कि दिल्ली प्रीमियर टी-20 लीग खेलने वाले खिलाड़ी भी बिना आईपीएल और अंतरराष्ट्री क्रिकेट खेले बिना ही लाखों और करोड़ों रुपयों की कमाई कर रहे हैं।

हिमांशु ने यह भी कहा की रणजी ट्रॉफी खेलने वाले खिलाड़ियों को अनुभव के आधार पर मैच फीस मिलती ह। इसमें सबसे सीनियर और शीर्ष खिलाड़ी जो 40 मैच से ज्यादा खेल चुके हैं। उनको 5 दिन वाले मैच के 60000 रुपय प्रतिदिन के हिसाब से मिलते हैं। वहीं 21 से 40 मैच खेलने वाले मध्य स्तर के खिलाड़ियों को 5 दिन वाले मैच का 50,000 हजार प्रति दिन और 20 मैच खेलने वाले जूनियर को 40,000 हजार रुपये प्रति दिन मिलते हैं। रिजर्व और गैर-खिलाड़ी सदस्यों को भी काफी रकम मिलती है।

वहीं कई विभाग भी घरेलू क्रिकेटरों को नौकरी देते हैं। इसमें उन्हें हर माह 80 से 90 हजार रुपए तक मिलते है पर ये सब ग्रेड के हिसाब से होता है। उनका कहना था कि इसमें अलाउंस और बाकी सभी लाभी अलग होते हैं। यदि आप कोई मैच खेल रहे हैं, तो उसकी फीस उसे मैच टूर्नामेंट के हिसाब से आपको मिलती है. इसके अलावा आपको अच्छी खासी छुट्टियां भी मिलती है।

डफी ने महान ऑलराउंडर हैडली का 40 साल पुराना रिकार्ड तोड़ा

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने के साथ ही महान ऑलराउंडर रिचर्ड हैडली का एक सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ दिया है। इससे डफी एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले दूसरे कीवी गेंदबाज भी बन गए। डफी ने दूसरी पारी में 5 विकेट जबकि पहली पारी में उन्होंने 4 विकेट लिए, थे। इस तरह उन्होंने मैच में कुल 9 लिए। ये अब तक का उनका सर्वश्रेष्ठ टेस्ट प्रदर्शन है। इसी के साथ डफी ने साल 2025 कैलेंडर वर्ष का समापन कुल 81 अंतरराष्ट्रीय विकेटों के साथ किया है। यह चार दशक के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में बना एक नया रिकॉर्ड है। इससे पहले साल 1985 में हैडली ने 79 विकेट लिए थे और तभी से ये रिकार्ड बना हुआ था। वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज़ में डफी ने कुल 23 विकेट लिए। यह साल 1985/86 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैडली के बाद किसी कीवी गेंदबाज़ का तीन या उससे कम टेस्ट की सीरीज़ में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

वहीं ए कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे किवी खिलाड़ी डैनियल विटोरी हैं। विटोरी ने साल 2008 में 76 विकेट लिए थे। वहीं ट्रेंट बोल्ड साल 2017 में 69 विकेट लेकर चौथे गेंदबाज रहे। क्रिस क्रेन्स में 1990 में 69 विकेट लिए थे। टी20 प्रारुप में भी में डफी छाये हैं। वह वर्तमान में आईसीसी टी20 रैंकिंग में दूसरे नंबर पर हैं। डीफी ने इसी साल टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। ज़िम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलने के बाद उन्होंने वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज़ में भाग लिया। अपने पहले ही चार टेस्ट मैचों में ही उन्होंने 25 विकेट लिए थे। टेस्ट के पांचवें दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ डफी पूरी तरह छाए रहे। डफी ने अंतिम सत्र में मुकाबला अपनी ओर मोड़ दिया। उन्होंने पहले ब्रैंडन किंग 67 का विकेट लिया। इसके बाद एलिक अथानाज़े, जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज को आउट किया।

टेस्ट सीरीज जीतने के साथ ही डब्यलूटीसी तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंची न्यूजीलैंड

माउंट माउंगानुई। तेज गेंदबाज जैकब डफी के पांच विकेटों और स्पिनर एजाज पटेल के तीन विकेटों की सहायता से न्यूजीलैंड ने तीसरे और अंतिम टेस्ट में वेस्टइंडीज को 323 रन से हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। इस मैच वेस्टइंडीज की टीम जीत के लिए मिले 462 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में केवल 138 रन ही बना पायी। आईसीसी के अनुसार इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम 28 पॉइंट्स और 77.77 प्रतिशत अंक हासिल कर विश्व टेस्ट चैम्मिपयनशिन (डब्यलूटीसी) तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं वेस्टइंडीज की टीम अंतिम स्थान पर

है। आठ में से सात टेस्ट हारने से वह डब्लयूटीसी की दौड़ से बाहर हो गयी है। दक्षिण अफ्रीकी टीम तीसरे नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम नंबर एक स्थान पर है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अब तक छह में से छह मैच जीते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज टेस्ट में 82 रन से मिली जीत के साथ ही उसे पॉइंट्स और 100 प्रतिशत अंक मिले हैं। दूसरी और इंग्लैंड सातवें नंबर पर है। भारतीय टीम 48.15 फीसदी अंक छठे नंबर पर है उसे अब तक नौ में से चार मैचों में जीत मिली है। वेस्टइंडीज के अलावा भारतीय टीम भी अब डब्यूटीसी रेस से तकरीबज बाहर हो गयी है क्योंकि उसे अब बचे हुए 9 टेस्ट में से 7 जीतने हैं जो काफी कठिन है।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन एशेज के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पायेंगे

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर नाथन लियोन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम 26 दिसंबर से इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। इससे लियोन पूरी तरह से बाहर हो गये हैं। इसका कारण है कि एडीलेड टेस्ट में लियोन की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी कारण वह मैच में पूरे समय गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। तीसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय लियोन ने एक गेंद को रोकने के लिए छलांग लगाई। इसके बाद ही उन्हें दर्द शुरु हो गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक

प्रवक्ता ने कहा कि लियोन की चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है। लियोन ने तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन विकेट ओर दोनो पारियों को मिलाकर पांच विकेट लिए थे। उन्होंने तब विकेट लिए जब इंग्लैंड की टीम तेजी से 435 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। ऐसे में लियोन अगर मेलबर्न में चौथे टेस्ट टेस्ट से बाहर रहते हैं ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए उनकी कमी पूरी करना आससन नहीं रहेगा। उनकी जगह पर बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुह्नमैन, को शामिल किया जा सकता है। मेंकुह्नमैन भी एक अच्छे स्पिनर हैं। उन्होंने में लियोन के साथ मिलकर खेला है और ऑस्ट्रेलिया के लिए पांच टेस्ट में 22.20 की औसत से 25 विकेट लिए हैं। इसके अलावा तस्मानिया के लिए दो शेफील्ड शील्ड गेम खेले हैं, जिसमें उसने 36 की औसत से चार विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले ही एशेज सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली है। ऐसे ऑस्ट्रेलियाई टीम बढ़े हुए मनोबल के साथ चौथे टेस्ट में उतरेगी।

2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से दुखी होकर संन्यास लेना चाहता था - रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है साल 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से वह हताश थे और उन्होंने खेल से संन्यास का फैसला कर लिया था। तब वह इतने दुखी थे और उन्हें लगा था कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है। तब भारतीय टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी पर वहां उसे ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था। तब ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाकर भारतीय टीम के हाथ आयी जीत छीन ली थी। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कि फाइनल के बाद उन्हें लगा था कि अब मुझे नहीं खेलना चाहिये क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है। इस सदमे से उबरने में मुझे कुछ समय लगा था। मैं अपने को याद दिलाता था कि यही वह खेल है, जिससे मुझे असल में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। इसके बाद धीरे-धीरे मैं इस झटके से उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ताकत वापस हासिल की और फिर से मैदान पर उतर गया। उन्होंने माना कि उस हार से हर कोई दुखी था और हमें भरोसा नहीं हो रहा था कि अचानक ही क्या हुआ है। मेरे लिए तो कप्तान होने के कारण यह बहुत कठिन दौर था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से पहले ही नहीं, बल्कि साल 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था.

रोहित ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और अब वह एकदिवसीय में ही खेलते हैं। उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना और उसे जीतना है। रोहित ने कहा, 'मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी-20 विश्व कप हो या 2023 में एकदिवीसय विश्व कप इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी शक्ति नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और वापसी करने में कुछ माह लग गये थे।'

भारतीय टीम ने इसके बाद उनकी कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था पर वह नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार से इसके बाद भी नहीं उबर पाये। रोहित ने कहा, 'जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपनी सारी ताकत लगा देते हैं और फिर आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो दुखी होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है. मेरे साथ भी ठीक यही हुआ, लेकिन मुझे यह भी पता था कि जीवन यहीं खत्म नहीं होता, इससे सबक लेते हुए हमने टी20 विश्वकप जीता। '

विजय हजारे ट्रॉफी में उतरेंगे रोहित और विराट

मुम्बई। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली इसी माह 24 और 25 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। इन दोनो ने ही हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अब इन दोनो का लक्ष्य विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीम में अपनी जगह बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम को अगले साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी खेलना है। ये दोनो ही उसमें भी बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए दौड़ में बने रहना चाहेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास के बाद से ही ये दोनों केवल एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं। ऐसे में इन दोनो को ही लय में बने रहने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीससीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी है। इसी कारण 24 दिसंबर को रोहित मुंबई के लिए जबकि 25 से विराट दिल्ली की तरफ से खेलते नजर आएंगे!

वहीं ये भी कहा जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली एकदिवसीय सीरीज से रोहित और विराट को आराम दिया जा सकता है।

बीसीसीआई ने सारे खिलाड़ियों को लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है। जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं चल रहा हो तो खिलाड़ियों को घरेलू मैच में खेलना होगा। बोर्ड के बनाए नियम में केवल चोटिल खिलाड़ियों को राहत मिलेगी। ऐसे में रोहित और विराट को भी एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने को मजबूर होना पड़ा है। इसका एक कारण ये भी है एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं जिससे इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू मैच खेलना जरुरी हो गया है।

रोहित ने एशेज में हार के बाद इंग्लैंड का मजाक उड़ाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने एशेज सीरीज में इंग्लैंड की करारी हार पर कहा है कि ऑस्ट्रेलिया में खेलना सबसे कठिन होता है। इंग्लैंड की टीम अभी ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज खेल रही है जहां उसे पहले तीनो ही मैचों में करारी हार मिली है। इसी को देखते हुए रोहित ने कहा कि इस बात को इंग्लैंड से बेहतर और कौन जान सकता है कि ऑस्ट्रेलिया में खेलना और जीत दर्ज करना सबसे मुश्किल है। इंग्लैंड की टीम लगातार हार से एशेज से बाहर हो गयी है। .

इंग्लैंड ने पहले और दूसरे टेस्ट में पर्थ और ब्रिस्बेन में तीन दिन से भी कम समय में 8-8 विकेट से खो दिये। वहीं तीसरे टेस्ट में भी उसे 82 रनों से हार झेलनी पड़ी। रोहित का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया में सीमित ओवरों में अच्छा रहा है। वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ 1000 एकदिवसीय रन बनाने वाले एकमात्र भारतीय बल्लेबाज हैं हालांकि टेस्ट मैचों में वह अधिक सफल नहीं रहे हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया में 10 टेस्ट खेलते हुए 19 पारियों में केवल 439 रन ही बनाये हैं। इसमें उन्होंने तीन अर्धशतक लगाये हैं।

अपनी अंतिम टेस्ट सीरीज में रोहित भी ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलते हुए पांच पारियों में केवल 31 रन ही बना पाये। अब देखना होना कि 26दिसंबर से होने वाले एशेज के चौथे टेस्ट में इंग्लैंड टीम किस प्रका मेजबान टीम को टक्कर देती है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही सीरीज जीत ली है। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद रहेंगे।

अंडर 19 एशिया कप में पाकिस्तान की जीत के बाद छाये पूर्व कप्तान सरफराज

नकवी से बोले प्रशंसक, टी20 विश्वकप के लिए भी मेंटर बनायें

लाहौर। अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान की जीत के बाद पूर्व कप्तान सरफराज अहमद के बाद फिर लाइम लाइट में आये हैं। सरफराज ही भारत के खिलाफ 191 रनों से जीत दर्ज करने वाली पाक अंडर-19 टीम के मेंटर हैं। वहीं अब प्रशंसकों का कहना है कि सरफराज को अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम मेंटर बनाया जाना चाहिये। इसी को देखते हुए एक पाकिस्तानी प्रशंसक ने पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी को भी अवार्ड समारोह के दौरान रोककर सरफराज को मेंटर बनाने की मांग रख दी।
.

यह तीसरी बार है जब सरफराज के रहते पाक ने फाइनल में भारत को हराया। साल

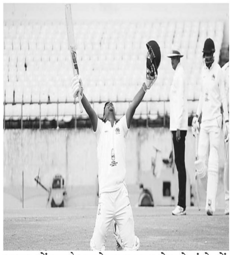

2004 में उनके रहते हुए पाक ने कोलंबो में आईसीसी अंडर 19 विश्व कप फाइनल में भारतीय टीम को 38 रन से हराया था। वहीं इसके बाद साल 2017 में जब वह सीनियर टीम के कप्तान थे। तब पाक टीम ने भारत को चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दिलायी थी। . रविवार को द्रुष्टष्ट एकेडमी ग्राउंड पर 38 साल के सरफराज मेंटर के तौर पर डगआउट से

जीत के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया है जिसमें एक पाकिस्तानी प्रशंसक नकवी को दुबई में अवार्ड स्थल से बाहर जाते समय रोकता है और कहता , 'सरफराज कभी धोखा नहीं देता।' इसके बाद प्रशंसक ने कहा, 'उन्होंने आपको 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जिताई थी। आज हमने एक और खिताब जीता है। कृपया उन्हें टी20 विश्व कप 2026 के लिए मेंटर बना दें।' तब नकवी मुस्कुराते रहे और अंत में अंगूठा दिखाकर जवाब दिया।

ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री परेशान

आए दिन 2 से 4 घंटे विलंब से चल रही ट्रेनें

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलपथ गोंदिया, बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी और तिरोड़ी के बीच प्रतिदिन चलने वाली सभी यात्री ट्रेने अपने निर्धारित समय से 2 से 4 घंटे देरी से चल रही है। करीब दो से तीन माह से यह सिलसिला हर दिन चला आ रहा है। जिस कारण रेल यात्रियों, कॉलेज के विद्यार्थियों को परेशानियों से दो-चार होना पड़ता है। रेल यात्री अपने गंतव्य स्थान पर समय पर नहीं पहुंच पा रहे है और विद्यार्थियों की कॉलेज की कक्षाएं छूट रही है। अब आलम यह है कि रेल मुसाफिरों का यात्री ट्रेनों से भरोसा उठने लगा है और वह फिर से बसों में महंगा सफर करने के लिए मजबूर हो गए है। गोंदिया और बालाघाट दोनों ही जिलों को आपस में जोड़ने वाली यात्री ट्रेनों को 'आवागमन की रीढ़' माना जाता है लेकिन यह रीढ़ ट्रेनों की लेटलतीफी से टूट चुकी है जिसका खामियाजा दोनों ही जिले की जनता को भुगतना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा हैरत करने वाली बात यह है कि ट्रेनों के विलंब से चलने पर बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद भारती भारती चुप्पी साधे बैठे हुए है वहीं जनता को हो रही परेशानी पर प्रमुखी विपक्षी पार्टी कांग्रेस को भी सांप सूंघ गया है। कांग्रेस को ट्रेनों की लेटलतीफी नजर नहीं आ रही है।

इस कारण हो रही परेशानी-

नागपुर मंडल के अंतर्गत गोंदिया, बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, तिरोड़ी रेल खंड में मेमू ट्रेन के परिचालन में रैंक शेयरिंग पद्धति का प्रयोग कर ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। जिस वजह से हर दिन यात्री ट्रेने अपने निर्धारित समय से चलने की बजाए विलंब से चलती है। इस पद्धति का प्रयोग सिमित रोलिंग स्टॉक होने के स्थिति में, किंतु उपयोग में ज्यादा माँग होने से रैक का अधिक से अधिक प्रयोग हो इसलिए किया जाता है, यह पद्धति रेल्वे के तकनीकी दृष्टिकोण से बहुत ही कारगर है, किंतु रैंक शेयरिंग पद्धति का सबसे ब ?ा नुकसान, किसी भी एक ट्रेन नम्बर का लेट होना है अगर किसी भी ट्रेन का एक भी नम्बर लेट हो जाता है तो उस रैक से अन्य पेयरिंग ट्रेन नम्बर अपने आप लेट हो जाती है। जिससे वर्तमान गोंदिया, बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, तिरोडी रेल खंड में यात्रा करने वाले यात्री अत्यधिक परेशान है, क्योंकि रोजाना गाड़ी संख्या क्रमांक 68803 बल्लारशाह गोंदिया मेमू ट्रेन के गोंदिया आने में रोड़ दो से ढाई घंटे विलंब होकर गोंदिया पहुँचती है। जिससे गाड़ी संख्या 68809/10 गोंदिया तिरोडी गोंदिया स्वत: विलंब हो जाती है। इस ट्रेन के लेट होने से इसके पेयरिंग रैक गाड़ी संख्या 68811/12 गोंदिया कटंगी गोंदिया भी विलंब से चलती है। गाड़ी संख्या क्रमांक 68803 बल्लारशाह गोंदिया मेमू ट्रेन का रैक शेयरिंग गाड़ी संख्या 68809/10 गोंदिया तिरोडी गोंदिया से ब्रेक कर इसे डेडिकेटेड रैंक से जल्द से जल्द परिचालन करवाया जाए। जिससे गोंदिया, बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, तिरोड़ी रेल खंड में चलने वाली मेमू समय से पूर्व प्लेटफार्म में लगे और समय से निकल जाए जिससे इस रेल खंड में यात्रा करने वाले यात्री को इन मेमू ट्रेनों के परिचालन का सही लाभ मिल सके और ट्रेन को अनावश्यक होने वाली लेटलतीफी से रोका जा सके और बेहतर परिचालन व्यवस्था बन सके और सुविधा यात्रियों को मिल सके।

ठंड में ठिठुर रहे यात्री-

अभी ठंड के मौसम में रेलवे स्टेशन में रेल यात्रियों को प्लेटफार्म में बैठकर ठिठुरते हुए देखा जा सकता है। ज्ञात रहे कि कुछ महीनों से लगातार जिस ट्रेन को शाम 05 बजे कटंगी स्टेशन पहुंचना होता हैं वह शाम साढ़े 07 कटंगी पहुंच रही यानी करीब ढाई घंटे देरी से सफर पूरा कर रही है। ट्रेनों के इंतजार की इस कड़ी में बुजुर्ग, महिलाएँ और छोटे-छोटे बच्चे सबसे अधिक प्रभावित होते है। नौजवान और पुरूष वर्ग स्टेशन में ही अलाव जलाकर ठंड से बचने का प्रयास करते हुए नजर आते है। ऑटो चालकों ने बताया कि आए दिन ट्रेन लेट आती है वह सवारी के लिए स्टेशन आते है और फिर यहां कई देर तक ट्रेन के आने का इंतजार करते है।

एप भी दे रहे भ्राम्रक जानकारी-

बताया जाता है आईआरसीटीसी रेल कांटेक्ट और वेयर इज माई ट्रेन जैसे एप में भी ट्रेन की लोकेशन और समय पर स्पष्ट सूचना नहीं मिलती। यह एप भी भाम्रक जानकारी देते है। गोंदिया से कटंगी और तिरोड़ी के बीच कुछ 6 ट्रेन संचालित होती है। जबकि बालाघाट से इतवारी के बीच वारासिवनी कटंगी-तिरोड़ी रूट पर एक ट्रेन संचालित होती है। गोंदिया से कटंगी के बीच चलने वाली सभी ट्रेने विलंब से चल रही है जिससे हर दिन सफर करने वाले सैकड़ों राहगीरों को परेशान होना पड़ता है। वहीं ट्रेनों की लेटलतीफी को लेकर रेल अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के बीच भी कोई बैठक नहीं होती। इस मामले में विधायक गौरव सिंह पारधी भी खामोश है जबकि वह भी रेल की एक समिति के सदस्य है। प्रदेश से लेकर केंद्र में भाजपा पार्टी की ही सरकार है बावजूद इसके जिले की सांसद अपने जिले की बदतर रेल सेवाओं को सुधारने की दिशा में कोई काम नहीं कर पाई है।

मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 13 लाख 7 हजार 906 मतदाताओं के गणना पत्रको का हुआ डिजिटलाईजेशन

23 दिसम्बर को निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन होगा

पदमेश न्यूज। बालाघाट । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 23 दिसम्बर को निर्वाचक नामावली के प्रारूप का प्रकाशन किया जाएगा। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान बीएलओ द्वारा मतदाताओं के गणना पत्रको का डिजिटलाईजेशन का कार्य किया गया है। जिसके अनुसार मृत, अनुपस्थित, अन्य स्थान पर पलायन कर गए एवं अन्य स्थान पर नाम दर्ज वाले मतदाताओं की सूची तैयार की गई है। इसके साथ ही 2003 की मतदाता सूची से जिन मतदाताओं या उनके परिजनों के नामो की मेपिंग नही हुई है उनकी सूची भी तैयार की गई है।

6825 नो मेपिंग वाले मतदाताओं को जारी होंगे नोटिस

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान गणना पत्रको का बीएलओ द्वारा डिजिटलाईजेशन किया गया है। इस दौरान जिले के 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं मे से 13 लाख 07 हजार 906 मतदाताओं के गणना पत्रको का डिजिटलाईजेशन हुआ है। 6825 मतदाताओं के नामो की वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मेपिंग नही हो पायी है और 62 हजार 406 मतदाताओं के मृत होने, अनुपस्थित रहने, अन्य स्थान पर पलायन करने एवं एक से अधिक स्थान पर नाम होने के कारण उनके गणना पत्रक प्राप्त नही हो पाए है। मेपिंग नही होने वाले इन मतदाताओं को मतदाता रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा नोटिस जारी किया जाएगा।

मृत, अनुपस्थित, शिफ्टेड एवं अन्य स्थान पर नाम वाले 62 हजार 406 मतदाताओं के कटेंगे नाम

विधानसभा क्षेत्र बैहर में 723, लांजी में 400, परसवाड़ा में 870, बालाघाट में 3178, वारासिवनी में 316 एवं विधानसभा क्षेत्र कटंगी में 1338 मतदाताओं की 2003 की सूची के आधार पर मेपिंग नही हो पायी है। इस प्रकार कुल 6825 नो मेपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस जारी किया जाना है। मृत होने, अनुपस्थित रहने, अन्य स्थान पर पलायन करने एवं एक से अधिक स्थान पर नाम होने के कारण गणना पत्रक प्राप्त नही होने वाले मतदाताओं में बैहर विधानसभा के 10 हजार 203, लांजी के 8623, परसवाड़ा के 8895, बालाघाट के 15 हजार 208, वारासिवनी के 9211 एवं कटंगी विधानसभा क्षेत्र के 10 हजार 266 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिये जाएंगे।

नो मेपिंग एवं नाम काटे जाने वाले मतदाताओं की सूची वेबसाईट पर उपलब्ध

जिले की सभी 1675 मतदान केंद्रो के बीएलओ द्वारा बीएलए एवं ग्रामीणों के साथ बैठक कर नो मेपिंग वाले एवं मृत होने, अनुपस्थित रहने, अन्य स्थान पर पलायन करने एवं एक से अधिक स्थान पर नाम होने के कारण गणना पत्रक प्राप्त नही होने वाले मतदाताओं की जानकारी प्रदान कर दी गई है। विधानसभा क्षेत्रवार यह सूची वेबसाईट पर उपलब्ध करा दी गई है। इस वेबसाईट पर जाकर विभाग पर क्लिक करना होगा, और उसके बाद निर्वाचन पर क्लिक करने पर जिला निर्वाचन अधिकारी की फोटो के बायीं ओर प्रारूप प्रकाशन एसआईआर-2026 की विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मतदान केंद्रवार सूचियॉ देखी जा सकती है।

45 दिवसीय कार्ययोजना बनाकर परिणाम सुधारने के निर्देश

परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु प्राचार्यों की संभागीय बैठक सम्पन्न

पदमेश न्यूज । बालाघाट । 22 दिसंबर 2025 को संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग जबलपुर की अध्यक्षता में परीक्षा परिणाम उन्नयन को लेकर जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की महत्वपूर्ण बैठक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में आयोजित की गई।

बैठक में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग की प्रतिनिधि श्रीमति दर्शना झरिया, सहायक संचालक, विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने जिले के विद्यालयों में आयोजित त्रैमासिक एवं अर्धवार्षिक परीक्षाओं के परिणामों की विस्तार से समीक्षा की तथा आगामी परीक्षाओं में विद्यार्थियों के शैक्षणिक परिणाम बेहतर बनाने के लिए प्रभावी रणनीतियों पर चर्चा की। उन्होंने सभी प्राचार्यों एवं शिक्षकों को परीक्षा परिणाम सुधार हेतु सतत एवं योजनाबद्ध प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

इसी क्रम में चैतू सिंह मरावी, सहायक संचालक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट द्वारा विद्यालय निरीक्षणों के दौरान पाई गई कमियों से अवगत कराते हुए, परीक्षा की बेहतर तैयारी हेतु आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए अश्विनी कुमार उपाध्याय, जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट ने पूर्व में निर्मित 75 दिवसीय अकादमिक कार्ययोजना की प्रगति की समीक्षा की तथा उसके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आगामी परीक्षाओं के लिए अब केवल 45 दिन शेष हैं, ऐसे में प्रत्येक प्राचार्य को 45 दिवसीय विशेष कार्ययोजना बनाकर परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु गंभीरता से कार्य करना होगा।

जिला शिक्षा अधिकारी उपाध्याय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा अवधि को दृष्टिगत रखते हुए बिना किसी विशेष परिस्थिति के शिक्षकों के अवकाश स्वीकृत न किए जाएं। सभी प्राचार्य एवं शिक्षक पूर्ण समय शाला में उपस्थित रहकर नियमित अध्यापन कार्य कराएं। आवश्यकता पड़ने पर अवकाश के दिनों में भी अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने तथा स्वल्पाहार की व्यवस्था स्थानीय मद से करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आगामी समय में परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु विद्यालयों का सघन निरीक्षण किया जाएगा तथा 45 दिवसीय कार्ययोजना प्रत्येक प्राचार्य के टेबल पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहनी चाहिए। बैठक के अंत में आभार प्रदर्शन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के प्राचार्य शरद ज्योतिषी द्वारा किया गया।

पुलिस की पहल पर रोजगार आपके द्वार

उकवा में होगा आयोजन, देश की नामी कंपनियां करेंगी शिरकत

पदमेश न्यूज। उकवा। जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस बल की पहल पर ग्रामीण बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार से जोड़ने हेतु,अब प्रशासन खुद पहल कर रहा है, और अब गांव के पढ़े लिखे बेरोजगार बच्चों को बड़े शहरों में जाकर नौकरी के लिय दर बदर भटकने की आवश्यकता नहीं है,क्योंकि अब प्रशासन और पुलिस की पहल से जिले में बड़ी बड़ी कंपनिया स्वयं आ कर योग्य बच्चों का चयन कर उन्हें अनेक स्थानों में योग्यता अनुसार नौकरी प्रदान कर रही है,जिसमें सैकड़ों बच्चों ने अभी तक नौकरी प्राप्त कर लिया है, और खुशी खुशी जीवन जी रहे है,ओर अधिक बच्चों को उनका भविष्य संवारने हेतु खनिज नगरी उकवा में पहली बार पुलिस की पहल पर रोजगार आपके द्वार- कार्यक्रम का आयोजन उकवा में आगामी 23 दिसम्बर दिन मंगलवार को उकवा चौकी परिसर में किया जा रहा है,जिसमें कोई भी युवक युवती जिसकी आयु 18 वर्ष से अधिक है,ओर कम से कम 8 कक्षा उत्तीर्ण है,इस रोजगार मेले में पहुंच कर लाभ ले सकता है,अपने साथ अपने जरूरी दस्तावेज से संपर्क कर सकते है,रोजगार मेले में जिले के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहकर सभी युवक युवतियों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे

बिरसा बस स्टैंड में रुपए के लेनदेन को लेकर जमकर हुई पिटाई

पदमेश न्यूज़ ।बालाघाट। बिरसा बस स्टैंड में एक व्यक्ति को हाथबुक्के और फावड़े के बेसे से मारपीट कर घायल कर दिया गया। 21 दिसंबर को 12:00 बजे यह घटना रुपए के लेनदेन को लेकर हुई। मारपीट में घायल व्यक्ति अशोक पिता मेहतर लाल ब्रम्हे 35 वर्ष वार्ड नंबर 20 मलाजखंड निवासी का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस ने विनोद पिता कार्तिक राम ग्वालवंशी 45 वर्ष वार्ड नंबर 23 बिरसा निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप में अपराध दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक ब्रम्हे बिल्डिंग वर्क की ठेकेदारी से काम करवाता है। चार वर्ष पहले विनोद ग्वालवंशी ने बिल्डिंग कार्य करने वाले मजदूरों को पैसे देने के लिए अशोक ब्रम्हे को 3 लाखा रुपये किस्तों में दिए थे। वह पैसा अशोक ब्रह्मे ने मजदूरों को बांट दिया था। इसी रुपए के लेनदेन को लेकर अशोक ब्रम्हे में और विनोद ग्वालवंशी के बीच विवाद चल रहा था। 21 दिसंबर को 12 बजे अशोक ब्रम्हे साजिद खान भीमजोरी निवासी के साथ उसकी मोटरसाइकिल में बिरसा तहसील ऑफिस स्लेप का काम देखने के लिए जा रहा था। तभी बस स्टैंड बिरसा पहुंचे थे कि वहां पर विनोद ग्वालवंशी ने साजिद खान को अनिल की सेलून की दुकान के पास बुलाया। उनके साथ अशोक ब्रम्हे भी चला गया था। अनिल की सेलून की दुकान के सामने जब अशोक ब्रम्हे में गया। तभी वहां विनोद ग्वालवंशी मिला और वह अशोक ब्रम्हे अपने पैसे वापस करने के लिए कहा किंतु अशोक ब्रम्हे ने कहा कि मैंने मजदूर को रुपए बांट दिया है। अब पैसे कैसे दूंगा। इसी बात को लेकर विनोद ग्वालवंशी अशोक ब्रम्हे को अश्लील गालियां देने लगा था। अशोक ब्रम्हे ने उसे गालियां देने से मना किया तभी विनोद ग्वालवंशी ने अशोक ब्रम्हे को हाथ बुक्के और झापड़ से मारपीट किया वहीं बीच बचाव बाद विवाद की स्थिति देखते हुए अशोक ब्रम्हे मदीना हार्डवेयर की दुकान की सामने चला गया था। वहां पर भी विनोद ग्वालवंशी ने आकर अशोक ब्रम्हे को फावड़ा के बेसे से मारपीट कर दिया और रुपए नहीं देने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद अशोक ब्रम्हे में रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचा। मारपीट में घायल अशोक ब्रम्हे का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं बिरसा पुलिस ने इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर विनोद ग्वालवंशी पिता कार्तिक राम ग्वालवंशी 45 वर्ष वार्ड नंबर 23 बिरसा निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है।

चिचगांव में जिला पंचायत सदस्य मद से बनेगा सामुदायिक भवन

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। विकासखंड कटंगी के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिचगांव के लिए रविवार का दिन बेहद अहम और यादगार बन गया है। चिचगांव की धरती पर 21 दिसंबर को एक ऐतिहासिक समारोह का आयोजन कर महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं का अनावरण किया गया। क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी, जिला पंचायत सदस्य केसर बिसेन, जनपद सदस्य इंद्रकला राजेश ठाकरे की प्रमुख मौजूदगी में समारोह का आयोजन हुआ जहां इन अतिथियों के द्वारा प्रतिमाओं का अनावरण किया गया। इस खास मौके पर जिला पंचायत सदस्य निधि से बनने वाले सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। रविवार की दोपहर 12 से लेकर दोपहर 3 बजे तक यहां मंचीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वहीं शाम में एक दिवसीय मेले का आयोजन किया गया। सरपंच अरविंद खैरवार ने बताया कि अब प्रतिवर्ष गांव में आज की तारीख में मेले का आयोजन किया जाएगा। चिचगांव में महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा का अनावरण करते हुए विधायक ने कहा कि यह पल उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने सामाजिक समरसता, शिक्षा और समानता के प्रतीक इन महान विभूतियों को नमन करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का सभी के साथ संकल्प लिया।

जिला पंचायत सदस्य केसर बिसेन ने कहा कि चिचगांव से उनका बहुत पुराना और आत्मीय नाता है।

उन्होंने कहा फुले दंपत्ति ने भारतीय समाज में सामाजिक समानता, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किए। उन्होंने जाति-भेदभाव और अस्पृश्यता के खिलाफ आवाज उठाई, सत्यशोधक समाज की स्थापना की, और दोनों पति-पत्नी ने एकसाथ मिलकर लड़कियों की शिक्षा की शुरुआत की, जिससे दलितों और महिलाओं को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ, और उन्हें 'महात्मा' की उपाधि से सम्मानित किया गया। आज महिलाएं अगर शिक्षा हासिल कर पा रही है तो यह फुले दंपत्ति की वजह से ही सार्थक हो पाया है उन्होंने कहा कि महिला वर्ग सदैव फुले दपंत्ति का ऋणी रहेगा।

कन्या महाविद्यालय में मनाया गया सुशासन सप्ताह

पदमेश न्यूज । बालाघाट । शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में 20 दिसम्बर को सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्राचार्य डॉक्टर निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा वाद विवाद प्रतियोगिता एवं कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन रानी दुर्गावती सेमिनार कक्ष में किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि सुशासन दिवस 25 दिसंबर को भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। सर्वप्रथम डॉ श्वेता मोर सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सुशासन का अर्थ छात्राओं के समक्ष स्पष्ट करते हुए प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा शासन को पारदर्शी, भ्रष्टाचार मुक्त एवं उत्तरदायित्वपूर्ण बनाने के लिए किए गए कार्यों को छात्राओं के समक्ष रखा । क्या भारत में सुशासन प्रभावी है विषय के पक्ष एवं विपक्ष पर छात्राओं ने अपने विचार रखें । सलोनी तिलासे एवं प्रीति चौहान एम ए प्रथम सेमेस्टर राजनीति विज्ञान, द्वारा सुशासन पर कविता का पाठ किया गया। अंत में डॉ दीपरत्ना मासुलकर संयोजक विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं को संबोधित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त महाविद्यालय परिवार का सहयोग रहा ।

श्रीराम व शिव कथा के आयोजन से ग्राम में दिखी काशी अयोध्या की झलक-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सेलोटपार में आयोजित श्रीरामचरित मानस रसोत्सव व श्री शिवपुराण महाकथा में शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने व्यासपीठ को नमन कर धर्मलाभ लिया। साथ ही प्रभू श्रीराम व शिव के संयुक्त आयोजन की सराहना करते हुये पारिवारीक दायित्वों को निभाने के संदेश को समय के हिसाब से प्रासंगिक बताया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने श्रीराम ज्ञानिदास महात्यागी व पंडित शैलेन्द्र मिश्रा को व्यासपीठ पर नमन किया। पश्चात श्रीराम परिवार की मनोहारी झांकी का पूजन कर सभी को कार्यक्रम की बधाई प्रेषित की। साथ ही ग्राम के द्वारा लिये गये निर्णय पर उसका सभी के द्वारा पालन करने की सराहना करते हुये ग्राम में अनेको महापुरूषो की प्रतिमा अनावरण कार्य को एक अच्छी पहल करार दिया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की एक साथ दो महाकथा व भक्तिमय वातावरण को देखकर प्रतीत हो रहा है

हमारी यह पंचायत अयोध्या ,काशी की दिव्यता की राह पर चल रही है। आज कथाओं के श्रवण में हमे पारिवारिक दायित्वों को निभाने का संदेश मिलता है। साथ ही हमे पहली बार श्रीहनुमान व विभिशण संवाद की भावयुक्त जानकारी मिली है। श्री जायसवाल ने कहा की यह आयोजन भगवान राम व शिव के अटूट संबंध को दर्शाता है जंहा दोनो एक ही परम सत्ता के रूप है। और भक्त को किसी एक में सीमित ना रहकर दोनो के गुणो का सम्मान करना सिखाता है। श्रीराम मर्यादा और निती के प्रतिक है जबकि शिव करूणा और त्याग के प्रतिक है। दोनो की महिमा को सुनना जीवन में संतुलन और आदर्शो को अपनाने का संदेश देता है। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मधु शुक्ला, सरपंच श्रीमती दिपीका पांडे, राही पांडे प्रतिनिधि, अमित एरपुड़े, सोनू जैन,शैलेंद्र तिवारी,मिलिन्द् नगपुरे,विनय सुराना, मनोज दांदरे,धर्मु जोशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पीएमश्री स्कूल भेंडारा में बैग लेस डे का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम भेंडारा स्थित पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बैग लेस डे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नई शिक्षा नीति २०२० के तहत मनाया गया जिसमें हस्तशिल्प कला और चित्रकला को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों के अंतर्निहित रचनात्मक एवं कलात्मक विचारों को मूर्त रूप देना है। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा बढ़.चढ़कर भाग लिया गया। जिसमें समस्त छात्र छात्राओं में अपनी हस्तशिल्पकला एवं चित्रकला के माध्यम से कागज के फूल फूलदान सिनरी फोटो फ्रेम गृह साज सज्जा के सामान गहने घर तथा सुंदर चित्रकारी आदि का सृजन किया। इस प्रतियोगिता में हर प्रतिभागी के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया गया। संस्था प्रमुख आर के नगपुरे ने कहा कि विद्यालय के द्वारा लगातार विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखरने दक्षता कौशल को बढ़ाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। शासन के इस प्रयास से अवश्य ही हमारे छात्रों को किताबी ज्ञान से अलग अपनी रचनात्मक कलाओं को उजागर करने का अवसर प्राप्त हुआ है। जो भविष्य में उन्हें रोजगारोन्मुखी द्रष्टिकोण भी प्रदान करेगा। यदि देखें तो विद्यार्थियों ने बहुत सुंदर सामग्री का निर्माण किया है जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इस अवसर पर मौसम कोल्हेकर ,श्रीमती रश्मि तुरकर ,अमित भँवरे ,बी आर मसखरे सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाये छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

पद्मेश न्यूज़ शहरनामा

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

आज राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधि की बैठक

पदमेश न्यूज । बालाघाट । 01 जनवर 2026 की स्थिति में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर-2026 के अंतर्गत 23 दिसम्बर को निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन किया जाना है। इसी परिप्रेक्ष्य में 23 दिसम्बर को अपरान्ह 04 बजे से जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीयकृत राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधि की बैठक का आयोजन किया गया है। यह बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपरान्ह 04 बजे से प्रारंभ होगी।

जिले में मतदान केंद्रो की संख्या 1675 से बढ़कर 1785 हुई

आयोग द्वारा 110 नवीन मतदात केंद्रो का किया गया अनुमोदन

पदमेश न्यूज । बालाघाट । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बालाघाट जिले के लिए 110 नवीन मतदान केंद्रो का अनुमोदन किया गया है। जिसके फलस्वरूप जिले में मतदान केंद्रो की संख्या 1675 से बढ़कर 1785 हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग के मापदण्ड के अनुसार 1200 से अधिक मतदाता होने पर जिले में नए मतदान केंद्र बनाए गए है। विधानसभा क्षेत्र बैहर में 12, लांजी में 31, परसवाड़ा में 14, बालाघाट में 25, वारासिवनी में 08 एवं विधानसभा क्षेत्र कटंगी में 20 नए मतदान केंद्र बनाए गए है। इस प्रकार विधानसभा क्षेत्र बैहर में मतदान केंद्रो की संख्या 321 से बढ़कर 333 हो गई है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र लांजी में मतदान केंद्रो की संख्या 294 से बढ़कर 325, परसवाड़ा में मतदान केंद्रो की संख्या 298 से बढ़कर 312, बालाघाट में मतदान केंद्रो की संख्या 276 से बढ़कर 301, वारासिवनी में मतदान केंद्रो की संख्या 237 से बढ़कर 245 एवं विधानसभा क्षेत्र कटंगी में मतदान केंद्रो की संख्या 249 से बढ़कर 269 हो गई है।

गाथा-राजनीति और सत्ता के 'वो' दिन-(एक)

बालाघाट : तेजलाल टेंभरे के आभामंडल का बेजोड़ दौर

एक्सप्रेस विशेष।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

विधायक, मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ना जाने कितने पदों पर स्व. तेजलाल टेम्भरे आसीन रहे. 1937 से लेकर 1985 तक उनका आभा मंडल दमकता रहा. वे एक ऐसे राजनेता थे जो उस शब्द को महिमामंडित भी करता है. अब कहां वो लोग! और कहां वैसा दौर!! वे तब परसवाड़ा और लांजी के विधायक थे, लेकिन प्रभाव सारे मध्यप्रदेश में चलता था।

राजनेता का हनक, सत्ता का इकबाल, शासक का दबाव और एक जनप्रतिनिधि का प्रभाव क्या होता है अगर यह जानना हो तो स्व तेजलाल टेम्भरे के जीवन के सारे पन्ने पढ़कर जाना जा सकता है. यह बालाघाट जिले की राजनीति का उल्लेखनीय अध्याय भी है. उनका प्रभाव उस दौर में भी उतना ही असरकारक था कि अफसरों को उनके सामने पेश होने में ही पसीना छूटता था!!

मध्यप्रदेश विधानसभा के भीतर और बाहर वे उतने ही प्रासंगिक थे जितना कि एक राजनेता को होना ही होता है. विधानसभा के भीतर के कामकाज को लेकर उनकी बादशाहत इतिहास में दर्ज है और इधर बालाघाट जिले में पदस्थ रहे तत्कालीन अफसर उनके प्रभाव और आभा मंडल से खौफ खाते थे।

इन दिनों तक सत्ता, राजनीति और प्रशासन के परिदृश्य में ऐतिहासिक बदलाव आये हैं. अब अफसर अपने समकालीन नेताओं, सत्ता प्रतिष्ठान से जुड़े चेहरों और जनप्रतिनिधियों के आगे कतई भी झुकते नजर नहीं आते. तब का दौर अलग था. यह दौर निहायत अलग है।

सन 1937 से कांग्रेस में सक्रिय

वे सन् 1937 से ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य रहे। सन् 1948 से 1953 तक जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट के उपाध्यक्ष रहे तथा 1953 से 1958 तक जिला कांग्रेस के अध्यक्ष रहे. सन् 1948 में गांधी स्मारक निधि के सचिव भी रहे. सन् 1952 से 1962 तक तथा 1962 से 1985त्तक मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य भी रहते आए हैं।

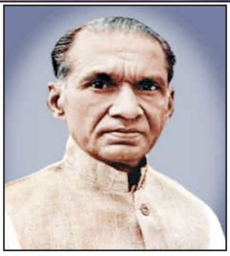

श्री टेम्भरे पंचम् विधान सभा (1972-77) के प्रथम अध्यक्ष (25.3.1972 से 10.8.1972) भी रहे है। उनका जन्म 22 फरवरी 1913 को जन्म स्थान--मौजा देवलगांव तब का तहसील व जिला बालाघाट और अभी देवलगाँव लाँजी तहसील का एक गाँव है जो महाराष्ट्र सीमा से लगा हुआ है। उनकी शैक्षणिक योग्यता-बी.ए., एल.एल.बी.तक शिक्षित थे।

सार्वजनिक एवं राजनैतिक जीवन का संक्षिप्त विकास क्रम

मौजा देवलगांव तहसील व जिला बालाघाट (म.प्र.) के कृषक परिवार में जन्मे श्री टेम्भरे स्नातक की परीक्षा मारिस कॉलेज नागपुर से सन् 1935 में पास होने के पश्चात् नागपुर विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय से सन् 1937 में एल.एल.बी. की परीक्षा में प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण थे। वे माह जून 1937 से बालाघाट में वकालत करते रहे. सन् 1951 में नागपुर हाईकोर्ट के अधिवक्ता सनद प्राप्त की तथा सन् 1972 तक बालाघाट में ही वकालत करते रहे. सन् 1977 से 1980 तक उच्च न्यायालय जबलपुर में वकालत करते रहे।

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष की आसंदी

उपलब्ध तथ्यों था रिसर्च के अनुसार वे 24 मार्च 1972 को सर्वसम्मति से मध्यप्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए तथा दिनांक 10 अगस्त 1972 को अध्यक्ष पद से त्याग पत्र दिया. तत्पश्चात 15 अगस्त 1972 को ही राज्य के केबिनेट मंत्री पद की शपथ ली तथा सन् 1975 तक लोक निर्माण विभाग के मंत्री रहे. तत्पश्चात् पंडित श्यामाचरण शुक्ल के मंत्रीमंडल में सन् 1977 तक एक साथ राजस्व, कृषि, सहकारिता एवं खाद्य तथा आपूर्ति मंत्री रहे. जनता पार्टी की सरकार बनने पर 1977 से सन् 1980 तक वे उच्च न्यायालय जबलपुर में वकालत करते रहे।

राजनीतिक तौर पर उल्लेखनीय दौर

वे सन् 1937 से ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य रहे. सन् 1948 से 1953 तक जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट के उपाध्यक्ष रहे तथा 1953 से 1958 तक जिला कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे. सन् 1948 में गांधी स्मारक निधि के सचिव रहे। सन् 1952 से 1962 तक तथा 1962 से वर्तमान समय तक मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य रहते आए. सार्वजनिक क्षेत्र में सर्वप्रथम सन् 1943 में जिला हरिजन संघ के अध्यक्ष के नाते हरिजन सेवा में कार्य किया तत्पश्चात् बालाघाट स्वीपर यूनियन से अध्यक्ष रहकर सेवा कार्य किया. सन् 1945-1948 तक सी.पी.एम.ओ. कम्पनी को भरवेली खदान मजदूर संघ के सक्रिय कार्यकर्ता रहे।

इसी तरह सहकारिता क्षेत्र में काफी लम्बे समय तक कार्य करते रहे. सन् 1944 से 1972 तक अर्थात् 27 वर्ष तक जिला सहकारी बैंक बालाघाट के अध्यक्ष रहे. इसी अवधि में अनेक बार मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक जबलपुर के संचालक मंडल में सदस्य रहे. 5 वर्षों तक बालाघाट जिला मार्केटिंग सोसाइटी के मनोनीत अध्यक्ष भी रहे. जिले में अनेक प्रकार की सहकारी सभाओं के गठन करने का एवं संचालन का भार वहन करने का भी उन्हें सौभाग्य प्राप्त हुआ।

शेष पेज 02 पर जारी

5 सरपंचों एवं 01 पंच के निर्वाचन के लिए 29 दिसम्बर को मतदान

22 पंच निर्विरोध निर्वाचित, 19 के लिए कोई नामांकन नही

पदमेश न्यूज । बालाघाट । त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन (उत्तरार्द्व)- 2025 के अंतर्गत बालाघाट जिले में 05 सरपंचों एवं 01 पंच के निर्वाचन के लिए 29 दिसम्बर को मतदान कराया जाएगा। बालाघाट जिले की बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत पल्हेरा, वारासिवनी विकासखंड की ग्राम पंचायत झालीवाड़ा, खैरलांजी विकासखंड की ग्राम पंचायत कचेखनी, लालबर्रा विकासखंड की ग्राम पंचायत रमपुरी एवं परसवाड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत उकवा में सरपंच के रिक्त पद एवं विकासखंड बालाघाट की ग्राम पंचायत भरवेली में वार्ड क्रमांक 03 में पंच पद के लिए मतदान कराया जा रहा है। पंचायत उप निर्वाचन के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले की 05 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं 42 पंचो के निर्वाचन के लिए 15 दिसम्बर तक नाम निर्देशन पत्र जमा करायी गई है। 18 दिसम्बर को नाम वापसी के बाद शेष बचे प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिये गए है। सरपंच पद के लिए विकासखंड वारासिवनी की ग्राम पंचायत झालीवाडा में 02 प्रत्याशी, विकासखंड परसवाडा की ग्राम पंचायत उकवा में 04 प्रत्याशी, विकासखंड खैरलांजी की ग्राम पंचायत कचेखनी में 03 प्रत्याशी, विकासखंड लालबर्रा की ग्राम पंचायत रमपुरी में 03 प्रत्याशी एवं विकासखंड बिरसा की ग्राम पंचायत पल्हेरा में 02 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। इस प्रकार 05 पंचायतों में सरपंच के लिए कुल 14 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे है।

जिले की पंचायतो में 42 पंचों के निर्वाचन के लिए निर्धारित समय सीमा में 19 पंचो के लिए किसी भी प्रत्याशी ने नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत नही किया है। जबकि 22 पंचो के लिए मात्र 01-01 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त होने के कारण उनका निर्वाचन निर्विरोध हो गया है। विकासखंड बालाघाट की ग्राम पंचायत भरवेली में वार्ड क्रमांक 03 के लिये पंच पद के 03 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। इस प्रकार 29 दिसम्बर को 05 सरपंच एवं 01 पंच के निर्वाचन के लिए निर्धारित मतदान केंद्रो पर प्रातः 07 बजे अपरान्ह 03 बजे तक मतदान कराया जाएगा। सरपंच के रिक्त पदो का निर्वाचन ईव्हीएम मशीनों द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार कराया जायेगा एवं पंच पद के निर्वाचन की प्रक्रिया बैलेट पेपर से ही सम्पन्न होगी। पंच पद के परिणाम की घोषणा मतदान के तुरंत पश्चात की जायेगी। सरपंच पद के निर्वाचन के परिणाम की घोषणा दिनांक 02 जनवरी 2026 को की जायेगी। ईव्हीएम से होने वाले सरपंच के निर्वाचन के लिए उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जीएस धुर्वे, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं प्रत्याशियों की उपस्थिति में 20 दिसम्बर को ईव्हीएम का रेंडमाईजेशन कर लिया गया है।

सरपंचों एवं पंच के निर्वाचन वाली पंचायतों में 29 दिसम्बर को रहेगा अवकाश

पदमेश न्यूज । बालाघाट । जिले की बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत पल्हेरा, वारासिवनी विकासखंड की ग्राम पंचायत झालीवाड़ा, खैरलांजी विकासखंड की ग्राम पंचायत कचेखनी, लालबर्रा विकासखंड की ग्राम पंचायत रमपुरी एवं परसवाड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत उकवा में सरपंच के रिक्त पद एवं विकासखंड बालाघाट की ग्राम पंचायत भरवेली में वार्ड क्रमांक 03 में पंच के रिक्त पद की पूर्ति के लिए 29 दिसम्बर 2025 को मतदान कराया जाएगा। मतदान के दिन सभी मतदाता बिना किसी व्यवधान के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके इसके लिए इन पंचायतों में 29 दिसम्बर को अवकाश रखा जाएगा। श्रम पदाधिकारी श्री मयंक दीक्षित ने इन पंचायतों मे स्थित कारखानों, उद्योगो, दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थानों के संचालकों व प्रबंधको को निर्देशित किया है कि अपने संस्थान में कार्यरत कामगारों को मतदान करने के लिए 29 दिसम्बर को अवकाश प्रदान करें। ऐसे कारखानों जिनमें सातों दिन काम चलता है उनमें कामगारों को बारी बारी से 02 घंटे का अवकाश मतदान करने के लिए देने कहा गया है।

आवश्यकता है

पद	संख्या	योग्यता
अकाउंटेंट	1	M com/Tally का ज्ञान आवश्यक
मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव्ह	1	MBA मार्केटिंग
सेल्स एक्जीक्यूटिव	1	ऑनलाइन मार्केटिंग का अनुभव
वेल्डर	1	2 वर्ष का कार्य अनुभव
स्टोरकीपर	1	ग्रेजुएट तथा MS एक्सल का ज्ञान
सुपरवाइजर	3	ग्रेजुएट
सिक्युरिटी गार्ड	3	बारहवीं पास

कृपया अपने रिज्यूम व्हाट्स ऐप नंबर 7974104139 पर प्रेषित करें।
प्रबंधक
रिभा टाइल्स
मेन रोड, बालाघाट

सोमनाथ ज्योर्तिलिंग के मूल स्वरूप का 25 को बालाघाट में होगा दर्शन

एक हजार साल बाद दर्शन के लिये बालाघाट आगमन

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। सोमनाथ ज्योर्तिलिंग के मूल स्वरूप का एक हजार साल बाद दर्शन करने देश में शोभायात्रा निकाली जा रही है। सोमनाथ ज्योर्तिलिंग का मूल स्वरूप दर्शन के लिये 25

दिसम्बर को दोपहर 12 बजे बालाघाट के आम्बेडकर चौक में पहुंचेगी। इस मूल स्वरूप का आर्ट ऑफ लिविंग परिवार बालाघाट के नेतृत्व में सनातनियों द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। आम्बेडकर चौक से भव्य शोभायात्रा निकाली जावेगी जो कालीपुतली चौक हनुमान मंदिर पहुंचेगी। जहां श्रद्धालुओं के दर्शन के लिये रखा जाएगा। इस अवसर पर हनुमान मंदिर में शाम 4 बजे से रूद्र पूजा का भी आयोजन किया गया है। रूद्र पूजा बैंगलोर आश्रम के वेदाचार्यो द्वारा कराई जाएगी। जिसकी तमाम जानकारी सोमवार को नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकारवार्ता में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था से जुड़ी पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े व नपाध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर सहित अन्य ने दी।

महमूद गजनवी ने 1000 साल पहले तोड़ा था ज्योर्तिलिंग-मौसम

आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े ने बताया कि महमूद गजनवी ने एक हजार साल पूर्व सोमनाथ ज्योर्तिलिंग को तोड़ दिया था। जिसके दो टुकड़े अग्निहोत्री परिवार को मिले थे। जिन्होंने दक्षिण भारत में अपने पास सुरक्षित रखकर पूजा करते रहे। विगत वर्ष मार्च माह उक्त परिवार के सदस्य सीताराम शास्त्री द्वारा इसे गुरूदेव श्री श्री रविशंकर जी को सौंप दिया था।ज्योर्तिलिंग के मूल स्वरूप के टुकड़े को

पार्ट टाइम जॉब

हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में सांय 6 से 11 बजे तक कार्य हेतु हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है।
पार्ट टाइम जॉब को प्राथमिकता देने वाले तत्काल संपर्क करें।
वेतन-योग्यतानुसार
सम्पर्क- कार्यालय दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
काली पुतली चौक, बालाघाट (मप्र)मो.9425138710
ईमेल :-balaghatexpress@gmail.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, **स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट